@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 14 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 153 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी और आरएसएस पर टिप्पणी करना कन्हैया कुमार को पड़ा भारी

पटना, 13 अप्रैल। पटना में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के खिलाफ कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दी है। भाजपा की लीगल टीम ने कन्हैया कुमार पर प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए पटना के कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। और, कन्हैया कुमार पर कार्रवाई करने की मांग की है। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष राहुल गांधी को चेतावनी दी है कि वह इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ें और उचित कार्रवाई करें। पार्टी का कहना है कि भारत की एकता और संप्रभुता को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति को जेल में होना चाहिए। भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश रिजवान सहित कई नेता कोतवाली थाना पहुंचे और इस मामले को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की। भाजपा के मीडिया प्रमुख दानिश रिजवान ने अपनी शिकायत में कहा है कि कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने एक निजी न्यूज चैनल पर 11 अप्रैल को इंटरव्यू के दौरान देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी व अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। कन्हैया ने कहा था कि पीएम मोदी संघी हैं और आरएसएस आतंकवादी है। कन्हैया कुमार के इस बयान से देश की करोड़ों जनता की भावना को ठेस पहुंची है। यह बहुत बड़ा अपराध है। इसीलिए बिहार पुलिस से अनुरोध है कि वह कन्हैया कुमार पर कड़ी कार्रवाई करे।

नियमों का उल्लंघन, बेटियों को संपत्ति से वंचित करने की साजिश: सुप्रीम कोर्ट

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के एक संपत्ति विवाद में एक पुराने गोदनामे को खारिज कर दिया है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यह गोदनामा जानबूझकर बनाया गया था ताकि बेटियों को उनके पिता की संपत्ति में हिस्सेदारी से वंचित किया जा सके। यह मामला भुनेश्वर सिंह नाम के व्यक्ति की संपत्ति से जुड़ा है, जिनकी दो बेटियां थ्र शिव कुमारी देवी और हरमुनिया हैं। एक व्यक्ति अशोक कुमार ने दावा किया कि उन्हें भुनेश्वर सिंह ने 1967 में गोद लिया था और इस आधार पर वह उनकी संपत्ति में अधिकार रखते हैं। उन्होंने गोदनामा और एक फोटो अदालत में पेश किया था। लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट ने इस गोदनामे को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि, हमने पूरी सुनवाई और दस्तावेजों को ध्यान से देखा और यह साफ है कि यह गोदनामा सिर्फ बेटियों को उनके हक से वंचित करने के लिए तैयार किया गया था। गोद लेने की प्रक्रिया में पत्नी की सहमति अनिवार्य होती है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं हुआ। गोद लेने की तारीख थी 9 अगस्त 1967, लेकिन गोदनामे में पत्नी की न तो सहमति थी, न ही हस्ताक्षर, और न ही वह गोद लेने की रस्म में

शामिल थीं। हाईकोर्ट ने भी माना कि गोद लेने की प्रक्रिया में जरूरी कानूनी नियमों का पालन नहीं हुआ। अदालत ने यह भी कहा- एक गवाह ने भी गोद लेने की रस्म की तस्वीरों में मां को पहचानने से इनकार किया। इससे साफ होता है कि गोदनामे में पत्नी की सहमति नहीं थी। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने यह भी माना कि इस मामले में गोदनामे की वैधता तय करने में 40 साल से अधिक की देरी हुई, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। अदालत ने इसके लिए माफी मांगी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा- हम जानते हैं कि ग्रामीण इलाकों में बेटियों को संपत्ति से बाहर करने के लिए इस तरह की गोद लेने की चालें चलती हैं। यह एक आम तरीका है बेटियों को उनका हक न देने का। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गोदनामा कानूनी रूप से अमान्य है और इसे खारिज करना बिल्कुल सही फैसला है। इलाहाबाद हाईकोर्ट और पहले राजस्व बोर्ड ने जो फैसला दिया था, वह पूरी तरह से विधिसंगत है। हिंदू दत्तक और भरण-पोषण अधिनियम, 1956 के तहत- यदि कोई पुरुष बच्चा गोद लेता है, तो उसकी पत्नी की सहमति अनिवार्य है। गोद लेने की वास्तविक रस्म यानी देने और लेने का प्रमाण होना चाहिए, सिर्फ फोटो या कथन से गोदनामा साबित नहीं होता। इस मामले में न तो सहमति थी, न रस्म का स्पष्ट प्रमाण। इसलिए गोदनामा अवैध माना गया।

ट्रंप के ताजा आदेश से अप्रवासियों की और बढ़ी मुश्किलें

वॉशिंगटन, 13 अप्रैल। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए नियम से अमेरिका में रह रहे अप्रवासियों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। दरअसल अब सभी अप्रवासियों को 24 घंटे अपने कानूनी दस्तावेज और पहचान पत्र साथ रखने होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप का नया कार्यकारी आदेश %अतिक्रमण से अमेरिकी लोगों की सुरक्षा% 11 अप्रैल से लागू हो गया है। इसका उद्देश्य अमेरिका में रह रहे अवैध अप्रवासियों को पकड़ना और उन्हें निर्वासित करना है। अमेरिका में एलियन रजिस्ट्रेशन रिक्वायरमेंट कानून साल 1940 से मौजूद है, जिसके तहत अमेरिका में रहने वाले सभी अप्रवासियों को पंजीकरण कराना होता है, लेकिन अभी तक इस कानून का सख्ती से पालन नहीं हो रहा था। अब ट्रंप के नए कार्यकारी आदेश के बाद इस कानून का सख्ती से पालन किया जाएगा। व्हाइट हाउस की सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान जारी कर कहा है कि %सभी अवैध अप्रवासी, जो 30 दिन से ज्यादा अमेरिका में रह रहे हैं, उन्हें खुद को संघीय सरकार के समक्ष पंजीकृत कराना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और जुर्माना लगाकर निर्वासित कर दिया जाएगा।% नियमों के तहत 14 साल से ज्यादा उम्र के सभी अप्रवासियों को सरकार के समक्ष पंजीकरण कराना होगा और 14 साल से कम उम्र के बच्चों का पंजीकरण उनके माता-पिता को कराना होगा।

कांग्रेस ने आंबेडकर का किया अपमान: सीएम योगी

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 13 अप्रैल। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रविवार को बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत प्रदेश कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस द्वारा बाबा साहब का अपमान करने की बात कही। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने आंबेडकर का अंतिम संस्कार दिल्ली में नहीं होने दिया था। इस पुरानी पार्टी ने भारतीय संविधान के निर्माता का स्मारक बनाने से मना कर दिया था। इन्हीं लोगों ने बाबा साहब आंबेडकर को चुनाव हराने दिया। उनके महा

परिनिर्वाण के बाद स्मारक भी नहीं बनने दिया। मुख्यमंत्री ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर भी विपक्ष को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि वक्फ के नाम पर हजारों एकड़ जमीन कब्जा की गई है। वक्फ के पास उसका कोई राजस्व रिकॉर्ड नहीं है। अब जब कार्रवाई हो रही है तो कुछ लोग हिंसा भड़का रहे हैं। पश्चिम बंगाल में घर से घसीटकर तीन हिंदुओं की हत्या कर दी गई। यूपी में आज जो लोग दलित हितैषी होने की बात करते हैं। इन्हीं के पार्टियों से जुड़े लोगों ने गरीब, वंचितों और दलितों की सबसे ज्यादा जमीनें कब्जा की हैं।

मुर्शिदाबाद से डर के कारण भागे सैकड़ों लोग

कोलकाता, 13 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में फैली हिंसा से डरकर सैकड़ों लोग भागकर पास के मालदा जिले में पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक, ये सभी लोग भागीरथी नदी पार कर नावों के जरिए मालदा पहुंचे हैं। जहां प्रशासन ने इन पीड़ित लोगों के लिए स्कूलों में अस्थायी ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था की है। बता दें कि, मुर्शिदाबाद जिले के कई इलाकों जैसे सूती, धुलियन, जंगीपुर और समसेरगंज में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी। यह क्षेत्र मुस्लिम-बहुल है और प्रदर्शन धीरे-धीरे सांप्रदायिक तनाव में बदल गया। धूलियन के मंदिरपाड़ा इलाके से भागी एक महिला ने बताया, %हमारे घर जला दिए गए। कुछ बाहरी और स्थानीय लोगों ने मिलकर महिलाओं और लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार किया, पुरुषों को पीटा गया। हमें कहा गया कि हम इलाके को छोड़ दें। हमारी जान को खतरा था, इसलिए हमने केंद्रीय बलों की मदद से घर छोड़ा।% एक बुजुर्ग महिला ने रोते हुए कहा, %हमने हाथ जोड़कर हमलावरों से माफी मांगी, जबकि हमने कुछ गलत नहीं किया था। वे हथियार लहराकर हमारे घरों में घुसे और हमें मारने-पीटने रहे। हम जैसे-तैसे कुछ सामान लेकर नदी पार कर भाग निकले। वरना हम मारे जाते।% विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के अनुसार, %धूलियन से करीब 400 हिंदू नागरिक डर के मारे भागकर भागीरथी नदी पार कर मालदा जिले के बैष्णवनगर इलाके में पहुंचे हैं।

वक्फ कानून मुसलमानों के लिए सही नहीं: मौलाना महमूद मदनी

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। वक्फ संशोधन कानून को लेकर मुस्लिम संगठनों की दिल्ली में बड़ी बैठक आयोजित की गई। वक्फ संशोधन अधिनियम पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख महमूद मदनी ने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम देश, समाज या मुसलमानों के लिए सही नहीं है। हमारी लड़ाई जारी रहेगी, खत्म नहीं होगी, चाहे हमें कितनी भी कुर्बानी देनी पड़े। महमूद मदनी ने कहा, यह वक्फ का मामला नहीं बल्कि राजनीति है। मुसलमानों के नाम पर, कभी मुसलमानों को गाली देकर या मुसलमानों का हमदर्द बनकर दुर्भावना के साथ इस अधिनियम को लागू किया गया। यह अधिनियम या संशोधन देश, समाज या मुसलमानों के लिए सही नहीं है। मदनी ने कहा, %हमारी लड़ाई जारी रहेगी, खत्म नहीं होगी, चाहे हमें कितनी भी कुर्बानी देनी पड़े। हमने आजादी से पहले भी कुर्बानियां दी हैं। अगर हमें लड़ना पड़ा तो हम लड़ेंगे। अगर हमें सब्र करना है तो हम वो भी करेंगे। हम हर स्थिति के लिए तैयार हैं। हम न्याय का इंतजार कर रहे हैं।% उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की अपील करते हुए कहा कि इस कानून के खिलाफ हर जगह शांतिपूर्ण प्रदर्शन होने चाहिए। वहीं, इससे पहले मौलाना महमूद मदनी ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की है, जिसमें कानून की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। याचिका में जमीयत ने अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि इस कानून में एक नहीं, बल्कि भारत के संविधान के कई अनुच्छेद विशेष रूप से अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26, 29 और 300-ए के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का घोर उल्लंघन किया गया है, जो मुसलमानों के धार्मिक और सांस्कृतिक अधिकारों और पहचान के लिए गंभीर खतरा है।

फैशन डिजाइनर विक्की की फैक्टरी में पहुंचे राहुल गांधी

सौरभ शर्मा

नारनौल (हरियाणा), 13 अप्रैल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नारनौल के फैशन डिजाइनर विक्की सैनी की फैक्टरी में पहुंचे। विक्की सैनी ने 2016-17 में दिल्ली के हौज खास के पास शाहपुर जाट में फैक्टरी लगाई थी। जिसमें करीब 40 कारीगर कार्य भी कर रहे हैं। अब उनकी फैक्टरी में पांच अप्रैल को राहुल गांधी ने पहुंच कर अनेक मुद्दों पर चर्चा की। बता दें कि राहुल गांधी ओबीसी वर्ग से जुड़े ऐसे व्यापारियों को लेकर सर्वे कर रहे हैं, जिन्होंने जीरो से अपना कारोबार शुरू किया है। इस दौरान राहुल गांधी ने विक्की सैनी से पूछा कि ओबीसी के कितने लोग इस फील्ड में हैं। साथ ही इस कार्य में क्या-क्या परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां तक राहुल गांधी ने कपड़े की कटिंग भी की। जिसका अब उन्होंने वीडियो जारी किया है। राहुल गांधी ने पूछा कि आप ने काम कहां से शुरू किया? विक्की सैनी ने कहा कि उसने जीरो लेवल से कार्य शुरू किया। उसने टीवी पर देखकर फैशन डिजाइनिंग में आने की सोची। राहुल गांधी ने पूछा कि आपका मिशन क्या है तो विक्की ने कहा कि उसे मिडिल क्लास से हायर बनना है। राहुल गांधी ने कहा कि जो कार्य कर रहा है उसे वैल्यू नहीं

मिल रही है और बिचौलिया पहले लाभ उठा रहा है। इस नेटवर्क में जिसकी पहुंच है वह सारा फायदा उठा रहे हैं। आपका 20 हजार में बिकेगा, वहीं दूसरा पांच लाख में बेच रहा है। हुनर में फर्क नहीं है, लेकिन सारा प्रॉफिट कोई और उठा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि बिना पहुंच के देश में कोई काम नहीं होता। जिसकी वजह से व्यापारी को पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। वह ऐसा सिस्टम चाहते हैं कि लोगों का काम बिना पहुंच के बन जाएं। विक्की सैनी ने राहुल गांधी से कहा कि हमारे पास हुनर है, लेकिन बेहतर प्लेटफार्म नहीं मिल पा रहा है। जिस पर राहुल ने कहा आप लोगों को भी उसमें जगह मिलनी चाहिए। नारनौल के मोहल्ला नलापुर में विक्की सैनी का जन्म हुआ था। उनके पिता उदमीराम सैनी की नई और पुरानी सब्जी मंडी में दुकानें हैं। लेकिन विक्की ने हटकर कुछ करने की ठानी और अब दिल्ली में फैक्टरी लगाकर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उदमीराम सैनी ने बताया कि उसके दो लड़के हैं। उसके बड़े लड़के ने फैशन डिजाइन का कोर्स किया था। जिसके बाद वह दिल्ली में ही रहकर अपना कार्य कर रहा है। फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में बेटे ने जो सफलता हासिल की है, उससे क्षेत्र का मान बढ़ा है और उन्हें अपने बेटे पर गर्व है। यह बड़े गर्व की बात है कि राहुल गांधी जैसे नेता उनकी फैक्टरी पर आए और उनके बेटे की हौसला अफजाई की।

शेख हसीना, बहन रेहाना और भतीजी रिजवाना के गिरफ्तारी वारंट जारी

तेजिन्दर कौर बब्बर

ढाका, 13 अप्रैल। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। भ्रष्टाचार के एक और मामले में पूर्व पीएम शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और भतीजी व ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीकी समेत 50 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुए हैं। ढाका मेट्रोपॉलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा दायर तीन अलग-अलग आरोपपत्रों पर विचार करने के बाद राजनीतिक शक्ति का दुरुपयोग करके अवैध भूमि अधिग्रहण करने पर यह आदेश जारी किया। एसीसी के सहायक निदेशक (अभियोजन) अमीनुल इस्लाम ने कहा कि न्यायाधीश हुसैन ने गिरफ्तारी आदेशों के निष्पादन पर रिपोर्ट की समीक्षा के लिए 27 अप्रैल की तारीख तय की है। हाल ही में एसीसी ने भूखंड आवंटन में भ्रष्टाचार के तीन अलग-अलग मामलों में 53 लोगों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र जमा किए हैं। 10 अप्रैल को इसी अदालत ने राजुक प्लॉट आवंटन से संबंधित एक अलग

भ्रष्टाचार मामले में हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल और 17 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इससे पहले 13 जनवरी को एसीसी ने रेहाना के खिलाफ अधिकार का दुरुपयोग करके पुर्बाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में 10 प्लॉट हासिल करने का मामला दर्ज किया। इस मामले में भी पूर्व पीएम हसीना और रेहाना की बेटी ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक सहित 15 आरोपियों के नाम शामिल किए गए थे। मामले की जांच के बाद एसीसी ने 10 मार्च को 17 व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने इसी दिन रेहाना के बेटे रादवान मुजीब सिद्दीकी के खिलाफ तीसरा मामला दर्ज किया। उन पर राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करके प्लॉट हासिल करने का आरोप है। इससे पहले बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना, उनके राजनीतिक सहयोगियों, वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारियों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध और जबरन गायब होने जैसे आरोपों पर दो गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। बुधवार को एसीसी ने मुजीब शताब्दी समारोह के लिए हसीना, उनकी छोटी बहन शेख रेहाना और एक पूर्व अधिकारी द्वारा 4,000 करोड़ टका की बर्बादी की नई जांच शुरू की है। एसीसी ने आरोप लगाया कि उसने जो राशि बताई है, वह राष्ट्रीय खजाने से खर्च की गई है।

वक्फ संशोधन एक्ट का विरोध तेज

हैदराबाद, 13 अप्रैल। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड 19 अप्रैल को वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ हैदराबाद में एक बैठक आयोजित करेगा। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को यह जानकारी दी। ओवैसी ने को बताया कि यह जनसभा एआईएमपीएलबी के अध्यक्ष खालिद सैफुल्लाह रहमानी के नेतृत्व में दारुस्सलाम (एआईएमआईएम मुख्यालय) में शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक होगी। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्यों के साथ-साथ दोनों राज्यों के अन्य मुस्लिम संगठन इस जनसभा में भाग लेंगे। वे इस अधिनियम के खिलाफ सार्वजनिक तौर पर अपने विचार रखेंगे और लोगों को बताएंगे कि यह कानून वक्फ के हित में नहीं है। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि वे संसद की वक्फ समिति के सदस्यों से भी संपर्क कर रहे हैं, वे भी इस जनसभा में शामिल हो सकते हैं। ओवैसी ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाया गया यह वक्फ (संशोधन) अधिनियम असंवैधानिक है और यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 25, 26 और 29 का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम मुसलमानों के हितों के खिलाफ है। ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस अधिनियम पर पुनर्विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा, आप ऐसा कानून बना रहे हैं जो संविधान के खिलाफ है और आप अपने विचार देश पर थोप रहे हैं। आपकी विचारधारा भारतीय राष्ट्रवाद और संविधान होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार यह झूठ फैला रही है कि वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसलों को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती।

आकाश आनंद ने मायावती से मांगी माफी

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 13 अप्रैल। बसपा से निष्कासित किए गए आकाश आनंद ने पार्टी सुप्रीमो मायावती से माफी मांगते हुए फिर से पार्टी के लिए कार्य करने की इच्छा जताई और कहा कि अब वह अपने नाते रिश्तेदारों की नहीं सुनेंगे। उन्होंने एक्स पर जारी किए गए बयान में कहा कि बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष, यूपी की चार बार की मुख्यमंत्री एवं लोकसभा व राज्यसभा की भी कई बार रहीं सांसद मायावती जी को मैं अपना दिल से एकमात्र राजनीतिक गुरू व आदर्श मानता हूं। आज मैं यह प्रण लेता हूं कि बहुजन समाज पार्टी के हित के लिए मैं अपने रिश्ते-नातों को व खासकर अपने ससुराल वालों को कतई भी बाधा नहीं बनने दूंगा। यही नहीं बल्कि कुछ दिनों पहले किए गए अपने ट्वीट के लिए भी माफी मांगता हूं जिसकी वजह से आदरणीया बहन जी ने मुझे पार्टी से निकाल दिया है और आगे से इस बात को सुनिश्चित करूंगा कि मैं अपने किसी भी राजनीतिक फैसले के लिए किसी भी नाते रिश्तेदार और सलाहकार की कोई सलाह मशविरा नहीं लूंगा और सिर्फ आदरणीय बहन जी के दिए गए दिशा-निर्देशों का ही पालन करूंगा। तथा पार्टी में अपने से बड़ों की व पुराने लोगों की भी पूरी इज्जत करूंगा और

उनके अनुभवों से भी काफी कुछ सीखूंगा। आदरणीया बहन जी से अपील है कि वे मेरी सभी गलतियों को माफ करके मुझे पुन: पार्टी में कार्य करने का मौका दें, इसके लिए मैं सदैव उनका आभारी रहूंगा। साथ ही अब मैं आगे ऐसी कोई भी गलती नहीं करूंगा, जिससे पार्टी व आदरणीया बहन जी के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान को ठेस पहुंचे। 1. बी.एस.पी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, यू.पी. की चार बार रही मुख्यमंत्री एवं लोकसभा व राज्यसभा की भी कई बार रही सांसद आदरणीया बहन कु. मायावती जी को मैं अपना दिल से एकमात्र राजनीतिक गुरु व आदर्श मानता हूं। आज मैं यह प्रण लेता हूं कि बहुजन समाज पार्टी के हित के लिए मैं अपने रिश्ते-नातों" 2. यही नहीं बल्कि कुछ दिनों पहले किए गए अपने ट्वीट के लिए भी माफी मांगता हूं जिसकी वजह से आदरणीया बहन जी ने मुझे पार्टी से निकाल दिया है। और आगे से इस बात को सुनिश्चित करूंगा कि मैं अपने किसी भी राजनीतिक फैसले के लिए किसी भी नाते रिश्तेदार और सलाहकार की कोई सलाह मशविरा नहीं 3. और सिर्फ आदरणीया बहन जी के दिए गए दिशा-निर्देशों का ही पालन करूंगा। तथा पार्टी में अपने से बड़ों की व पुराने लोगों की भी पूरी इज्जत करूंगा और उनके अनुभवों से भी काफी कुछ सीखूंगा। 3/4 4. आदरणीया बहन जी से अपील है कि वे मेरी सभी गलतियों को माफ करके मुझे पुन: पार्टी में कार्य करने का मौका दिया जाए, इसके लिए मैं सदैव उनका आभारी रहूंगा। साथ ही अब मैं आगे ऐसी कोई भी गलती नहीं करूंगा, जिससे पार्टी व आदरणीया बहन जी के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान को ठेस पहुंचे। 4/4 बता दें कि आकाश आनंद ने बसपा के सभी पदों से हटाए जाने के बाद एक्स पर सफाई दी थी। जिससे मायावती नाराज हुई और उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी मणिपुर कांग्रेस: ओकराम इबोबी सिंह

इंफाल, 13 अप्रैल। मणिपुर के पूर्व सीएम और वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओकराम इबोबी सिंह ने रविवार को कहा कि पार्टी की राज्य इकाई वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राज्य इकाई ने इस कानून के खिलाफ लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। एक टीम बुधवार तक दिल्ली के लिए रवाना होगी और इस कानून को शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर चुनौती दी जाएगी। इबोबी सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए वक्फ (संशोधन) कानून को संविधान का घोर उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, लेकिन मौजूदा एनडीए सरकार मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमला कर रही है। हम इस अधिनियम का पूरी तरह से विरोध करते हैं। इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिंह ने

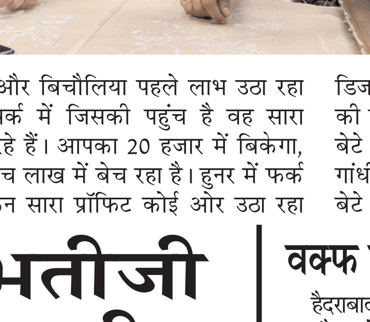

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा कि पर्याप्त संख्या होने के बावजूद भी भाजपा सरकार क्यों नहीं बना रही है। उन्होंने कहा, हम मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के पक्ष में नहीं हैं। लोकतांत्रिक सरकार का प्रतिनिधित्व विधायकों द्वारा किया जाता है। राष्ट्रपति शासन लागू करना दर्शाता है कि वे राज्य पर शासन नहीं कर सकते और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम नहीं हैं। अब भी, उनके (भाजपा के) पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या है। लेकिन हमें नहीं पता कि इसकी अनुमति क्यों नहीं दी गई। तीन बार के मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने कुकी समुदाय से अपील की कि वह चूड़ाचांदपुर जिले में थांगजिंग पहाड़ियों पर मैतेई लोगों की वार्षिक तीर्थयात्रा के विरोध पर पुनर्विचार करें। उन्होंने कहा कि चाहे कुकी हों, नागा हों, मुस्लिम हों या मैतेई हों, हम मणिपुर में अनादि काल से एक साथ रह रहे हैं। एक न एक दिन हमें एक साथ रहना ही होगा। हम सभी मणिपुरी हैं। उन्होंने कहा कि हम अवैध प्रवासियों के पक्ष में नहीं हैं।

न्यूयार्क में प्लेन क्रेश, एक की मौत

एजेंसी

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयार्क में एक प्लेन क्रैश होने खबर आ रही है। इस प्लेन में दो लोग सवार थे, इनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा कोलंबिया काउंटी के कोपेक इलाके के पास हुआ। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के प्रवक्ता के मुताबिक विमान कोलंबिया काउंटी एयरपोर्ट की तरफ जा रहा था। लेकिन जैसे ही वह एयरपोर्ट से करीब कुछ ही दूर रहा होगा, तभी हादसा हो गया। विमान कीचड़ भरे खेत में जा गिरा। बताया जाता है कि विमान का हादसा शाम को हुआ, लेकिन जानकारी काफी देर बाद लगी। नेशनल टांसपोर्टेशन सुरक्षा बोर्ड हादसे की जांच के लिए टीम मौके पर भेजी है। लेकिन खराब मौसम और बर्फ के कारण बचाव टीम को मौके पर पहुंचने में काफी दिक्कत आ रही हैं।

ईरान ने न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ा तो भुगतना होंगे परिणामः ट्रम्प

वाशिंगटन। न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका और ईरान में एक बार फिर तनातनी की नौबत आ सकती है। डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने ईरान को साफ तौर पर चेताया है कि यदि उसने न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ा तो परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का कहना हैं कि अमेरिका की प्राथमिकता है कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सके। डोनाल्ड ट्रम्प कूटनीति से हल निकालने का समर्थन करते हैं। लेकिन कूटनीति विफल होती है तो दूसरे कदम उठाए जा सकते हैं। प्रेस सचिव ने संकेत दिए कि यदि ईरान ने न्यूक्लियर कार्यक्रम को लेकर अपना इरादा नहीं बदला तो फिर बेहतर परिणाम नहीं उम्मीद नहीं की सकती।

अमेरिकी सेना ने यमन पर किये नए हवाई हमले

सना। अमेरिकी सेना ने रात उत्तरी यमन में कई स्थानों को निशाना बनाते हुए 10 हवाई हमले किए। हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। रिपोर्ट के अनुसार हमले उत्तरी सादा प्रांत के अल-सलेम जिले, पश्चिमी होदेइदा प्रांत के अल-मुनीरा जिले और मध्य अल-बायदा प्रांत के अल-सौमाह जिले के व्यावसायिक संस्थान पर हुए। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 'एक्स' पर कहा कि हूती के खिलाफ उसका अभियान जारी है। अमेरिका ने 15 मार्च को हूती बलों के खिलाफ अपना हवाई अभियान फिर से शुरू किया, जिसमें कहा गया कि हमलों का उद्देश्य समूह को लाल सागर में इजरायल और अमेरिकी नौसैनिक संपत्तियों के खिलाफ हमले शुरू करने से रोकना है। उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण रखने वाले हूतियों ने कहा कि यदि इजरायल गाजा में अपना आक्रमण बंद कर दे और गाजा पट्टी में महत्वपूर्ण मानवीय सहायता पहुंचाने की अनुमति दे तो वे अपना अभियान रोक देंगे।

नाइजीरिया वीजा डिफॉल्टरों पर प्रतिदिन 15 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाएगा

अबुजा। नाइजीरिया एक नई नीति लागू करेगा, जिसके तहत अगस्त से वीजा अवधि से अधिक समय तक रहने वाले यात्रियों पर प्रतिदिन 15 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी नेयह जानकारी दी। गृह मंत्री ओलुबुनमी टुंजी-ओजो ने दक्षिण-पश्चिमी राज्य लागोस में मीडिया को बताया कि अगस्त में नाइजीरिया वीजा नीति 2025

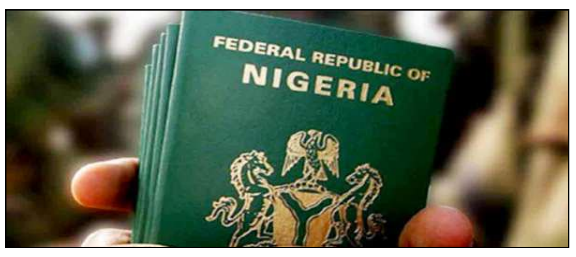

के पूर्ण रूप से प्रभावी होने के बाद डिफॉल्टरों को देश में दोबारा प्रवेश करने पर पांच साल या उससे अधिक समय के लिए प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता है।टुंजी-ओजो ने कहा कि दंड आधिकारिक तौर पर मई में शुरू होंगे, लेकिन अगस्त तक तीन महीने की छूट अवधि होगी, जिसके दौरान वीजा अवधि से अधिक समय तक रहने वालों पर जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नई दंड प्रणाली का लक्ष्य नाइजीरियाई वीज़ा के दुरुपयोग को रोकना है और जो यात्री तीन महीने से अधिक समय तक रुकेंगे, उन्हें पांच साल का प्रतिबंध झेलना पड़ेगा। जो लोग अपने वीज़ा की समाप्ति के बाद एक साल या उससे अधिक समय तक रुकेंगे, उन्हें 10 साल के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि यह अनुपालन की गारंटी, जिम्मेदार प्रवास को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया आव्रजन सेवा को दंड लागू करने का अधिकार दिया गया है।

मिस्र और इंडोनेशिया के राष्ट्रपतियों के बीच हुई गाजा युद्ध पर चर्चा, संबंधों को मजबूत करने पर दिया जोर

एजेंसी

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने काहिरा में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ बातचीत की। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने गाजा पट्टी में विकास और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सीसी ने प्रबोवो को गाजा में युद्धविराम के लिए मिस्र की मध्यस्थता और वहां के लोगों को मानवीय सहायता देने के प्रयासों के बारे में बताया। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने गाजा में लोगों को विस्थापित किए बिना पुनर्निर्माण शुरू करने और अंतरराष्ट्रीय नियमों के आधार पर स्थायी समाधान निकाले जाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्हें उम्मीद है कि ऐसा समाधान 1967 की सीमाओं पर एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना की गारंटी देगा,

जिसकी राजधानी पूर्वी यरुशलम होगी। उन्हें उम्मीद थी कि इस तरह के समाधान से 1967 की सीमाओं के साथ एक स्वतंत्र फ़िलिस्तीनी राष्ट्र बनेगा, और पूर्वी येरुशलम उसकी राजधानी होगी सीसी और प्रबोवो ने द्विपक्षीय संबंधों के बारे में भी बात की। बयान में कहा गया, दोनों राष्ट्रपतियों ने एक घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जिससे आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया है। साथ ही अपने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की गई है। मिस्र की सेंट्रल एजेंसी फॉर पब्लिक मोबिलाइजेशन एंड स्टैटिस्टिक्स के अनुसार, 2024 में मिस्र और इंडोनेशिया के बीच व्यापार 1.7 बिलियन डॉलर तक पहुंचा, जो 2023 में 1.6 बिलियन डॉलर था। मिस्र का इंडोनेशिया को निर्यात 151 मिलियन डॉलर रहा, जो 2023 में 137 मिलियन डॉलर था, जबकि इंडोनेशिया से आयात 1.6 बिलियन डॉलर हो गया, जो पिछले साल 1.5 बिलियन डॉलर था। इस बातचीत में क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों के मद्देनजर रक्षा सहयोग को बढ़ाने पर भी चर्चा हुई, जिसमें प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान पर ध्यान दिया गया। उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की।

अमेरिका-ईरान वार्ता का पहला दौर 'सकारात्मक' रहा : व्हाइट हाउस

एजेंसी

शिकागो। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची से मुलाकात

की और 'बहुत सकारात्मक और रचनात्मक' चर्चा की। बयान में कहा गया कि विशेष दूत विटकॉफ ने डॉ. अराघची को बताया कि उन्हें राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रम्प से निर्देश मिले हैं कि यदि संभव हो तो बातचीत और कूटनीति के माध्यम से हमारे दोनों देशों के मतभेदों को सुलझाया जाए। ये मुद्दे बहुत जटिल हैं और विशेष दूत विटकॉफ का आज सीधा संवाद पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम प्राप्त करने की दिशा में एक कदम आगे है। साथ ही कहा कि दोनों पक्ष अगले फिर से मिलने की योजना बना रहे हैं। शुरुआत में ईरानी मीडिया ने भी वार्ता को रचनात्मक बताया और अगले सप्ताह और अधिक चर्चाओं की योजना का खुलासा किया। यह बैठक पहली बार थी जब ट्रम्प के व्हाइट हाउस लौटने के बाद से अमेरिका और ईरान ने सीधे बातचीत की। ट्रम्प ने बार-बार कहा है कि ईरान को जल्दी से एक ऐसे समझौते पर पहुंचना चाहिए जो यह सुनिश्चित करे कि वह परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता या उसे सैन्य हमलों की आशंका का सामना नहीं करना पड़ेगा।

टेक्सास बना छात्र वीजा रद्दीकरण का केंद्र, 122 से अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र प्रभावित

एजेंसी

टेक्सास। अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए टेक्सास एक नई चिंता का कारण बनता जा रहा है, जहां छात्र वीज़ा रद्द किए जाने की घटनाओं में अचानक तेजी आई है। स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम (सेविस) के माध्यम से 122 से अधिक छात्रों की वीजा स्थिति समाप्त कर दी गई है, जिससे उनका कानूनी दर्जा खतरे में पड़ गया है। प्रभावित छात्रों में अधिकांश दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व से हैं और अधिकांश मामले टेक्सास के प्रमुख विश्वविद्यालयों से जुड़े हैं। इनमें यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास (यूएनटी) से 27 छात्र, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, अर्लिंगटन से 27 छात्र, टेक्सास एएंडएम यूनिवर्सिटी के 23 छात्र, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, डलास के 19 छात्र, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास रियो ग्रांडे वैली के 9 छात्र, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एल पासो के 10 छात्र, टेक्सास वीमेन यूनिवर्सिटी से 4 छात्र और टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी के 3 छात्र शामिल हैं। टेक्सास विश्वविद्यालयों ने यह पुष्टि की है कि वे प्रभावित छात्रों के साथ लगातार संपर्क में हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास (यूएनटी) के एक फैकल्टी सदस्य ने बताया कि शुरू में 16 छात्रों की सेविस स्थिति समाप्त की गई थी, जो अब बढ़कर 27 हो चुकी है। इनमें से 19 छात्र स्नातकोत्तर स्तर के हैं। हाल ही में अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने घोषणा की है कि वह अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी करेगा, खासकर यहूदी विरोधी सामग्री की पहचान के लिए। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन दो कार्यकारी आदेशों के बाद उठाया गया है, जो कॉलेज परिसरों पर हुए प्रोपलिस्तीनी प्रदर्शनों के जवाब में आए हैं। डलास के आव्रजन वकील नायम सुखिया ने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा, ÷सेविस से हटाना छात्रों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। इससे उन्हें बिना उचित प्रक्रिया के देश से बाहर करने की स्थिति बन जाती है।÷ उन्होंने कहा कि वीजा स्थिति समाप्त होने के बाद छात्रों के पास केवल दो विकल्प होते हैं, या तो वे देश छोड़ दें या फिर रि-इंसटेटमेंट (बहाली) की लंबी और जटिल प्रक्रिया अपनाएं। उन्होंने छात्रों से तुरंत अपने डिजिग्नेटेड स्कूल ऑफिशियल्स (डीएसओ) से संपर्क करने की सलाह दी है।

चीन से आयातित इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर शुल्क में छूट, उपभोक्ताओं को राहत

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका में उपभोक्ताओं और तकनीकी कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए ट्रंप प्रशासन ने चीन से आयातित स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं को प्रस्तावित शुल्क से बाहर रखने का निर्णय लिया है। इस फैसले से Apple, Samsung जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियों को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। ट्रंप प्रशासन द्वारा घोषित 125 प्रतिशत शुल्क और वैश्विक 10 प्रतिशत आधार शुल्क के दायरे से इन उत्पादों को बाहर रखा गया है। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन द्वारा शुक्रवार देर रात जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया कि किन वस्तुओं को इन शुल्कों से छूट दी गई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इस निर्णय का सबसे अधिक लाभ उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र को होगा। जिन उत्पादों को छूट दी गई है, उनमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, प्रोसेसर, मेमोरी चिप्स और हार्ड ड्राइव्स शामिल हैं। ये सभी उत्पाद अमेरिका में बड़े पैमाने पर नहीं बनाए जाते और इनकी घरेलू

उत्पादन व्यवस्था स्थापित करना समय और निवेश की मांग करता है। यह कदम न केवल आर्थिक रणनीति का हिस्सा है, बल्कि इसका उद्देश्य महंगाई को नियंत्रित करना और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों को कम करना भी है। प्रशासन का यह भी मानना है कि इससे व्यापार जगत और आम मतदाताओं दोनों में भरोसा बढ़ेगा। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव अपने चरम पर है। ऐसे में अगर शुल्क की यह छूट जारी रहती है, तो अमेरिकी बाजार में इलेक्ट्रॉनिक्स की कीमतों में स्थिरता बनी रह सकती है, जिससे उपभोक्ताओं को सीधी राहत मिलेगी।

हमास ने जारी किया इजरायली-अमेरिकी बंधक का वीडियो, सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

एजेंसी

गाजा । हमास की सैन्य शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड ने इजरायली-अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर का एक वीडियो जारी किया है, जिसे 7 अक्टूबर, 2023 से गाजा पट्टी में बंधक बनाकर रखा गया है। जारी वीडियो में एडन शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान दिखाई दे रहा है। उसने कहा, मैं यहां क्यों हूं, अपने परिवार और दोस्तों के साथ घर पर क्यों नहीं हूं? समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, एडन का जन्म इजरायल के तेल अवीव में हुआ था और वह अमेरिका के न्यू जर्सी में पला-बढ़ा है। साल 2022 में हाई स्कूल पास करने के बाद वह सेना में भर्ती होने के लिए इजरायल लौट आया था। 7 अक्टूबर, 2023 को फिलिस्तीनी उग्रवादियों ने दक्षिणी इजरायल पर हमले के दौरान उसे अगवा कर लिया था। हमास की ओर

से जारी किए गए वीडियो में एडन ने अपनी परेशानियों को बताया और गाजा में चल रही इजरायली सैन्य कार्रवाइयों के बीच अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने इजरायली सरकार पर उनकी रिहाई सुनिश्चित न करने का आरोप भी लगाया। वीडियो जारी होने के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने एडन अलेक्जेंडर के परिवार से बात की और आश्वासन दिया कि सभी बंधकों की रिहाई के लिए गहन प्रयास जारी हैं। बता दें कि इजरायल और हमास के बीच छह सप्ताह का पहला युद्धविराम 1 मार्च को खत्म हो गया और दूसरे चरण की बातचीत रुकी हुई है। उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के दौरान बंधक बनाए गए 251 लोगों में से 59 अभी भी गाजा में कैद हैं। इजरायल का मानना है कि इनमें से 24 जिंदा हैं। 14 मार्च को हमास ने कहा कि उसने मध्यस्थों को एडन और चार अन्य बंधकों के शवों को रिहा करने की सहमति दी थी। इजरायली सेना ने 18 मार्च से गाजा में हवाई हमले फिर से शुरू किए हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में अब तक 1,563 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 4,004 घायल हुए हैं।

कैमरून में संघर्ष में 9 अलगाववादी लड़ाके मारे गए

एजेंसी

याउंडे। युद्धग्रस्त कैमरून के अंग्रेजी भाषी क्षेत्र उत्तरपश्चिम में संघर्ष में कम से कम नौ अलगाववादी लड़ाके मारे गए हैं।स्थानीय सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। अलगाववादी लड़ाकों ने क्षेत्र में एक सैन्य चौकी पर हमला करने का प्रयास किया, लेकिन सैनिकों ने हमला विफल कर दिया, जिसमें उनमें से चार मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। एक सैन्य अधिकारी ने शनिवार देर रात नाम न बताने की शर्त पर बताया कि सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में अलगाववादी लड़ाकों के एक समूह पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें उनमें से पांच मारे गए। अलगाववादी नेताओं ने सोशल मीडिया पर कहा कि सेना द्वारा मारे गए लोगों में एक कमांडर भी शामिल है और उन्होंने जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई। स्थानीय पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार कैमरून की सेना जनवरी से ही क्षेत्र में अलगाववादियों के खिलाफ अपने हमले को तेज कर रही है और अधिकांश अलगाववादियों के ठिकानों पर छापे मारकर उन्हें नष्ट कर रही है।

वर्ष 2017 से सरकारी बल सशस्त्र अलगाववादी ताकतों के साथ संघर्ष कर रहे हैं, जो उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम के दो अंग्रेजी-भाषी क्षेत्रों को बहुसंख्यक फ्रेंच-भाषी राष्ट्र से अलग करके एक नया देश बनाने के लिए लड़ रहे हैं, जिसे वे अंबाज़ोनिया कहते हैं।

बीबीआईएन मोटर वाहन समझौता प्रोटोकॉल तैयार

एजेंसी

काठमांडू। बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल (बीबीआईएन) के बीच यात्री, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात के आवागमन के लिए मोटर वाहन समझौते (एमवीए) पर हस्ताक्षर करने के एक दशक बाद, चार दक्षिण एशियाई देशों ने सुचारू परिवहन सुनिश्चित करने के लिए प्रोटोकॉल को अंतिम रूप दे दिया है। यह प्रोटोकॉल दक्षिण एशिया में अपनी तरह का पहला प्रोटोकॉल है। मोटर वाहन समझौते के अलावा बीबीआईएन देश क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा के लिए इंटरकनेक्टेड ग्रिड के बारे में भी सहमत हो सकते हैं।

बीबीआईएन-एमवीए का उद्देश्य यात्रियों, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात के माध्यम से अंतर-क्षेत्रीय व्यापार और कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए बाधाओं और नियमों को दूर करना है। हालांकि हाल ही में भारत के द्वारा बांग्लादेश को दी गई महत्वपूर्ण ट्रांसशिपमेंट सुविधाओं को रद्द करने के भारत के हालिया

फैसले से चार देशों के बीच एमवीए के निष्पादन में बाधा डाल सकती है। गौरतलब है कि बांग्लादेश के सड़क परिवहन और पुल मंत्री, भूटान के सूचना और संचार मंत्री, भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग और शिपिंग मंत्री और नेपाल के भौतिक बुनियादी ढांचे और परिवहन मंत्री ने 15 जून 2015 को थिम्पू, भूटान में बीबीआईएन मोटर वाहन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। नेपाल के यातायात मन्त्रालय के सचिव केशव शर्मा के मुताबिक प्रोटोकॉल के अनुसार भूटान को छोड़कर तीन अन्य हस्ताक्षरकर्ता सभी प्रकार के वाहनों को उनके बीच चलने की अनुमति देंगे। इनमें कार्गो वाहन परमिट के तहत तीन श्रेणियों - हल्के वाणिज्यिक वाहन (7,500 किलोग्राम तक), मध्यम वाणिज्यिक वाहन (7,500-12,000 किलोग्राम) और भारी वाणिज्यिक वाहन (12,000 किलोग्राम से ऊपर) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने से पहले 2015 से लेकर 2018 तक कई चरण का परीक्षण किया गया। इसने दिखाया कि यात्रियों, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात की निर्बाध आवाजाही संभव है। कार्गो ट्रायल रन नवंबर, 2015 में कोलकाता-ढाका-अगरतला मार्ग (600 किमी) के बीच आयोजित किया गया था। 29 अगस्त से 5 सितंबर 2016 तक ढाका और दिल्ली (1,780 किमी) के बीच, जबकि 23 अप्रैल, 2018 को भारत के माध्यम से ढाका से काठमांडू तक एक यात्री बस को परीक्षण के रूप में चलाया गया था। बीबीआईएन-एमवीए के निष्पादन का समर्थन करने वाले एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अनुसार अब प्रस्तावित ट्रायल रन मार्ग काठमांडू-भैरहवा-सुनौली-लखनऊ-कानपुर-नई दिल्ली और नेपाल और भारत के बीच काठमांडू-बीरगंज-रक्सौल-कोलकाता हैं।

गाजा में स्थायी युद्ध विराम की गारंटी देने वाला प्रस्ताव सकारात्मक : हमास

एजेंसी

गाजा। हमास ने कहा कि वह गाजा युद्ध विराम के किसी भी प्रस्ताव के बारे में सकारात्मक है, जो स्थायी युद्ध विराम की गारंटी देता है और गाजा पट्टी से इजरायली सेना की पूरी तरह वापसी की गारंटी देता है।

हमास ने एक बयान में कहा कि इस तरह के प्रस्ताव में फिलिस्तीनी लोगों की पीड़ा को समाप्त करना भी सुनिश्चित करना चाहिए और इसमें कैदियों की अदला-बदली का गंभीर सौदा भी शामिल होना चाहिए।

हमास का एक प्रतिनिधिमंडल मिस्र के निमंत्रण पर काहिरा के लिए रवाना हुआ। इसमें कहा गया है कि काहिरा में वे कतर और मिस्र के मध्यस्थों से मिलेंगे। जो गाजा में इजरायली हमलों को रोकने और एक समझौते पर पहुंचने के चल रहे

प्रयासों का हिस्सा है।

गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि 18 मार्च को गाजा पट्टी में इजरायल द्वारा फिर से गहन हमले शुरू करने के बाद से कम से कम 1,563 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 4,004 अन्य घायल हुए हैं।

नेपाल में हनुमान जयंती पर निकली शोभा यात्रा पर पथराव, स्थिति तनावपूर्ण

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र बीरगंज में हनुमान जयंती पर निकाली गई शोभा यात्रा पर पथराव के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गयी। इससे आक्रोशित हुए लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और कई वाहनों में आग लगा दी। हालात बिगड़ता देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। बीरगंज में हर बार की तरह इस बार भी हनुमान जयंती पर शोभा यात्रा निकाली गई। शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए जैसे ही शोभायात्रा मुस्लिम बहुल इलाके में पहुंच वैसे ही इस पर पथराव शुरू हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले सड़क किनारे रहे

सूडान में अर्धसैनिक बलों के हमलों में 114 से अधिक नागरिक मारे गए - स्थानीय अधिकारी

एजेंसी

खार्तूम । पिछले दो दिनों में सूडान के पश्चिमी हिस्से में स्थित उत्तर दारफुर राज्य की राजधानी अल फाशर में दो शरणार्थी शिविरों पर अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमलों में 114 से अधिक आम नागरिकों की मौत हो गई। यह जानकारी एक स्थानीय अधिकारी ने दी। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर दारफुर राज्य के स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक इब्राहीम खातिर ने बताया, जमजम शिविर पर आरएसएफ द्वारा किए गए हमले में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई और दर्जनों लोग घायल हुए। उन्होंने आगे बताया, अबू शौक शिविर पर एक और हमला हुआ, जिसमें 14 और लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए।इब्राहीम खातिर ने यह भी बताया कि जमजम शिविर में मारे गए लोगों में रिलीफ

इंटरनेशनल नामक गैर-सरकारी संस्था के 9 कर्मचारी भी शामिल हैं, जो शिविर में एक अस्थायी अस्पताल चला रहे थे। इमरजेंसी रूम नाम के एक स्वयंसेवी संगठन ने बताया कि अबू शौक शिविर पर आरएसएफ की भारी गोलाबारी में 40 नागरिक मारे गए और सैकड़ों लोग घायल हुए। इन हमलों को लेकर आरएसएफ की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। 10 मई 2024 से अल फाशर में सूडान की सेना (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भारी लड़ाई चल रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अप्रैल 2023 के मध्य से सूडान में एसएएफ और आरएसएफ के बीच जारी संघर्ष में अब तक 29,600 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एजेंसियों ने सूडान में मानवीय संकट के बेहद गंभीर होने को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि देश में अकाल फैल रहा है और हिंसक टकराव जारी है जिसमें सभी आयु वर्ग के नागरिकों को बलात्कार समेत अन्य दुर्व्यवहारो का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दानदाता अब पीछे हट रहे हैं। आपात सहायता मामलों के लिए यूएन कार्यालय के प्रवक्ता येन्स लार्क ने बताया कि शान्ति हासिल होती नजर नहीं आ रही है, जबकि सूडानी नागरिक इस विशाल मानवीय संकट में फंसे हुए हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

राष्ट्रपति ने वैशाखी, विषु, बोहाग बिहू, पोयला बोइशाख, मेषादी, वैशाखादि की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 13, 14 और 15 अप्रैल को मनाए जाने वाले वैशाखी, विषु, बाहाग बिहू, पोयला बोइशाख, मेषादी, वैशाखादि और पुतांदु पिरापु की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि वैशाखी, विषु, बोहाग बिहू, पोयला बोइशाख, मेषादी, वैशाखादि और पुतांदु पिरापु के शुभ अवसर पर, मैं भारत और अन्य देशों में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। देश के विभिन्न भागों में फसल कटाई के समय मनाए जाने वाले ये पर्व हमारी सामाजिक परंपराओं और विविधता में एकता के प्रतीक हैं। इन त्योहारों के द्वारा हम अन्नदाताओं के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करते हैं। ये पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण और भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रसार का भी संदेश देते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं कामना करती हूं कि ऊर्जा और उल्लास से भरपूर ये त्योहार हमें अपने राष्ट्र के विकास में दृढ़ संकल्प के साथ योगदान देने के लिए प्रेरित करें।

गुजरात में जिला अध्यक्षों के चुनाव के लिए कांग्रेस ने पर्यवेक्षक नियुक्त किए

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 2027 में होने वाले आगामी चुनावों को लेकर गुजरात में अभी से तैयारी शुरू कर दी है। इस कड़ी में राज्य में 41 जिला अध्यक्षों के चुनाव को हरी झंडी दे दी गई है। इन 41 जिला अध्यक्षों के नाम तय करने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के 50 और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के 183 नेताओं को जिम्मा सौंपा गया है। यह जानकारी पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज यहां दी। हाल ही में गुजरात में आयोजित पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद पारित प्रस्तावों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी के तहत कांग्रेस ने आज गुजरात में जिला अध्यक्षों के चुनाव के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। एआईसीसी के 50 (जिनमें 7 सहायक के रूप में होंगे) और पीसीसी के 183 नेताओं को 41 अध्यक्षों के चयन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एआईसीसी के पर्यवेक्षकों में शामिल प्रमुख नेताओं में बालासाहेब थोराट, बीके. हरिप्रसाद, मणिकम टैगोर, मीनाक्षी नटराजन, विजय इंदर सिंगला, क़ाज़ी मोहम्मद निज़ामुद्दीन, अजय कुमार लल्लू, इमरान मसूद, बीवी श्रीनिवास आदि हैं। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के बाद पहली बैठक 15 अप्रैल को मोडासा में होगी।

मुर्शिदाबाद हिंसा गलत, विरोध का तरीका लोकतांत्रिक होना चाहिए : उदित राज

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन में हुई हिंसा को कांग्रेस नेता उदित राज ने गलत बताया है। उन्होंने कहा कि विरोध लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए, हिंसक नहीं। इसके साथ ही उन्होंने 26/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की सजा को लेकर भी अपने विचार रखे। न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि आतंकी तहव्वुर राणा की 26/11 आतंकी हमले में भूमिका थी। आतंकी को भारत लाने में हमें 11 साल लगे। तहव्वुर राणा हमारे देश का दुश्मन है और उसे फांसी की सजा होनी चाहिए। इसके अलावा, मुंबई 26/11 आतंकी हमले में जो भी लोग शामिल थे, उन्हें भी भारत लाकर सजा दी जानी चाहिए। मुर्शिदाबाद हिंसा पर उदित राज ने कहा, भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोगों के लिए विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय या असहमति होना स्वाभाविक है। हम लोग भी वक्फ बिल के पारित होने से सहमत नहीं हैं। किसी भी तरह का विरोध या आंदोलन लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए। हिंसा या आगजनी के लिए कोई जगह नहीं है। हालांकि, मैं मानता हूं कि वक्फ बिल सही तरीके से पास नहीं किया गया है। बता दें, मुर्शिदाबाद मवक्फ कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान हिंसा भड़क गई। कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस पर पत्थर भी फेंके, जिसके बाद स्थिति को कंट्रोल करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

यूट्यूबर से मांगी 13 करोड़ की फिरौती, धरा गया

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले की बवाना थाना पुलिस ने एक कारोबारी से 13 करोड़ की फिरौती मांगने के मामले में आरोपित विशाल उर्फ कटिया को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया विशाल बवाना इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से जबरन वसूली के लिए कॉल करने के लिए इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन बरामद किया है। बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी निधिन वलसन ने बताया कि 10 अप्रैल को शिकायतकर्ता ने पुलिस को शिकायत दी कि एक अनजान नंबर से उन्हें कॉल आई। कॉलर ने उनसे 13 करोड़ की फिरौती मांगी। रुपये न देने पर कॉलर ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। डीसीपी के अनुसार शिकायतकर्ता एक यूट्यूबर है, जिसने करीब 11 महीने पहले उन्होंने वामिका शर्मा के साथ प्रेम विवाह किया था। शिकायतकर्ता के ससुर का छह साल पहले निधन हो गया था। उनके निधन के बाद उनकी सारी संपत्ति उनकी दो बेटियों, दो बेटों में बांटी गई। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में बताया कि नौ अप्रैल को वह किसी काम से बवाना सेक्टर-1 गए थे। रात करीब साढे आठ बजे उनके मोबाइल पर एकअनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने खुद का नाम विशाल बताया और खुद को इलाके का कुख्यात अपराधी बताया।

यूथ कांग्रेस ने पेट्रो पदार्थों की मूल्य वृद्धि के खिलाफ किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) ने आज राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में यहां रायसीना रोड स्थित संगठन मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए गए पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों का विरोध किया और इसके लिए सरकार की तीखी आलोचना की। इस अवसर पर उदय भानु चिब ने कहा कि देश में अभी 100 करोड़ लोग आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि हालात और बदतर होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के मुक़ाबले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की क़ीमत में 41त्न की गिरावट आई है। इसके बावजूद सरकार ने पेट्रोल-डीज़ल के दाम कम करने की बजाय दो-दो रुपये सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी है। यह महंगाई से तड़पती जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस महंगाई का चाबुक ÷उज्जवला÷ की ग़रीब महिलाओं की बचत पर भी चल गया, क्योंकि केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम सीधे 50 रुपये बढ़ा दिए हैं। यह जनता को महंगाई का तगड़ा झटका है। दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कहा कि पूरे देश में उदासी का माहौल है अभी 100 करोड़ लोग आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि हालात और बदतर होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के मुक़ाबले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की क़ीमत में 41त्न की गिरावट आई है। इसके बावजूद सरकार ने पेट्रोल-डीज़ल के दाम कम करने की बजाय दो-दो रुपये सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी है। यह महंगाई से तड़पती जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस महंगाई का चाबुक ÷उज्जवला÷ की ग़रीब महिलाओं की बचत पर भी और अंधेरा छाया हुआ है। स्टॉक मार्केट, महंगाई, बेरोजगारी के हालात देखिए, देश की अर्थव्यवस्था संभल नहीं रही है। लाकड़ा ने मांग की कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमतों को वापस ले और महंगाई से त्रस्त जनता को राहत दे अन्यथा युवा कांग्रेस इस प्रकार से ही सड़क से लेकर संसद तक अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी।

भारत की सांस्कृतिक विरासत सबको समाहित करने की बात कहती है : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत सबको समाहित करने की बात कहती है। इसमें टकराव की कोई गुंजाइश नहीं है। धनखड़ ने लाल किले के माधोदास पार्क में विक्रमोत्सव 2025 के अवसर पर सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति 'महानाट्य' में भाग लिया और समारोह को संबोधित भी किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि लंबे अंतराल के बाद भारत ने एक नए युग में प्रवेश किया है। आर्थिक संपन्नता, आर्थिक उछाल, दुनिया की संस्थाओं द्वारा प्रशंसा, संस्थागत ढांचे के अंदर भारी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि जब भारत विकास में इतना आगे बढ़ रहा है, महाशक्ति बनकर उभर रहा है, दुनिया की नजर भारत पर है, तो

स्वाभाविक है कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रति हमारा लगाव बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई देश दुनिया में ऐसा नहीं है जिसकी सांस्कृतिक विरासत 5000 साल पुरानी हो। उन्होंने भारत को विश्व का सांस्कृतिक और सभ्यता का केंद्र बताते हुए इसे एक सुखद संकेत करार दिया। धनखड़ ने कहा कि अब अंग्रेजियत को छोड़ने का समय आ गया है। अपना भारत बदल रहा है, तकनीकी की पढ़ाई अलग-अलग भाषाओं में होने लग गई है। पहले सोचा नहीं था कि डॉक्टर और इंजीनियर बनेंगे तो अंग्रेज़ी में ही पढ़ना पड़ेगा। यह क्रांतिकारी बदलाव आ गया है। हमारी सभी भाषाएं हमें गौरव देती हैं। देश और दुनिया में उनका नाम है। हमारी सांस्कृतिक विरासत सबको समाहित करने की बात कहती हैं, टकराव की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे याद बचपन में अंग्रेजी के मार्क्स मिलते थे, अंग्रेजी रैंकिंग सब्जेक्ट था, फिर देश में एक बड़ा बदलाव आया, एक सरकार इमरजेंसी के बाद आई और अंग्रेजी को रैंकिंग सब्जेक्ट नहीं रखा । 2009 में क्या कारण थे मुझे नहीं पता, एक बार पलटा खा गए और अंग्रेजी को क्वालीफाइंग सब्जेक्ट की बजाए रैंकिंग सब्जेक्ट कर दिया। भाषा हमारी संस्कृतिक धरोहर का एक हिस्सा है। हर भाषा गुणात्मक रूप से हमें प्रभावित करती है। दक्षिण में जाएं, उत्तर में जाएं, पूर्व में जाएं, पश्चिम में जाएं और यही सोच हमें जोड़ती है। जो चीज़ जोड़ने की है, वह हमें अलग थलग कर नहीं सकती है, यह हमारे सोचने, चिंतन और मंथन का विषय है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के दिन सम्राट विक्रमादित्य को याद कर रहे हैं। उनके साथ न्याय और सुशासन जुड़ा है। हमें दिल टटोलना चाहिए जो संवत पहले शुरू हो गया, हमें उसकी पालना करनी चाहिए। उसमें आपको विधि दिखेगी, तकनीकी दिखेगी, संस्कृति दिखेगी और उसमें विज्ञान भी दिखेगा और विज्ञान के वो पहलू नज़र आते हैं।

सीआईएसएफ ने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में अपने शूरवीरों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा राष्ट्रीय पुलिस स्मारक चाणक्यपुरी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह समारोह पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के उन शूरवीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया गया, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दे दी। श्रद्धांजलि के साथ-साथ सीआईएसएफ ने इन शूरवीरों के परिवारों को भी सम्मानित किया।सीआईएसएफ मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार यह समारोह उन 127 शूरवीर सीआईएसएफ कर्मियों को समर्पित था, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए असाधारण समर्पण, साहस और प्रतिबद्धता दिखाते हुए कर्तव्यपथ पर सर्वोच्च बलिदान दिया। इस

कार्यक्रम ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ की मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की और राष्ट्र की अखंडता की रक्षा में अपने कर्मियों द्वारा किए गए बलिदानों को सम्मानित किया।

सुबह के सत्र में सीआईएसएफ के विशेष महानिदेशक प्रवीर रंजन ने वरिष्ठ सीआईएसएफ अधिकारियों और कर्मियों के साथ एनपीएम में केंद्रीय शिल्पाकृति पर पुष्पांजलि अर्पित कर शूरवीरों को श्रद्धांजलि दी।

मंदिरों की देखरेख सरकार के हाथों में नहीं होनी चाहिएः महंत अवधेश दास

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित 'अयोध्या पर्व' के दूसरे दिन बड़ा भक्तमाल अयोध्या के महंत अवधेश दास जी ने कहा कि मंदिरों की देखरेख शास्त्र सम्मत ढंग से होनी चाहिए, सरकार सम्मत नहीं। इस सत्र में इतिहास और संस्कृति के प्रसिद्ध विद्वान 'पद्मश्री' भरत गुप्त ने इस मत को आगे बढ़ाते हुए कहा कि जिन संप्रदायों से मंदिर जुड़े हैं, उन्हीं संप्रदायों के लोग ही उनका प्रबंधन समुचित ढंग से कर सकते हैं। उक्त विद्वान दूसरे दिन के प्रथम सत्र 'भारतीय समाज में मंदिर प्रबंधन' पर अपने मत व्यक्त कर रहे थे। तीन दिवसीय 'अयोध्या पर्व' इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के परिसर में चल रहा है। महंत अवधेश दास जी ने कहा कि धर्म से राजनीति का निर्धारण हो सकता है, लेकिन राजनीति धर्म का मार्ग तय नहीं कर सकती। भरत गुप्त ने कहा कि यह संयोग है कि रामजन्म भूमि के लिए एक गैर-सरकारी प्रबंध समिति गठित की गयी है। इसके विपरीत प्रायः पूरे देश में

प्रसिद्ध मंदिरों पर सरकार का ही नियंत्रण है। इस सत्र को भारतीय रेल सेवा के वरिष्ठ अधिकारी राजीव वर्मा, दिल्ली सरकार में उप महालेखा परीक्षक आशीष सिंह और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के डीन (प्रशासन) डॉ. रमेश चंद्र गौड़ ने भी संबोधित किया। अयोध्या के पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। सायं का सत्र 'भारतीय संस्कृति के नवाचार में तुलसीदास जी का योगदान' विषय पर केंद्रित था। इसे हनुमन्निवास अयोध्या के श्रीमहंत मिथिलेश नंदिनी शरण जी, दिल्ली विश्वविद्य़ाल के प्रो. चंदन चौबे, कला एवं रंगमंच समीक्षक ज्योतिष जोशी, साहित्यकार उमेश प्रसाद सिंह और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के डीन (अकादमिक) प्रो. प्रतापानंद झा ने संबोधित किया। दोनों सत्रों का संचालन भारती ओझा ने किया। सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

इटली के उप प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने पर जताई सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जतायी कि आने वाले समय में भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी। राष्ट्रपति भवन में उप प्रधानमंत्री तजानी और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और इटली दोनों ही प्राचीन सभ्यतागत विरासत में निहित हैं। हमारे दर्शन, साहित्य और कला के माध्यम से विश्व को योगदान देने का गौरवशाली इतिहास रहा है। हम सदियों से व्यापार और लोगों तथा विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। समकालीन युग, वर्तमान युग में, दोनों देश उभरती प्रौद्योगिकियों, नवाचार और रक्षा में घनिष्ठ सहयोग कर रहे हैं और जी-20 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर भी मिलकर काम कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में वृद्धि की बहुत संभावना है। भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और

2047 तक विकसित भारत का रोडमैप औद्योगिक साझेदारी और सहयोग के लिए कई अवसर प्रस्तुत करता है। उन्होंने इतालवी कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों को विशेष रूप से विनिर्माण और सह-उत्पादन के लिए भारत में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने इतालवी हरित प्रौद्योगिकी कंपनियों से भारतीय उद्योग के साथ सहयोग और साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाने का भी आग्रह किया।राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि इतालवी विश्वविद्यालय और शोधकेंद्र भारतीय भागीदारों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति ने विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर खोलने की सुविधा प्रदान की है। इतालवी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर खोलने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि तजानी दो दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे थे।

एम्स भुवनेश्वर में अत्याधुनिक केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा नेओडिशा के भुवनेश्वर में अखिल भारतीय आर्य विज्ञान संस्थान (एम्स) में अत्याधुनिक केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। श्री नड्डा ने एम्स परिसर में इस अवसर पर मल्टीयूटिलिटी (गैस्ट्रोनॉमी) ब्लॉक की आधारशिला भी रखी।उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सुविधा का उद्देश्य अत्याधुनिक चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाना और नवाचार को बढ़ावा

देना है। यह सुविधा डॉक्टरों, शोधकर्ताओं और विद्वानों को प्रभावशाली स्वास्थ्य सेवा समाधान विकसित करने और एम्स भुवनेश्वर को देश के प्रमुख चिकित्सा अनुसंधान केंद्रों की श्रेणी में लाने के लिए सशक्त बनाने के लिए है। केंद्रीय मंत्री ने एम्स भुवनेश्वर की नयी वेबसाइट जारी की, जो रोगियों और आगंतुकों के लिए उपयोगकर्ता-अनुकूल सुविधाओं और एकीकृत सेवाओं से सुसज्जित है। उन्होंने ईएचएस क्लिनिक और अमृत फार्मेसी का भी उद्घाटन किया, जिससे सभी के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं और सस्ती दवाओं तक अधिक पहुंच सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में एम्स भुवनेश्वर में एक स्किन बैंक भी स्थापित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने बर्न सेंटर का दौरा किया जो पूर्वी भारत में अपनी तरह की एक अनूठी सुविधा है।

तहव्वुर के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने वाले क्या दाऊद को नहीं ला पाने का भी जिम्मा लेंगेः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने की होड़ में शामिल लोगों को यह भी बताना चाहिए कि दाऊद इब्राहिम तथा अन्य आतंकवादियों का प्रत्यर्पण नहीं हो पाने का जिम्मेदार कौन है। पार्टी ने कहा कि भले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार को तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय दिया जा रहा है और श्रेय लेने की होड़ मची है, लेकिन सच यह है कि यह लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है और इसकी शुरुआत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने शुरू ही नहीं की बल्कि इसमें तेजी भी ला दी थी, लेकिन अब श्री मोदी को इसका श्रेय देने वालों को यह भी बताना चाहिए कि दाऊद इब्राहिम, डेविड हेडली, विजय माल्या अ... जिम्मेदारी किसे दी जानी चाहिए। कांग्रेस ... ने यहां एक बयान में कहा, आज एक ह... तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय नरेन्द्र मो...

NAME CHANGE
I ABHILASH TALWAR S/O SHASHI KUMAR TALWAR R/O 3-F, 215-A, NEHRU NAGAR GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201001, have changed the name of my minor son AYAAN TALWAR aged 13 years and he shall hereafter be known as DHAIRYA TALWAR

NAME CHANGE
I, Nandini W/O Anil Kumar Mohta R/O 102 Westend Colony Baghpat Road, Opp Delhi Public School, Meerut Uttar Pradesh-250002 Have changed my name to Anil Nandini Mohta for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SAHIMA W/O AFTAB ALAM residing at H NO- CR-226, TOP FLOOR, CR ROAD, LALITA PARK, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name to SAHIMA WARSI for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I Tarun Chander S/O Subhash Chander, R/O 1485, Block-A, Agar Nagar, Prem Nagar-3, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086,declare that name of my mother has been wrongly written as Anita in my 10th and 12th class educational document. The actual name of my mother is Anita Devi,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NEELAVATI Mother of No-2626394L Rank-SEP Name-SANJU APPASAB KUMBAR Presently residing at VPO-LOKUR, TK-ATHNI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591234, have changed my name from NEELAVATI to NILAVVA KUMBAR for all future purposes vide Affidavit dated 12/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I ,Jeewan Sharma S/O: Balram Sharma R/O house no-10203 jamna house floor-1 padam singh road Karol Bagh New Delhi Central Delhi Delhi-110005,have changed the name of my minor son namely Ganesh Sharma aged 12 years and he shall hereafter be known as GOVIND CHAPAGAIN.

NAME CHANGE
I ,Jeewan Sharma S/O: Balram Sharma R/O house no-10203 jamna house floor-1 padam singh road Karol Bagh New Delhi Central Delhi Delhi-110005,have changed the name of my minor son namely Neeraj Sharma aged 17 years and he shall hereafter be known as NEERAJ CHAPAGAIN.

सार्वजनिक सूचना
मैं Shahzada Gulfam S/O Islamuddin R /O, 632 चांदनी महल दिल्ली = 110006 , घोषणा करता हूं कि मेरे पासपोर्ट में त्रुटिवश मेरा नाम Shahzad Gulfam लिखा गया है जो कि सही नहीं है । मेरा सही और पूरा नाम Shahzada Gulfam है। भविष्य में सभी उद्देश्यों व पर्यायों हेतु मुझे Shahzada Gulfam के नाम से जाना जाए।

नाम परिवर्तन
मैं, पूजा पेठे, पत्नी सचिन पेठे, निवासी I-86, B-5, ब्लॉक-I, हरि नगर एक्सटेंशन, जैतपुर, बदरपुर, दक्षिण दिल्ली -110044,यह घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम पूजा गुप्ता से बदलकर पूजा पेठे रख लिया है। अब से मैं पूजा पेठे के नाम से सभी आधिकारिक और कानूनी प्रयोजनों के लिए जानी जाऊँगी।

NAME CHANGE
I, Durga Devi D/O K Senthil Murugan W/O Shivraj Deepak R/O A-170/A, Madrasi Camp Jal Vihar Lajpat Nagar South Delhi 110024 Have changed my name to S Durga Devi for all future purposes.

NAME CHANGE
I Abhishek Kumar S/o Bishnu Dayal Sharma R/o Flat No. A1612 Platinum 321 Raj Nagar Extension, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201017 have changed my name to Abhishek Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Pooja Agnihotri D/o Mukesh Kumar Agnihotri R/o Dhanipur Block Road, Near Pani Ki Tanki, Dhanipur Aligarh , Uttar Pradesh-202002 hereby undertake that I Pooja Agnihotri want to change my name to Pankaj Agnihotri and gender as male. I Pooja Agnihotri henceforth be known as Pankaj Agnihotri S/o Mukesh Kumar Agnihotri

NAME CHANGE
I, Anil Mohta S/O Kanti Prasad Mohata R/O 102 Westend Colony Baghpat Road, Opp Delhi Public School, Meerut Uttar Pradesh-250002 Have changed my name to Anil Kumar Mohta for all future purposes.

NAME CHANGE
I, HARSHA SAJESH Wife of JC-386022Y Rank-SUB Name-SAJESH S residing at VILL – VAMANAPURAM, PO – VAMANAPURAM, TEHSIL- NEDU-MANGAD, DISTT – THIRUVANANTHAPURAM, KERALA- 695606, have changed my name from HARSHA SAJESH to HARSHA MOHAN as per Aadhar card due to wrongly mentioned in husband's Army records. Affidavit No-DL67555015058082X dt 12/04/2025.

NAME CHANGE
I, JC-472078P Rank-SUB/HONY LT Name-DEVENDRA KUMAR Presently residing at VPO-BHABHISA, PS-KANDHLA, TEH+DIST-SHAMLI, UTTAR PRADESH-247775, have changed my daughter's name from KUMARI NIKITA to NIKITA for all future purposes vide Affidavit dated 12/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAMKUMARI Mother of No. 15619969M Rank- HAV(GNR), Name- BRAJENDRA SINGH, 11 GUARDS, R/O VILL. JASWAR, POST ALIPUR, TEH BHUSAWAR, DIST-BHARATPUR, STATE RAJASTHAN, PIN 321615,have changed my name from RAMKUMARI to RAMKUMARI DEVI for all future purposes. Vide affidavit dated 07.04.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, No-15497101P Rank-LD Name-A XAVIER residing at 3/575A, SAVERIYARPATTINAM, KEELAYUR, PO-MUNAIVENDRI, DIST-SIVAGANGA, TAMIL NADU-623701, have changed my father's name from AROKIYAM to AROCKIYASAMY for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1959 instead of his correct date of birth as 21/12/1960 vide Affidavit dated 12/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I No-15497101P Rank-LD Name-A XAVIER residing at 3/575A, SAVERIYARPATTINAM, KEELAYUR, PO-MUNAIVENDRI, DIST-SIVAGANGA, TAMIL NADU-623701, have changed my mother's name from DHINISH MARY to THAINASHMARY AROCKIYASAMY for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1961 instead of her correct date of birth as 25/07/1964 vide Affidavit dated 12/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Nandni W/O Anil Kumar Mohta R/O 102 Westend Colony Baghpat Road, Opp Delhi Public School, Meerut Uttar Pradesh-250002 Have changed my name to Anil Nandini Mohta for all future purposes.

NAME CHANGE
I, APPASAB Father of No-2626394L Rank-SEP Name-SANJU APPASAB KUMBAR Presently residing at VPO-LOKUR, TK-ATHNI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591234, have changed my name from APPASAB to APPASAB SATTAPPA KUMBAR for all future purposes vide Affidavit dated 12/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEELAM is legally wedded spouse of No 2805339L. Rank-HAV, Name-KANASE MAHESHKUMAR LAXMAN R/o VILL ANGAPUR, POST-ANGAPUR, TEH-SATARA. DIST SATARA, PIN COD-415019,have changed my name from NEELAM To NEELAM MAHESHKUMAR KANASE for all future purposes. Vide affidavit dated 11.04.2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Omvir S/o Heeralal** is purchasing the Property bearing out of Gata No. 657, admeasuring 85 Sq. Yds. Village Kulesara, Greater Noida, U.P. from Sh. Murli Singh Chandila S/o Sh. Tareef Singh who is the owner of aforesaid property as per records of revenue and Intend to mortgage the aforesaid property with **Grihum Housing Finance Limited against** the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the aforesaid property may please contact us within 15 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Max Law Firm
LG-07, Sector-63,
Noida - 201301
Contact no- 120 4095113

PUBLIC NOTICE
TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN
Notice is hereby given to the general public that PNB Housing Finance Ltd., having a branch at Uttam Nagar, New Delhi, proposes to extend a loan facility to Ms. Himanshi, D/o Mr. Ramesh Manocha, against the security of a DDA Janta Flat bearing No. 39, situated on the First Floor (without roof rights), admeasuring 18 Sq. Mtrs., in Block F, Pocket 5, Sector 16, within the layout plan of the Rohini Residential Scheme, New Delhi-110089. The Said Property was originally owned by Mr. Ram Lubhaya Pabbi by virtue of a General Power of Attorney dated 06.07.2000, duly registered as Document No. 31807 on 06.07.2000, along with a Notarized Agreement to Sell and Will of the same date, executed in his favor by Mr. Jai Bhagwan Gupta. Subsequent to the demise of Mr. Ram Lubhaya Pabbi on 09.09.2016, he was survived by his legal heirs, namely 1) Mrs. Roma Aggarwal (Wife), 2) Mr. Surender Kumar (Son), 3) Mrs. Suman (Daughter), 4) Ms. Usha Luthra (Daughter) & 5) Mrs. Prem Kumari (Daughter). Thereafter, by way of a Relinquishment Deed dated March 2020, duly registered as Document No. 2365 on 19.03.2020, Mrs. Roma Aggarwal, Mr. Surender Kumar, Mrs. Suman, and Ms. Usha Luthra voluntarily released and relinquished their respective rights, title, and interest in the aforementioned property in favor of Mrs. Prem Kumari. The DDA Janta Flat is expandable as per DDA regulations, subject to requisite approvals. Any person or entity asserting any claim, right, title, or objection concerning the property or proposed mortgage must submit a written notice to Advocate Rishi Maheshwari at +91-9340118309 within seven (7) days from the date of publication. Failure to do so shall be deemed as no claim or encumbrance, and the transaction will proceed without legal hindrance.
Rishi Maheshwari (Advocate)
Office At : RZ-29, Upper Ground Floor, Bhagwati Garden Jain Road
Near Dwarka More
New Delhi 110059.
Email Address: - lsrlexicure@gmail.com

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की कन्वेंशन अम्बेडकर भवन में हुई

तावडू। जिले की रिटायर्ड कर्मचारी संघ की कन्वेंशन अम्बेडकर भवन नूंह में हुई। सबसे पहले जिला नूंह खण्ड के प्रधानों ने अपने अपने खण्डों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। नूह से भजन लाल, नगीना से सौकत हुसैन, फिरोजपुर झिरका से श्याम लाल, तावडू से मूल चन्द और पुन्हाना से शकूर खान ने अपने अपने खण्ड की रिपोर्ट प्रस्तुत की। यह कन्वेंशन जिला प्रधान फरयाद मोहम्मद की अध्यक्षता में हुई। खंडों की रिपोर्ट के बाद जिला प्रधान ने जिले की पिछले चार महीने कि रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सबसे पहले सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसके कारण दो सौ से अधिक साथियों की सदस्यता की गई पिछली टर्म में तीन साल में केवल 127 की सदस्यता हो पायी थी। उन्होंने बताया कि सभी जिले के स्थानीय विधायकों को अपना 11 सूत्री मांग पत्र सोंपा और उन्होंने आश्वासन दिलाया कि नूह जिला अब हर आंदोलन में आगे रहेगा। राज्य प्रधान वजीर सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार ने गत 25 मार्च को एक वित्त विधेयक पास किया है। जिसके तहत पेंशन भोगी कर्मचारियों को दो समूहों में बांट दिया है। इस विधेयक के अनुसार जो कर्मचारी 31 दिसंबर 2025 तक रिटायर्ड हो चुके हैं, उन्हें आठवे वेतन आयोग का कोई फायदा नहीं मिलेगा। जो 1 जनवरी 2026 के बाद होंगे, उनके बारे में सोचा जायेगा।

तावडू में तेज आंधी के बाद हुई बूंदाबांदी से क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ

तावडू। शहर व क्षेत्र में तेज आंधी के बाद हुई बूंदाबांदी से क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ। आंधी के कारण क्षेत्र में लगे बिजली विभाग के बिजली सप्लाई करने वाले पोल व ट्रांसफार्मर तथा पेड क्षतिग्रस्त हो गए। जिससे काफी समय तक बिजली सप्लाई बाधित रही। वहीं वर्षा में खुले आसमान के नीचे पडी किसानों की फसल भी भीग गई। जिससे किसान फिर से चिंतित हो उठा। वहीं तापमान में आई गिरावट से क्षेत्रवासियों ने गर्मी से कुछ राहत महसूस की व बिजली न होने के कारण लोगों को असुविधा हुई। शुक्रवार देर सायं को नई अनाज मंडी में खुले आसमान के नीचे रखी किसानों की फसल भी भीग गई और फसल में नमी हो गई। किसान चिंतित है कि सरकारी खरीद में नमी के चलते उनकी फसल को फेल कर दिया जाएगा। किसान जिनकी फसलें कटी हुई खेतों में पडी हुई हैं, उन्हें हुई बूंदाबांदी से नुकसान हुआ है। उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से दिन व रात में अधिक गर्मी पडने के कारण लोग परेशान थे। वहीं प्रशासन ने हीट वेव का अर्लट भी जारी कर दिया था, जिसके चलते किसानों में चिंता नहीं थी। लेकिन गुरुवार व शुक्रवार सांय मौसम में आए बदलाव से किसान फिर से चिंतित नजर आया। अनाज मंडी में गेहूं का उठान न होने के कारण अनाज मंडी में खुले आसमान के नीचे किसानों की फसल रखी होने के कारण शुक्रवार को भीग गई, जिससे किसानों का नुकसान हुआ।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने नगीना तहसील के रजिस्ट्री क्लर्क को किया निलंबित

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने उप तहसील नगीना में कार्यरत पंजीकरण लिपिक मोहम्मद साजिद को विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। उपायुक्त ने आदेशों में स्पष्ट किया है कि निलंबन के प्रथम छह माह के दौरान वह हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियमों के अंतर्गत निर्वाह भत्ते का हकदार होगा। इसके साथ ही उसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा कि निलंबन अवधि के दौरान वह किसी अन्य रोजगार या व्यवसाय से संलग्न नहीं होगा। निलंबन अवधि के दौरान कर्मचारी का मुख्यालय उप-मण्डल अधिकारी (ना.) नूंह कार्यालय होगा। वह उप-मण्डल अधिकारी (ना.), नूंह की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़े सकेगा तथा उप-मण्डल अधिकारी (ना.), नूंह को अपनी उपस्थिति के लिए रिपोर्ट करेगा।

भगवान हनुमान से मिलती है आत्मबल की प्रेरणा: डॉ. अरविंद शर्मा

सोनीपत। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने गांव जुआं में आयोजित श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ कथा में भाग लेते हुए कहा कि भगवान हनुमान वीरता, भक्ति और सेवा के प्रतीक हैं। उन्होंने समाज को जोड़ने और मजबूत करने का संदेश दिया है, जिसे आज की युवा पीढ़ी में आत्मसात करने की जरूरत है।भगवान हनुमान से आत्मबल की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में उमड़े श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि भगवान हनुमान संकटों को हरने वाले देवता हैं और उन्होंने अपने भक्तों को सदैव बल, बुद्धि और विवेक प्रदान किया है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को धर्म और संस्कारों से जोड़ें ताकि युवा आत्मबल के साथ समाज के निर्माण में योगदान दे सकें। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने गांव जुआं के अंबेडकर चौक पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा का अनावरण भी किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार बाबा साहब के विचारों को आत्मसात कर अंत्योदय की भावना से समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाएं पहुंचा रही हैं। उन्होंने बताया कि बाबा साहब की जयंती 14 अप्रैल के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिसार में महाराजा अग्रसेन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का लोकार्पण करेंगे और यमुनानगर में 800 मेगावाट की थर्मल यूनिट की आधारशिला रखेंगे। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार, सरपंच सुरेंद्र, इंद्र सिंह, रमेश प्रधान समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सफाई व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : मेयर राजीव जैन

एजेंसी

सोनीपत। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने जे वी एम कंपनी के अधिकारियों को घर - घर कूड़ा उठाने के कार्य में तेजी लेन के तथा सफाई ठेकेदारों को शहर में सफाई का कार्य सुचारु रूप से करने के निर्देश दिए हैं ताकि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का स्वच्छ भारत मिशन सफल हो सके। नगर निगम कार्यालय में आयोजित बैठक में राजीव जैन ने कहा कि पिछले कुछ माह से शहर में सफाई वयवस्था चरमराई हुई है, उसके जो भी कारण रहे हों परन्तु अब लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि केवल मुख्य सड़कों पर ही नहीं बल्कि गलियों के अंदर भी सफाई होनी सुनिश्चित की जाये। ठेकेदारों ने बताया कि अब तक नियमित वेतन ना मिलने के कारण जयादातर सफाई कर्मी काम पर नहीं आते थे परन्तु अब सफाई कर्मियों कि संख्या बढाकर सफाई पर पूरा धयान दिया जायेगा। बैठक में नगर निगम सह आयुक्त नरेश कुमार भी उपस्थित रहे। जे वी एम कंपनी के अधिकारी राजेश पांडे ने बताया कि

जब से कम्पनी का कचरे से बिजली बनाने का संयत्र शुरू हुआ है तब से शहर के काफी कूड़ा संग्रहण प्वॉइंट ख़त्म किये गए हैं और जो बाकि बचे हैं उनकी वयवस्था भी सुधारी जाएगी। पांडे ने बताया कि घर घर से कूड़ा उठाने के लिए 80 टेम्पो लगाए गए हैं तथा कचरा केंद्रों से समय पर कूड़ा उठे इसके लिए बड़ी गाड़ियां एवं मशीने लगाई गई हैं। राजीव जैन ने निर्देश दिए कि कूड़े का उठान समय पर हो और रात को मार्किट में दुकान बंद होने के समय पर भी दुकान दुकान से कूड़ा लेना शुरू किया जाये। राजीव जैन ने शहर के नालों की सफाई भी जल्द ही शुरू की जाये ताकि बरसात के मौसम में पानी की निकासी में समस्या ना आये। उन्होंने आगे कहा कि जल्द ही शहर में स्वच्छता अभियान भी शुरू करने की योजना तैयार करें।

गांव चलो अभियान के तहत पंचकूला के रामगढ़ पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गांव चलो अभियान के तहत जिला पंचकूला के गांव रामगढ़ की चौपाल में पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां भगवान शिव के मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने मंदिर में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई कर ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने प्रदेशवासियों को हनुमान जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने रामगढ़ के विकास के लिए 21 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि चुनाव हो या न हो, प्रदेश के प्रत्येक गांव में नेतागण जाकर लोगों का हालचाल जानें एवं ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रदेश में विकास के द्वारा जो परिवर्तन आया है वो जनता के सामने है। विपक्ष के लोग सिर्फ चुनाव के समय ही गांव, कस्बे व शहर में जाकर लोगों से लुभावन वादे करके उनके वोट हथियाने का प्रयास करते थे लेकिन जनता ने उन्हें नकार दिया है।

आज प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार है तो विकास भी ट्रिपल गति से ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसी के साथ भी अन्याय नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रदेश की सड़कों का सरकार ने कायाकल्प किया है। आज रामगढ़ से सहारनपुर जाने में 45 मिनट लगते हैं। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि पिछले कुछ महीनों में मुख्यमंत्री निवास पर लगभग डेढ़ लाख लोग उनसे आकर मिले और 75 हजार लोगों की समस्याओं का सरकार ने समाधान भी किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार की सोच थी कि प्रदेश में हर 20 किलोमीटर पर कॉलेज होगा, जिससे प्रदेश की बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए ज्यादा दूर न जाना पड़े, ये सपना हमारी सरकार ने साकार किया है।

साइक्लोथॉन 2.0 ड्रग फ्री हरियाणा मुहिम को गुरुग्राम में मिला जनसमर्थन

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने झंडी दिखाकर झज्जर जिले के लिए किया रवाना

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का ड्रग फ्री हरियाणा संदेश लेकर प्रदेश में जारी साइक्लोथॉन 2.0 जनभागीदारी से अपने उद्देश्य की सफलता की ओर निरंतर आगे बढ़ रही है। गुरुग्राम जिला की प्रमुख सडकों से साइक्लोथॉन 2.0 होकर गुजरी। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने घामड़ोज टोल प्लाजा से झंडी दिखाकर शनिवार की सुबह यात्रा को रवाना किया। उन्होंने खुद भी साइकिल चलाकर युवाओं को नशा मुक्त हरियाणा में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। गुरुग्राम जिला में साइक्लोथॉन 2.0 के प्रतिभागियों को सोहना के विधायक तेजपाल तंवर और पटौदी की विधायक बिमला चौधरी ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। वहीं डीसी अजय कुमार व एडीसी हितेश कुमार मीणा ने घामड़ोज टोल प्लाजा से द्वारका एक्सप्रेस वे पर एलान मॉल तक साइक्लोथॉन 2.0 में खुद साइकिल चलाकर जिलावासियों से इस मुहिम को अपना समर्थन देने के लिए प्रेरित किया। उद्योग एवं वाणिज्य

मंत्री राव नरबीर सिंह ने घामड़ो टोल प्लाजा से साइक्लोथॉन 2.0 को झंडी दिखाने से पहले प्रतिभागियों व उत्साहवर्धन करने पहुंचे जिलावासियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस मुहिम से प्रदेश में नशे के खिलाफ एक लहर बन चुकी है। इस लहर में गुरुग्राम जिला की महत्वपूर्ण भूमिका है। गुरुग्राम की दुनिया भर में पहचान है और यहां का संदेश पूरी दुनिया में जाता है। भारत को दुनिया का विश्वगुरू बनाने के लिए युवा शक्ति को नशे के खिलाफ आगे आना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में पहुंचे जिलावासियों को नशा मुक्त हरियाणा की शपथ भी दिलाई। साइक्लोथॉन 2.0 में गुरुग्राम के अलग-अलग साइक्लिस्ट कम्यूनिटी के सदस्यों, स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों व विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने भागीदारी की। इन प्रतिभागियों में सीनियर सिटीजन्स भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। सीनियर सिटीजन की बात करें तो रोहतक से आए सहदेव (67 वर्ष), सोनीपत से जयपाल (70) और करनाल से पवन कुमार आदि हिसार से इस यात्रा में शामिल है। विभिन्न जिलों से होते हुए गुरुग्राम पहुंचे इन सीनियर सिटीजन ने अपने संस्मरणों से युवा प्रतिभागियों को नशे के खिलाफ अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। डीसी अजय कुमार ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। उन्होंने प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसी मुहिम में आपका योगदान सदैव समाज को प्रेरणा देने का कार्य करेगा। इससे पहले मोंटी शर्मा सांस्कृतिक मंडली व जुंबा एक्टिविटीज के जरिए प्रतिभागियों में ड्रग फ्री हरियाणा मुहिम को लेकर जोश भी भरा गया।

निगम द्वारा चलाए जा रहे शहर को प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत एक सप्ताह में की रिकॉडतोड़ बड़ी कार्यवाही

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम प्रशासन ने सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही की जा रही है। पिछले एक सप्ताह में 3 बड़ी कार्यवाही कर नगर निगम ने प्लास्टिक स्टॉक करने वाले व्यापारियों में हड़कंप पैदा कर दिया है। शहर के मुख्य सदर बाजार स्थित प्लास्टिक स्टॉकिस्टों के खिलाफ निगम की सेनिटेशन सिक्योरिटी फोर्स ने बड़ी कार्रवाई की। टीम ने दो प्रमुख स्टॉकिस्टों पर छापा मारते हुए भारी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया। पहली बड़ी कार्यवाही एक बड़े व्यापारी के यहां से 9,500 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया गया। इस पर संबंधित स्टॉकिस्ट पर बड़ा जुर्माना लगाया गया।

वहीं, एक अन्य स्टॉकिस्ट के पास से 200 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक बरामद किया गया। नगर निगम अधिकारी मोहित शर्मा का कहना है कि नगर निगम की टीम चौबीस घंटे सातों दिन काम करती है। जनता को जागरुक करती है कि प्लास्टिक का प्रयोग न करें। कपड़े का थैला ही प्रयोग करें।

अमित शाह राजस्थान एवं हरियाणा के विकास को लेकर प्रतिबद्ध : डॉ. पूनियां

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने दिल्ली में आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान डा. सतीश पूनियां ने अमित शाह से संगठनात्मक मार्गदर्शन लिया। उन्होंने कहा कि देश के ऊर्जावान गृहमंत्री व कुशल संगठनकर्ता अमित शाह राजस्थान एवं हरियाणा के विकास को लेकर प्रतिबद्ध हैं।भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि आज देश के ऊर्जावान केंद्रीय गृहमंत्री व कुशल संगठनकर्ता अमित शाह से संगठनात्मक मार्गदर्शन मिला। उन्होंने कहा कि शाह के साथ हरियाणा के विकास और राजनीतिक विषयों पर भी चर्चा हुई है। डा. पूनिया ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह हरियाणा और राजस्थान के

विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कुशल संगठनकर्ता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिला मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहता है।

बिजली पेंशनरों ने बैठक कर सरकार से लगाई लंबित पड़ी मांगें पूरी करने की गुहार

गुरुग्राम। हरियाणा बिजली पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक का आयोजन सेवानिवृत एसडीओ दयानंद सिंध की अध्यक्षता में महरोली रोड स्थित बिजली निगम के विश्राम गृह में किया गया। मंच संचालन एसोसिएशन के महासचिव बनवारी लाल शर्मा द्वारा किया गया। यूनिट प्रधान राजन शर्मा ने कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने, 8वां वेतन आयोग लागू करने आदि मुद्दों पर चर्चा की। महासचिव बनवारी लाल शर्मा ने केंद्रीय परिषद के चुनावो के बारे में सभी को अवगत कराया तथा साथ ही उन्होंने कैशलेस मेडिकल सुविधा फार्म, आई कार्ड, पीपीओ, कॉम्यूटेशन तथा नोशनल इंक्रीमेंट, कोर्ट केसेज, एलटीसी आदि के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया। पिछले

माह एसोसिएशन के द्वारा करवाए गए सभी कार्यों के बारे मे विस्तार से आगंतुक सभी को अवगत कराया। बैठक में सदस्यों को उनके बेहतर कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रीत सिंह कटारिया, बनवारी लाल शर्मा, लालचंद यादव, सुंदर दास, किशोरी लाल, मीर सिंह, नंदलाल गुलाटी, नेतराम फरुखनगर, रामू, प्रेम सिंह, देवराज, सुशील कुमार, राम दास, ताराचंद आदि मौजूद रहे।

नशे से दूर रहकर सकारात्मक ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाएं युवा: धनखड़

● साइक्लोथॉन में नशे के खिलाफ नारों से गूंजा जिला, जन आन्दोलन बनी यात्रा

एजेंसी

झज्जर।प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के आहवान पर प्रदेश भर में ड्रग्स फ्री हरियाणा के

संकल्प व संदेश के साथ चल रही साइक्लोथॉन 2.0 (साइकिल यात्रा) ने झज्जर जिले में प्रवेश किया। गुरूग्राम से जिला झज्जर में प्रवेश करते ही यात्रा का बाढ़सा गांव में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओपी धनखड़ की अगुवाई में सैंकड़ों की संख्या में एकत्रित गणमान्य लोगों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, अंतरराष्ट्रीय- राष्ट्रीय खिलाड़ियों, युवाओं सहित क्षेत्र की सरदारी ज़ोरदार और उत्साहवर्धक स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में जिला परिषद चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, भाजपा जिला अध्यक्ष विकास वाल्मिकी, वरिष्ठ भाजपा नेता संजय कबलाना, राजपाल जांगड़ा, साइक्लोथॉन के प्रदेश सह संयोजक राजकुमार कटारिया ,सुनीता चौहान, अर्जुन अवार्डी पूनम चौपड़ा , जयवीर कोच सरपंच ज्ञानचंद सहित अनेक कोच व खिलाड़ी मौजूद रहे । जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त प्रदीप दहिया और डीसीपी लोगेश कुमार पी ने यात्रा का अभिनंदन किया। डीसी प्रदीप दहिया ने सभी मेहमानों और साइकिल यात्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि जिला प्रशासन की ओर से ड्रग्स फ्री हरियाणा की मुहिम को सक्रिय जनभागीदारी के साथ चलाया जा रहा है।

नशे खिलाफ ओपी धनखड़ ने दिलाई शपथ

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओपी धनखड़ ने साइक्लोथॉन के स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को नशे के खिलाफ शपथ दिलाई । उन्होंने उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम श्री नरेंद्र मोदी जी कहते हैं कि जो जीवन में संकल्प को लेकर चलता है वही आगे बढ़ता है। छोटे-छोटे संकल्पों से ही जीवन का निर्माण होता है। युवा अवस्था में ही अच्छे संस्कार मिल जाते हैं तो फिर वह अच्छा जीवन जीता है।

साइक्लोथॉन यात्रा के जरिये भी प्रदेश के लोग ड्रग्स के नशे को जड़ से खत्म करने के लिए संकल्प लें व प्रदेश को नशा मुक्त बनाएं। श्री धनखड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश को नशा मुक्त करने के लिए साइक्लोथॉन जैसी बड़ी मुहिम शुरु की है, जो अपने मूल उद्देश्य को सार्थक करते हुए आगे बढ़ रही है। श्री धनखड़ ने युवाओं से अपने जीवन की सकारात्मक ऊर्जा पर फोकस करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रहते हुए जीवन में अपनी ऊर्जा को सही कार्यों में लगाना चाहिए, जिससे उनके जीवन का विकास हो। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर खेलों से जुड़ें। खेलों से शारीरिक विकास के साथ साथ मानसिक रूप से भी व्यक्ति का विकास होता है। स्वस्थ रखने में खेल उत्कृष्ट कार्य करते हैं। श्री धनखड़ ने कहा कि झज्जर जिले में करीब 41 रजिस्टर्ड अखाड़े हैं, जहां खिलाड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में खेल बड़ी ताकत हैं , खेलों से जीवन को सही दिशा मिलती है।

साइक्लोथॉन में नशा मुक्ति के लिए लोटा-नमक संकल्प

साइक्लोथॉन में की अगुवाई कर रहे उप निरीक्षक डॉ अशोक कुमार वर्मा अपनी साइकिल के साथ लोटा और नमक लिए हुए हैं, जो कि सामाजिक संकल्प का संकेत है। वे आमजन से लोटे में नमक डलवाते हुए अपने क्षेत्र, अपने प्रदेश को नशा मुक्त हरियाणा बनने का संकल्प दिलवा रहे हैं। जिला में यात्रा के दौरान ग्रामीणों व युवाओं ने सामाजिक कुरीति के विरूद्ध लोटे में नमक डालते हुए नशा मुक्त हरियाणा बनाने में अपनी आहुति डाली। बाढ़सा में सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों ने नशा मुक्त माहौल बनाने को लेकर समर्पित नुक्कड़ नाटक की बेहतरीन प्रस्तुति दी। बाढ़सा में नशा मुक्त हरियाणा का संदेश देने उपरांत भाजपा के राष्ट्रीय सचिव श्री धनखड़ ने साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने स्वयं साइकिल चलाते हुए साइक्लोथॉन में शामिल युवाओं को उत्साहवर्धन किया। ड्रग्स फ्री हरियाणा का संदेश लिए साइकिल सवारों का जिले के गांवों व शहर में प्रवेश करने के दौरान पुष्प वर्षा करते हुए शानदार ढंग से अभिनंदन किया गया। साइकिल यात्रा बाढ़सा के बाद, बादली, झज्जर शहर, गुढ़ा, चमनपुरा होते हुए डीघल होते हुए रोहतक जिला में प्रवेश किया।

भाजपा सरकार की लापरवाही के चलते बारिश की भेंट चढ़ी फसल : भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने बेमौसम बरसात के कारण मंडियों में फसल खराब होने को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बार-बार चेतावनी के दिए जाने के बावजूद सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। इसके चलते वही हुआ, जिसका डर था। बेमौसम बारिश के चलते किसानों की गेहूं पानी की भेंट चढ़ गई। पूर्व सीएम हुड्डा ने कहा कि उन्होंने मंडियों में फसल खरीद को लेकर दौरा किया और इस दौरान किसानों ने उन्हें बताया कि उनकी पक्की-पकाई फसल सरकारी निकम्मेपन की भेंट चढ़ गई है। जो किसान फसल बेचने के लिए मंडी में पहुंचे थे, उनके लिए ना ही तिरपाल की व्यवस्था थी और ना ही बारदाना की। जिस फसल की खरीद हो चुकी थी, उसका भी उठान नहीं हुआ और वह भी बारिश में भीग गई। पूर्व सीएम हुड्डा रविवार को रोहतक पहुंचे और कई कार्यक्रमों में शिरक्त की। उन्होंने गांव नांदल स्थित हनुमान मंदिर पहुंच कर विशेष पूजा अर्चना भी की।

आंधी बारिश और ओलावृष्टि से खराब फसलों की जल्द करवाई जाए गिरदावरी : सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि शासन और प्रशासन की लापरवाही के चलते किसानों की मेहनत कुछ ही घंटों की बारिश, आंधी और ओलावृष्टि में खेतों में खड़ी फसलों और मंडियों में रखे गेहूं को भारी नुकसान हुआ। सरकार को बिना देरी किए तुरंत विशेष गिरदावरी करवाकर नुकसान का निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन करवाया जाए और प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा और राहत राशि प्रदान की जाए। इसके साथ ही मंडियों में फसलों की सुरक्षित भंडारण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। किसान देश का अन्नदाता है। उसकी पीड़ा पर संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में बाद मौसम ने अचानक करवट ली और तेज आंधी के साथ जोरदार बारिश शुरू हो गई। कई इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई। सिरसा सहित 13 जिलों में बारिश और ओलावृष्टि ने गेहूं और सरसों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। खेतों में खड़ी फसलें और अनाज मंडियों में रखी उपज भीगने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। सिरसा के अलावा फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेंद्रगढ़, कैथल, रेवाड़ी, सोनीपत, यमुनानगर, झज्जर, कुरुक्षेत्र, फरीदाबाद, करनाल और जींद में भी बारिश और आंधी ने फसलों को प्रभावित किया है। फतेहाबाद में सरसों की बोरियां और गेहूं की फसल भीगने से किसान परेशान हैं। इसके साथ ही गेहूं कटाई के काम को बाधित किया। सिरसा में सर्वाधिक 16 एमएम बरसात हुई और जिला में मंडियों में पड़ा करीब 95 प्रतिशत गेहूं भीग गया। कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश सरकार अमूमन एक अप्रैल से गेहूं की सरकारी खरीद शुरू करती है उससे कई माह पहले ही वह गेहूं खरीद की तैयारियों में जुट जाती है, मंडियों और खरीद केंद्रों पर खरीद के समुचित प्रबंध के साथ साथ किसानों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखते हुए तैयारियां की जाती है पर इस बार सारी तैयारियां कागजों में ही कई धरातल पर कोई काम हुआ ही नहीं है।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.9 अरब डॉलर बढ़कर 676.3 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि में जबरदस्त बढ़ोतरी होने से 04 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.9 अरब डॉलर उछलकर 676.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.6 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 665.4 अरब डॉलर पर रहा था।रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 04 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 9.1 अरब डॉलर की मजबूती के साथ 574.1 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.6 अरब डॉलर उछलकर 79.4 अरब डॉलर हो गया।आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 18.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 18.4 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 4.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.5 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

बीओआई ने 400 दिन की विशेष सावधि जमा योजना वापस की, ब्याज दरों में की कटौती

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने 7.30 प्रतिशत की अधिकतम ब्याज दर वाली अपनी लोकप्रिय 400 दिन की विशेष सावधि जमा योजना को वापस लेने की घोषणा की तथा हाल ही में हुई रेपो दर में कटौती के मद्देनजर इस वर्ष 15 अप्रैल से अपनी अल्पकालिक और मध्यम अवधि की सावधि जमा योजनाओं पर ब्याज दरों में भी कमी करने का फैसला किया है।बैंक ने बताया कि अब तीन करोड़ रुपये से कम राशि वाली जमाओं पर 91 से 179 दिनों की अवधि के लिए 4.25 प्रतिशत और 180 दिन से एक वर्ष से कम की अवधि के लिए 5.75 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा। एक वर्ष की सावधि जमा पर 7.05 प्रतिशत और एक वर्ष से दो वर्ष तक की जमाओं पर 6.75 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा। वहीं, तीन करोड़ रुपये से 10 करोड़ रुपये तक की जमाओं पर 91 से 179 दिनों की अवधि के लिए 5.75 प्रतिशत, 180 से 210 दिनों के लिए 6.25 प्रतिशत और 211 दिन से एक वर्ष से कम की अवधि के लिए 6.50 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा। इस श्रेणी में एक वर्ष की जमा पर भी 7.05 प्रतिशत और एक वर्ष से दो वर्ष से कम अवधि की जमाओं पर 6.70 प्रतिशत ब्याज मिलेगा।बैंक ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष प्रावधान भी किया है, जिसके तहत छह महीने और उससे अधिक की परिपक्वता अवधि वाली जमाओं पर सुपर सीनियर सिटीजन को 0.65 प्रतिशत और सीनियर सिटीजन को 0.50 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज मिलेगा। संशोधित ब्याज दरें 15 अप्रैल 2025 से प्रभावी होंगी।

पाम ऑयल और गेहूं सस्ता; दालें महंगी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव के मुकाबले आवक अधिक होने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में पाम ऑयल के साथ ही गेहूं सस्ता हो गया जबकि मांग निकलने से दालें महंगी हो गई वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा सप्ताहांत पर 243 रिंगिट लुढ़ककर 4458 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, अप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.39 सेंट की तेजी के साथ 46.80 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान पाम ऑयल में 366 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले सप्ताह के स्तर पर पड़े रहे। सप्ताहांत पर सरसों तेल 15751 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 18681 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15201 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13553 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16849 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

ओमेगा सेकी 2500 पिंक ऑटोरिक्शों से महिला चालकों को बनाएगी सशक्त

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी ओमेगा सेकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अभूतपूर्व पहल करते हुए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत नारी शक्ति महिला कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से पूरे देश में 2500 विशेष डिज़ाइन वाले पिंक ऑटोरिक्शा महिलाओं को समर्पित करने की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य परिवहन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस साझेदारी के तहत विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए इलेक्ट्रिक पिंक ऑटो न केवल पर्यावरण अनुकूल हैं बल्कि इनमें चालक और यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए जीपीएस, इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम जैसे फीचर शामिल हैं। पिंक ऑटो की पहली फ्लीट दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में चलाई जाएगी और आगे चलकर इसे बेंगलुरु, उत्तरी कर्नाटक और चेन्नई में भी शुरू किया जाएगा। ओमेगा सेकी मोबिलिटी के संस्थापक और अध्यक्ष उदय नारंग ने कहा, हमारी यह पहल केवल सीएसआर तक सीमित नहीं बल्कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम है। हम महिलाओं को सिर्फ वाहन चलाने का अधिकार नहीं दे रहे बल्कि उन्हें सम्मानजनक जीवन और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का अवसर भी दे रहे हैं।

केएफसी इंडिया और कैरीमिनाटी ने मिलकर लॉन्च किया नया मजेदार सॉसी पॉपकॉर्न

एजेंसी

नई दिल्ली। केएफसी इंडिया ने भारत के सबसे बड़े जेनरेशन यूट्यूबर कैरीमिनाटी के साथ मिलकर एक नया मेनू पेश किया है। इस अनोखे लॉन्चिंग में केएफसी इंडिया और यूट्यूबर कैरीमिनाटी साथ मिलकर बेहद टेस्टी और फिंगर लिकिन गुड सॉसी पॉपकॉर्न पेश कर रहे हैं।कंपनी ने एक बयान में बताया कि केएफसी इंडिया और यूट्यूबर कैरीमिनाटी (उर्फ अजय नागर) के साथ मिलकर एक अभूतपूर्व सह-निर्माण किया है, जो एक बिल्कुल नया सॉसी पॉपकॉर्न है। यह केएफसी के लजीज स्वाद को कैरीमिनाटी के ट्रेडमार्क सॉसी व्यक्तित्व के साथ मिलाकर, यह लॉन्च क्यूएसआर उद्योग के भीतर ब्रांड-इन्फ्लुएंसर साझेदारी में एक नई दिशा दिखाता है। एक ऐसा स्नैक जिसे इंटरनेट का फेवरेट इंटरनेट जनरेशन के लिए लेकर आया है। इस अभूतपूर्व लॉन्च में केएफसी इंडिया और कैरीमिनाटी मिलकर स्वादिष्ट और उंगलियां चाटने लायक सॉसी पॉपकॉर्न तैयार करेंगे। कंपनी ने कहा कि पहली बार एक जेन जेड आइकन केएफसी की किचन में शामिल हुआ है। कंपनी के मुताबिक 67 मिलियन फॉलोअर्स वाले कैरीमिनाटी ने सिर्फ अपना नाम नहीं दिया, बल्कि वह अपनी खास स्टाइल और अपना पसंदीदा स्वाद को केएफसी की किचन में लेकर आए हैं। केएफसी एक्स कैरीमिनाटी सॉसी पॉपकॉर्न, चिकन पसंद करने वालों के फेवरेट बाइट-साइज चिकन पॉपकॉर्न और कैरी की मजेदार पर्सनैलिटी को एक साथ लाता है, वो भी सबसे जबरदस्त अंदाज में। चिकन पॉपकॉर्न के आइकोनिक स्वाद को कैरी फॉरवर्ड किया गया है। तीखी और चटपटी नैशविल सॉस में टॉस करके-एकदम कैरी वाला ट्विस्ट। ब्रांड के लिए पहली बार सॉसी पॉपकॉर्न एक लिमिटेड एडिशन पैकेजिंग में आया है, जिस पर यूट्यूबर कैरीमिनाटी को फीचर किया गया है। इसके साथ आता है एक स्पॉर्क, जो कि कैरीमिनाटी का आइडिया है। अपने गेमर दोस्तों के लिए, ताकि वो अपना नया फेवरेट स्नैक बिना गेम रोके और बिना हाथ गंदे किए मज़े से खा सकें। आज से केएफसी एक्स कैरीमिनाटी सॉसी पॉपकॉर्न भारत भर में उपलब्ध है, वो भी सिर्फ लिमिटेड टाइम के लिए। चिकन पसंद करने वाले, कैरीमिनाटी के फैंस, सॉसी लवर्स, और स्नैक पसंद करने वाले-अब इसे सिर्फ 199 रुपये में पाएं। केएफसी और कैरीमिनाटी का नया ड्रॉप अब भारत के 1200 से भी ज्यादा केएफसी रेस्टोरेंट्स में डाइन-इन और टेकअवे के लिए उपलब्ध है।

भारत स्वदेशी आईपी वाले 25 चिपसेट पर काम कर रहा : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली । इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में निर्यात आधारित विकास को प्राथमिकता देते हुए भारत वर्तमान में स्वदेशी बौद्धिक संपदा (आईपी) वाले कम से कम 25 चिपसेट पर काम कर रहा है। केंद्रीय रेल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि वर्तमान में 13 ऐसी परियोजनाएं चल रही हैं, जिनका नेतृत्व सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), बेंगलुरु कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आईपी का स्वामित्व 'सुरक्षा' सुनिश्चित करते हुए हमें सेवा प्रधान राष्ट्र से उत्पाद प्रधान राष्ट्र में बदलता है। उन्होंने कहा कि इन चिप्स का निर्माण उभरते हुए सेमीकंडक्टर फैब घरेलू स्तर पर ही करेंगे। इस लक्ष्य की ओर, सरकार देश भर में 300 से अधिक संगठनों में सेमीकंडक्टर डिजाइन अप्रोच के सिस्टमैटिक ऑवरहॉल प्रक्रिया में है, जिसमें 250 शैक्षणिक संस्थान और 65 स्टार्टअप शामिल हैं। आईटी मंत्रालय के अनुसार, इन कदमों का उद्देश्य क्रिएटिविटी को सक्षम करने के युग की शुरुआत करना है। इस प्रक्रिया में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण 'भारत में डिजाइन उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि 'मेक इन इंडिया' के अनुरूप चिप डिजाइन को लोकतांत्रिक बनाया जाएगा। सीटूएस कार्यक्रम का उद्देश्य सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन में विशेषज्ञता प्राप्त बीटेक, एमटेक और पीएचडी स्तरों पर इंडस्ट्री रेडी 85,000 मैनपावर तैयार करना है।कार्यक्रम छात्रों को चिप डिजाइन, निर्माण और परीक्षण में पूर्ण व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। सी-डैक में स्थापित सबसे बड़े संयंत्रों में से एक के रूप में सी2एस कार्यक्रम के तहत एक 'चिपइन सेंटर' स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य देश में सेमीकंडक्टर डिजाइन कम्युनिटी के डोर-स्टेप तक चिप डिजाइन इंफ्रास्ट्रक्चर को लाना है। इस साल फरवरी में चिप डिजाइन में एक नया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का उद्घाटन किया गया था।

एपीडा ने अरुणाचल प्रदेश में आयोजित की अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने अरुणाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक (आईबीएसएम) की मेजबानी की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि एपीडा ने प्रदेश सरकार के सहयोग से अरुणाचल प्रदेश और भारत के व्यापक पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए अरुणाचल प्रदेश के तवांग में कलावांगपो कन्वेंशन हॉल में अंतरराष?ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक (आईबीएसएम) का आयोजन किया। बैठक में अरुणाचल प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव (सीएस) मनीष गुप्ता, भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय सचिव सिराज हुसैन और एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव सहित केंद्र और भारत सरकार के कई अधिकारी मौजूद थे। मंत्रालय के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक में संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल और भूटान सहित 3 देशों के 11 अंतरराष?ट्रीय खरीदारों के बीच असम, महाराष्ट्र, दिल्ली, हैदराबाद, कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल सहित 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के 17 भारतीय निर्यातकों के साथ सीधी बातचीत संभव हुई। देशभर के निर्यातकों ने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले अरुणाचल प्रदेश के 50 से अधिक एफपीओ और 200 किसानों के साथ बातचीत की और कृषि उपज की गुणवत्ता, उपलब्धता और उत्पादन मात्रा को समझा। एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव ने इस बैठक में प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए अरुणाचल प्रदेश से किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ)/किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि बाजार तक पहुंच, प्रचार और आउटरीच हो सके। एपीडा कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को विकसित करने, सुविधा प्रदान करने और बढ़ावा देने के लिए काम करता है।

सीईए ने वित्त वर्ष 2024-25 में 7.5 गीगावाट की 6 हाइड्रो-पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर सहमति जताई

एजेंसी

नई दिल्ली। विद्युत मंत्रालय के तहत केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान रिकॉर्ड समय में करीब 7.5 गीगावाट की 6 हाइड्रो पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर सहमति व्यक्त की है, जो उन्नत दीर्घकालिक ऊर्जा भंडारण समाधान विकसित करने के लिए भारत की चल रही प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। विद्युत मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि तकनीकी-आर्थिक मंजूरी निकाय केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान रिकॉर्ड समय में करीब 7.5 गीगावाट की छह हाइड्रो-पंप स्टोरेज परियोजनाओं को मंजूरी दी है। मंत्रालय के मुताबिक ये छह परियोजनाएं है, ओडिशा में अपर इंद्रावती (600 मेगावाट), कर्नाटक में शरावती (2,000 मेगावाट), महाराष्ट्र में भिवपुरी (1,000 मेगावाट) और भवाली (1,500 मेगावाट), मध्य प्रदेश में एमपी-30 (1,920 मेगावाट) और आंध्र प्रदेश में चित्रावती (500 मेगावाट)।

मंत्रालय के मुताबिक सीईए ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान करीब 22 गीगावॉट की कम से कम 13 पीएसपी को मंजूरी देने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से अधिकांश पीएसपी को 4 साल में और 2030 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। इन परियोजनाओं के विकास से देश में ऊर्जा भंडारण क्षमता में भारी वृद्धि होगी, जिससे ग्रिड विश्वसनीयता में बड़ा योगदान मिलेगा। इससे भारत के महत्वाकांक्षी अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों को समर्थन मिलेगा। मंत्रालय के मुताबिक यह पीएसपी डेवलपर्स और मूल्यांकन संगठनों (सीडब्ल्यूसी, जीएसआई और सीएसएमआरएस) के सहयोगात्मक प्रयासों का परिणाम है।

रोज वैली पोंजी घोटाला: केंद्र ने 7.5 लाख पीड़ितों की मदद के लिए 515 करोड़ का डिमांड डॉफ्ट सौंपा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने परिसंपत्ति निपटान समिति के अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस डीके सेठ को 515.31 करोड़ रुपये का डिमांड डॉफ्ट सौंपा। समिति का गठन रोज वैली पोंजी घोटाले में वैध निवेशकों को उनकी संपत्ति लौटाने के उद्देश्य से किया गया था। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। अनुमान है कि इस राशि का उपयोग एसेट डिस्पोजल कमेटी के पास अब तक दर्ज किए गए 31 लाख दावों में से लगभग 7.5 लाख पीड़ितों को धन वापस दिलाने के लिए किया जाएगा। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एडीसी को 22 करोड़ रुपये की राशि सौंपी थी जिसका उपयोग 32,319 वैध निवेशकों को धन वापस दिलाने के लिए किया गया था। मंत्रालय के मुताबिक ईडी ने वर्ष 2015-17 में मनी ट्रेल की जांच करके और 2,987 अलग-अलग बैंक खातों का पता लगाकर 515.31 करोड़ रुपये की धनराशि जब्त की थी, जिसमें निर्दोष पीड़ितों से एकत्र की गई धनराशि को भेजा गया था। इसके बाद कानून की उचित प्रक्रिया के बाद उक्त बैंक खातों को जब्त या अटैच कर दिया गया और न्यायाधिकरण द्वारा कुर्की की पुष्टि के बाद उन्हें 700 से अधिक सावधि जमा में बदल दिया गया। ईडी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और त्रिपुरा राज्यों में रोज वैली ग्रुप के खिलाफ पांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के मामलों की जांच कर रहा है।उल्लेखनीय है कि ईडी ने 1,172 करोड़ रुपये की अन्य चल और अचल संपत्तियां भी जब्त की हैं, जो परिसमापन और पीड़ितों को वापस करने की प्रक्रिया में है। ईडी ने इन सभी मामलों में पीएमएलए के तहत विशेष अदालतों के समक्ष अभियोजन शिकायतें दायर की हैं।

राहुल गांधी और चीन की कम्युनिष्ट पार्टी के बीच समझौते से देश का व्यापार घाटा 25 गुना बढ़ा: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस पार्टी और सांसद राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी का पर्दाफाश अब कई बार हो चुका है, लेकिन आज तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि राहुल गांधी ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ क्या समझौता किया था। उन्होंने कहा कि इसी समझौते के चलते भारत और चीन के बीच व्यापार घाटा मात्र दस वर्षों में 25 गुना बढ़ गया। पीयूष गोयल ने कहा कि यह कल्पना कर पाना भी कठिन है कि किस हद तक कांग्रेस और यूपीए सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था को कमजोर किया। उन्होंने राहुल गांधी से मांग की कि वे इस विषय पर देश को जवाब दें। उन्होंने राहुल गांधी पर विदेश में भारत की आलोचना करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे ऑक्सफोर्ड जैसे मंचों पर भारत को बदनाम करते हैं, यही कारण है कि देश की जनता ने ऐसे नेताओं को लगातार खारिज किया है और तीसरी बार उन्हें सत्ता से बाहर रखा है। भारत की जनता और विशेषकर युवा वर्ग कभी भी ऐसे नेताओं को स्वीकार नहीं करेगा, जो देश की छवि को धूमिल करें। उन्होंने कहा कि देश का हित और उसकी सुरक्षा सिर्फ पीएम मोदी के नेतृत्व में संभव है। तहव्वुर राणा को भारत लाना एक बड़ी कूटनीतिक सफलता है और यह दिखाता है कि सरकार आतंकवाद के खिलाफ कितनी सख्त है।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने कर्ज पर ब्याज दर 0.25 फीसदी घटाई, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली/चेन्नई। पंजाब नेशनल बैंक सहित 4 अन्य बैंकों के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के एक और बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने रेपो रेट से संबद्ध ब्याज दर में 0.25 फीसदी की कटौती की है। नई दरें 12 अप्रैल, 2025 से प्रभावी हो गई हैं। बैंक ने एक बयान में बताया कि बैंक ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आईपी) को 25 आधार अंकों (0.25 फीसदी) की कटौती के साथ मौजूदा 9.10 फीसदी से घटाकर 8.85 फीसदी कर दिया है। यह कटौती 12 अप्रैल 2025 से प्रभावी हो गई है।यानी कि आज के बाद से बैंक से लोन लेने वालों लोगों की ईएमआई कम हो जाएगी और उनको कम रुपये ब्याज को तौर पर चुकाने होंगे। आईओबी की विज्ञप्ति के मुताबिक परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति ने 11 अप्रैल को आयोजित अपनी बैठक में ग्राहकों को रेपो दर में कटौती का लाभ देने का निर्णय लिया। इसके बाद बैंक ने तत्काल प्रभाव से बैंक की रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट में 25 आधार अंकों की कटौती की है।उल लेखनीय है कि हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में नीतिगत दर रेपो रेट को 6.25 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी कर दिया है। इसके बाद इंडियन ओवरसीज बैंक सहित पांच बैंक ने लोन पर ब्याज दरें घटाई है।

> **बैंक ने एक बयान में बताया कि बैंक ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आईपी) को 25 आधार अंकों (0.25 फीसदी) की कटौती के साथ मौजूदा 9.10 फीसदी से घटाकर 8.85 फीसदी कर दिया है।**

पीएम इंटर्नशिप योजना के प्रशिक्षुओं के लिए 5वें 'कैंडिडेट ओपन हाउस' का हुआ आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने पीएम इंटर्नशिप योजना के प्रशिक्षुओं के लिए 5वें 'कैंडिडेट ओपन हाउस' का आयोजन किया। इस दौरान प्रशिक्षुओं ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा और अनुभव साझा किए।

कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि 11 अप्रैल 2025 को मंत्रालय द्वारा 5वें कैंडिडेट ओपन हाउस का आयोजन किया गया। इस सत्र के दौरान पीएम इंटर्नशिप योजना के प्रशिक्षुओं ने अपनी परिवर्तनकारी यात्रा पर विचार किया। यह सत्र उम्मीदवारों, मौजूदा प्रशिक्षुओं और योजना से जुड़े उद्योग हितधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण टचपॉइंट के रूप में कार्य करता है। इसमें 557 प्रतिभागियों की भारी उपस्थिति रही। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के पायलट चरण के दूसरे चरण के लिए आवेदन वर्तमान में खुले हैं, पात्र युवाओं के लिए 22 अप्रैल, 2025 की समय-सीमा से पहले आवेदन करने के लिए मंत्रालय प्रोत्साहित कर रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच सरकार के इन ईंधनों पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) में दो-दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। सरकार ने सोमवार को पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) में दो-दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी लेकिन आम उपभोक्ता पर इस वृद्धि का असर नहीं पड़ेगा। यह फैसला वैश्विक तेल कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव और ट्रंप प्रशासन की ओर से जवाबी टैरिफ के एलान के बीच लिया गया है। यह वृद्धि 08 अप्रैल 2025 से प्रभावी हो गई है। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.35 प्रतिशत उबलकर 61.48 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

नीति आयोग ने सरकार को ऑटो कंपोनेंट विनिर्माण के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन का दिया सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग ने ऑटोमोटिव उद्योगः वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी का सशक्तिकरण की रिपोर्ट लॉन्च की। इस रिपोर्ट में आयोग ने सरकार को ऑटो कंपोनेंट निर्माण के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन प्रदान करने और वैश्विक ऑटोमोटिव बाजारों में भारत को एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने के लिए ब्राउनफील्ड बड़े पैमाने पर ऑटो क्लस्टर विकसित करने का सुझाव दिया है। नीति आयोग ने जारी एक बयान में बताया कि नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने ऑटोमोटिव उद्योगः वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी को सशक्त बनाना शीर्षक वाली रिपोर्ट को लॉन्च किया। आयोग के मुताबिक इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि देश का ऑटोमोटिव कंपोनेंट उत्पादन 2030 तक 145 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ जाएगा, जबकि निर्यात 20 अबर अमेरिकी डॉलर से तीन गुना बढ़कर 60 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने इस रिपोर्ट को डॉ. वी.के. सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग, डॉ. अरविंद विरमानी, सदस्य, नीति आयोग और बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम, सीईओ, नीति आयोग के साथ मिलकर पेश किया। यह रिपोर्ट भारत के ऑटोमोटिव क्षेत्र का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करती है। इसमें अवसरों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया और वैश्विक ऑटोमोटिव बाजारों में भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है, सरकार को विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए परिचालन व्यय (ओपेक्स) सहायता प्रदान करनी चाहिए, जिसमें टूलिंग, डाई और बुनियादी ढांचे के लिए पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि भारत में ऑटोमोटिव उद्योग में वैश्विक अग्रणी बनने की महत्वपूर्ण क्षमता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ उद्योग के हितधारकों के केंद्रित प्रयासों की आवश्यकता है। मौजूदा चुनौतियों का समाधान करके और प्रस्तावित हस्तक्षेपों का लाभ उठाकर, भारत अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा सकता है, निवेश आकर्षित कर सकता है और वैश्विक मूल्य श्रृंखला का नेतृत्व करने में सक्षम एक मजबूत ऑटोमोटिव क्षेत्र का निर्माण कर सकता है। रिपोर्ट को इस लिंक पर देखा जा सकता है: https://www.niti.gov.in/sites/default/files/w®wz-®y/Automotive-Industry-Powering-India-participation-in-GVC_Non-Confidential.pdf

नारियल तेल में मिलाकर लगाएं ये 5 नेचुरल चीजें, शीशे की तरह चमकेगा चेहरा

नारियल तेल में कुछ खास चीजें मिलाकर लगाने से रातभर में ही त्वचा हेल्दी, ग्लोइंग, चमकदार और कोमल बन सकती है. स्किन को शीशे की तरह चमकाना चाहती हैं तो कोकोनट ऑयल में कुछ नेचुरल चीजों को मिलाकर लगा सकती हैं.

त्वचा की देखभाल के लिए बाजार में कई महंगे प्रोडक्ट्स मौजूद हैं, लेकिन नेचुरल चीजों का कोई मुकाबला नहीं है. खासकर जब बात नारियल तेल की हो, तो सदियों से हमारे में घरों में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है. नारियल तेल में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं जो त्वचा को पोषण देने के साथ-साथ उसे चमकदार भी बनाते हैं.

अगर आप नारियल तेल में कुछ घरेलू और असरदार चीजें मिलाकर इस्तेमाल करें, तो इसका प्रभाव और भी शानदार हो जाता है. आइए जानते हैं ऐसी 5 चीजों के बारे में, जिन्हें नारियल तेल में मिलाकर लगाने से त्वचा में जबरदस्त चमक आ सकती है.

हल्दी और नारियल तेल

हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं. जब इसे नारियल तेल में मिलाकर चेहरे पर लगाया जाता है, तो यह त्वचा की गहराई से सफाई करता है और दाग-धब्बों को कम करता है. इसके लिए एक चुटकी हल्दी को एक चम्मच नारियल तेल में मिलाएं और 10-15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं. बाद में गुनगुने पानी से धो लें.

शहद और नारियल तेल

शहद एक नेचुरल मॉइस्चराइज़र है. यह त्वचा को नमी प्रदान करता है और उसे मुलायम बनाता है. नारियल तेल और शहद को बराबर मात्रा में मिलाकर चेहरे पर लगाने से डेड स्किन हटती है. इसे 15 मिनट तक लगाकर रखने के बाद हल्के गुनगुने पानी से धो लें.

नींबू का रस और नारियल तेल

नींबू में विटामिन ष्ट और ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो त्वचा की रंगत निखारते हैं. अगर आपकी त्वचा ऑयली है और उस पर टैनिंग या पिग्मेंटेशन है, तो नारियल तेल में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर लगाना फायदेमंद हो सकता है. ध्यान रखें कि नींबू का रस एसिडिक होता है, इसलिए इसे हफ्ते में 1-2 बार ही लगाएं और लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें.

चंदन पाउडर और नारियल तेल

चंदन पाउडर त्वचा को ठंडक पहुंचाने और दाग-धब्बे हटाने के लिए जाना जाता है. नारियल तेल में एक चम्मच चंदन पाउडर मिलाकर चेहरे पर पेस्ट की तरह लगाएं. इसे 15-20 मिनट तक लगा रहने दें और सूखने के बाद धो लें. इसका नियमित इस्तेमाल से त्वचा में निखार आता है.

एलोवेरा जेल और नारियल तेल

नारियल तेल में बराबर मात्रा में एलोवेरा जेल मिलाकर लगाने से त्वचा को गहराई से नमी मिलती है, जिससे चेहरा ग्लोइंग और फ्रेश दिखता है. यह ड्राई और सेंसेटिव स्किन के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है.

बदहाल हैं, यम की बहन यमुना

आम जन यमुना की पीड़ा व उसके दम तोड़ने को उसमें बहते कूड़े-कचरे, उठते झागों में ही नहीं देख सकता, बल्कि यमुनोत्री में धवलता, शुभ्रता की शुरूआत लिये यमुना को सहारनपुर जिले से इलाहाबाद तक की 1370 किमी की दूरी में पीली, काली, भूरी होते भी देख सकता है।

आम जन यमुना की पीड़ा व उसके दम तोड़ने को उसमें बहते कूड़े-कचरे, उठते झागों में ही नहीं देख सकता, बल्कि यमुनोत्री में धवलता, शुभ्रता की शुरूआत लिये यमुना को सहारनपुर जिले से इलाहाबाद तक की 1370 किमी की दूरी में पीली, काली, भूरी होते भी देख सकता है। प्रयागराज प्रवेश के पहले भी यमुना प्रदूषण-जनित धूसरित कालिमा लिये होती है।प्रयागराज का महाकुभ हमें मौका दे रहा था कि पवित्र, पूज्य यमुना नदी को शुध्दजल से पोषित नदी बनाने पर वाक्युद्ध समाप्त कर कर्मयुद्ध का प्रारंभ होता। दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान यमुना प्रदूषण पर राजनैतिक बयानबाजियों की शुरूआत हुई थी। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा छठ पूजा पर रोक के आदेश और फिर यमुना को हरियाणा से जहरीली बनाकर भेजा जा रहा है - जैसे आरोपों का द्वंद्व चुनाव आयोग व न्यायालयों तक भी पहुंच गया था। चुनौतियां दिल्ली में यमुना जल पीकर दिखाने तक पर आ गई थी।

अंततः चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में दिल्ली पहुंचे उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुंभ का प्रसंग छेड़ दिया था। चुनौती भरे लहजे में उनका कहना था कि जैसे महाकुंभ में उन्होंने अपने मंत्रीमण्डलीय सहयोगियों के साथ संगम में डुबकी लगाई थी, क्या वैसे अरविंद केजरीवाल और दिल्ली राज्य की आप कैबिनेट कर सकती है?

महाकुंभ तो समाप्त हो गया, लेकिन उत्तरप्रदेश सरकार भविष्य के लिये इस लक्ष्य को अपनी चुनौती बना सकती है कि यमुना को प्रयागराज पहुंचने के पहले पूरी तरह से प्रदूषण-मुक्त कर, उसमें यमुनोत्री से चले मूल जल की मात्रा बढ़ाकर, श्रद्धालुओं की डुबकी के लिये इंतजाम कर दिखायेंगे। जिस दिल्ली में यमुना के प्रदूषण पर मुख्यमंत्री योगी दिल्ली के चुनावी दंगल में चुनौती दे रहे थे, उस दिल्ली में यमुनोत्री से चला दस प्रतिशत भी जल उसमें नहीं रहता। नब्बे प्रतिशत से ज्यादा जल राह में निकाल लिया जाता है। इसलिये समझ लें कि यमुना, जो दिल्ली के आगे आगरा, मथुरा और संगम तक भरी-पूरी दिख रही है, उसका बहुत बड़ा अंश अनुपचारित-उपचारित सीवर जल का ही होगी।आम जन यमुना की पीड़ा व उसके दम तोड़ने को उसमें बहते कूड़े-कचरे, उठते झागों में ही नहीं देख सकता, बल्कि यमुनोत्री में धवलता, शुभ्रता की शुरूआत लिये यमुना को सहारनपुर जिले से इलाहाबाद तक की 1370 किमी की दूरी में पीली, काली, भूरी होते भी देख सकता है। प्रयागराज प्रवेश के पहले भी यमुना प्रदूषण-जनित धूसरित कालिमा लिये होती है। वर्तमान में तो यमुना देश की सर्वाधिक प्रदूषित नदियों में से एक है। संवेदित जन, संवेदित संत, संवेदित राजनेता, संगम में डुबकी लगाने वाले करोड़ों आम लोग प्रदूषण-मुक्त या न्यूनतम प्रदूषण ढोती यमुना को संगम में पहुंचाने के लिये संकल्पित हो जाते तो दिल्ली में भी यमुना की दशा सुधरने में मदद मिल जाती।राष्ट्रीय हरित अधिकरण के महाकुंभ में निर्देश के पीछे उसके तत्कालीन अध्यक्ष जस्टिस एके गोयल की यह तीखी टिप्पणी भी है कि जो अनजान, भोले श्रद्धालु बहुत आदर भाव से गंगाजल में नहाते हैं व उसे पीते हैं, वे इससे होने वाले स्वास्थ्य के खतरों से अनभिज्ञ होते हैं। अब आवश्यकता है कि धूम्रपान के खतरों से बचाने के लिए सिगरेट के पैकेटों पर छपी चेतावनियों की ही तरह गंगाजल के उपयोग के खतरों की चेतावनियां देकर आमजन के जीवन के अधिकार को सुरक्षित किया जाये। तब गंगा सफाई के राष्ट्रीय मिशन और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड% को भी दो सप्ताहों के भीतर अपनी-अपनी वेबसाइटों पर प्रमुखता से यह दिखाने के लिए कहा गया था कि किन-किन स्थानों पर गंगाजल नहाने व पीने के लिए ठीक है, कहां नहीं।कुंभ समाप्ति के बाद भी नदी जल की शुद्धता सवालों के घेरे में रही है, किन्तु ऐसा भी नहीं है कि नदियों, सरोवरों के प्रदूषित होने की चेतावनियों के बाद आस्थावान इनमें डुबकी न लगायें या आचमन करने का जोखिम न उठायें। खतरनाक प्रदूषित यमुना में डुबकी लगाने व आचमन करने का जोखिम श्रद्धालु निरंतर सालों से उठा रहे हैं। दिल्ली में ही छठ पूजा में महिलायें यमुना के झाग में नहा रही थीं। इसकी तस्वीरें दिखाकर दिल्ली के मुख्य सचिव को काफी कुछ सुनाया भी गया था। आस्था बहुत बड़ी बात है इसीलिये कहीं भी धार्मिक पर्वों व अनुष्ठानों में डुबकी लगाने की चुनौती देना बहुत अर्थ नहीं रखता है।

यमुना की राह में पड़ने वाले हर नगर की कहानी व समस्या एक जैसी है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट (एसटीपी) क्षमता भर काम नहीं करते हैं। नगरों, महानगरों, गांवों, कस्बों में जितना अपशिष्ट पैदा होता है वह सब एसटीपी में नहीं पहुंचता। प्रयागराज में ही महाकुंभ के पहले 81 नालों से करीब 290 मिलियन लीटर अपशिष्ट प्रतिदिन बहता था, किन्तु इसका केवल 178 मिलियन लीटर प्रतिदिन दस एसटीपी में जाता था। 81 में से 44 नाले गंगा में 74 मिलियन लीटर सीवरेज डाल रहे थे। यह यमुना की अस्मिता को चोट पहुंचाना ही हुआ।गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियों से हमारा व्यवहार अमानवीय है, इसकी ही स्वीकारोक्ति नैनीताल हाईकोर्ट के 20 मार्च 2017 के एक ऐतिहासिक आदेश में की गई थी। अदालत ने कहा था कि गंगा, यमुना को जीवित मानकर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी कतिपय अधिकारियों को दी जाय। हालांकि इस आदेश के विरूद्ध केन्द्र सरकार सर्वोच्च न्यायालय में गई और पहले तात्कालिक रूप से आदेश स्थगित किया गया व बाद में निरस्त कर दिया गया।

प्रयागराज के पूर्णकुंभ में यमुनोत्री से शुरू हुई पावन यमुना के कष्टों को कम करने का ईमानदार संकल्प संगम तट पर पहुंचा हर श्रद्धालु ले लेता तो यमुना का रूग्ण, मृतप्राय होना कुछ कम होता। कई मुख्यमंत्री, राज्यपाल, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री व राष्ट्रपति महाकुंभ में डुबकी लगाने पहुंचे थे। आलीशान शिविर संचालित करने वाले मठाधीशों की संख्या भी कम नहीं थी।

अब भी केवल आरतियों के मंहगे तमाशों से बाहर निकलकर वे ही ठोस कुछ करने लगें तो कम न होगा। यमुना की वेदनामयी हालत देखकर तो यही लगता है कि जगह-जगह, चाहे पूर्वोत्तर हो या मध्यप्रदेश, नमामि गंगा के बाद विभिन्न राज्यों में अपनी-अपनी नदियों को नमामि कहना औपचारिकता भर है।इस महाकुंभ के बाद वैज्ञानिकों द्वारा पारिस्थितिकीय आंकलन होना चाहिये कि दो महिनों से ज्यादा समय में तैयारियां, जिसमें पैतालीस दिनों तक करोड़ों लोगों का आना-जाना, वाहनों का चलना, तम्बुओं के लगने से यदि पारिस्थितिकीय हानि हुई है तो उसकी भरपाई के लिये क्या परियोजनायें चलाई जानी चाहिये। याद करें, 11-13 मार्च 2016 में श्री श्री रविशंकर के आर्ट ऑफ लिविंग का विश्व-सम्मेलन दिल्ली में यमुना के किनारे हुआ था उससे यमुना तट पर हुये नुकसान के लिये%एनजीटी को विशेषज्ञ समिति ने बताया था कि बर्बाद तट के पुनर्वास पर लगभग 13 करोड़ 29 लाख रूपये और कम-से-कम दस साल लगेंगे।

संपादकीय

बड़ी कूटनीतिक जीत

लगभग डेढ़ दशक के प्रयासों के बाद, देश को दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए। भारतीय खुफिया एजेंसियां से यदि इस बड़ी साजिश की कड़ियां सही तरह से जोड़ पायी तो आतंकवाद की उर्वरा भूमि बने पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सकेगा। यही वजह है कि 26/11 के दहला देने वाले मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के रास्ते अवरोध खड़े करने में प्रत्यक्ष-परोक्ष तौर पर पाक समर्थकों द्वारा कोशिशें की गई। वे सारे कानूनी उपाय अपनाए गए जो राणा का प्रत्यर्पण रोक सकते थे। बहरहाल, इस प्रत्यर्पण से उन शहीदों के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, जिनकी इस आतंकी हमले में मृत्यु हुई थी। अब तक उनके परिजनों को इस बात का मलाल था कि सोलह साल बाद भी सभी अपराधियों को सजा नहीं मिली सकी है। साथ ही राणा की पूछताछ से होने वाले खुलासों से आतंकवाद की पाठशाला बने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के प्रयासों को भी बल मिलेगा। निश्चित रूप से तहव्वुर राणा के खिलाफ भारतीय कानून व न्याय व्यवस्था के मानकों के अनुरूप ही कार्रवाई होगी। साथ ही अजमल कसाब की तरह उसकी अपनी बात कहने को कानूनी मदद भी दी जाएगी।

हालांकि, अब तक पाकिस्तान मुंबई आतंकी हमले में अपना हाथ होने से लगातार इनकार करता रहा है, लेकिन सभी प्राथमिक सूचनाएं और ठोस सबूत पाक की तरफ इशारा करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वह अपनी धरती पर कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के बड़े गुर्गों को संरक्षण देकर उनका बचाव करता रहा है। ऐसे में हमारी जांच एजेंसियों के अधिकारी तहव्वुर राणा से सख्त पूछताछ से सच्चाई सामने लाने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही ठोस निष्कर्षों के आधार पर पाकिस्तान पर दबाव बना सकता है कि वह अपनी जमीन आतंकवादियों को पालने-पोसने में इस्तेमाल न होने दे। इसके अलावा आतंकी संगठनों पर पर्याप्त दबाव बनाए, ताकि फिर मानवता के खिलाफ मुबई हमले जैसे घटनाक्रम न दोहराए जा सकें। बहरहाल, तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण पाकिस्तान तथा दूसरे देशों में भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे लोगों व संगठनों के लिये साफ संदेश गया है कि इंसानियत के दुश्मन दुनिया के किसी भी कोने में कानून की ओट में बच नहीं सकते। साथ ही पाकिस्तान को आईना दिखा दिया गया है ज तहव्वुर राणा को कनाडा का नागरिक बताकर अपन जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा था निश्चित रूप से इस सफलता में भारत के राजनीतिक कूटनीतिक प्रयासों की भी बड़ी भूमिका रही है। भारती अधिकारियों ने इस दिन के लिये कड़ी मेहनत की हालांकि, अभी इस रहस्य से पर्दा उठना बाकी है कि अमेरिका ने क्यों अपने नागरिक डेविड कोलमैन हेडल को भारत को सौंपने से परहेज किया। जबकि उसने इ बड़े अपराध में बड़ी भूमिका निभाई थी। हेडली व राण आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकी संगठनों पाक खुफिया एजेंसियों के संपर्क में लगातार बने रहे थे बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए की तहव्वुर राणा कड़ी पूछताछ के बाद भारतीय एजेंसियां मुंबई हमले इस्लामाबाद की भूमिका, पाक सत्ता प्रतिष्ठानों व करतूतों,आईएसआई के नेटवर्क व आतंकी संगठनों क दी जाने वाली आर्थिक मदद की हकीकत देश-दुनिया के सामने ला सकेंगी।

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक अनाज जरूरी

जन स्वास्थ्य सहयोग के डॉक्टरों का मानना है कि बीमारी का संबंध कुपोषण से है। खाने की कमी से है। एक व्यक्ति के स्वास्थ्य और विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। पोषण का संबंध खेती से है। इसलिए स्वास्थ्य की स्थिति सुधारने के लिए कृषि कार्यक्रम चला रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के एक छोटे कस्बे गनियारी में कांग, कोसरा, कुटकी और मड़िया की फसलें हवा में लहलहा रही हैं। कांग के हरे पौधे में सुनहरी लम्बी बालियां मोह रही हैं। कोसरा में मोतियों की तरह दाने हैं। मड़िया की बालियां किसी गुड़िया की चोटियों की तरह खड़ी हैं। लेकिन यह बारिश की फसल नहीं, गर्मी की फसल है। आज इस कॉलम में पौष्टिक अनाजों की चर्चा करें, जो पूरी तरह जैविक हैं, और सेहत के लिए भी अच्छे हैं।

हाल ही मैं यहां अप्रैल के पहले हफ्ते में गया था। यह जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था का खेत था। खेत में लहलहाती फसल को बहुत देर तक देखते ही रहा। हरे-भरे खेत थे और बालियां दानों से भरी थीं। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था वैसे तो स्वास्थ्य पर काम करती है, लेकिन सिर्फ इलाज ही नहीं, रोगों की रोकथाम पर ध्यान देती है।

इस संस्था में प्रायः जाता रहता हूं। एक तो यहां कम कीमत में अच्छा इलाज होता है, दूसरा यहां स्वास्थ्य को समग्रता से देखा जाता है। संस्था ने कृषि कार्यक्रम, पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित किया है। आयुर्वेद चिकित्सा से भी इलाज की व्यवस्था की है। यह सब मुझे प्रभावित करते हैं।आगे बढ़ने से पहले संस्था के बारे संक्षिप्त में जानना उचित होगा। जन स्वास्थ्य सहयोग (जेएसएस) स्वास्थ्य पर काम करने वाली गैर सरकारी संस्था है,जो यहां वर्ष 1999 से कार्यरत है। स्वास्थ्य की मौजूदा हालत से चिंतित होकर दिल्ली के कुछ मेधावी डाक्टरों ने इसकी शुरूआत की थी। जन स्वास्थ्य सहयोग केन्द्र, बिलासपुर से 20 किलोमीटर दूर गनियारी में स्थित है।संस्था के कार्यकर्ता बताते हैं कि ग्रीष्मकाल में पौष्टिक अनाज की खेती का प्रयोग साल 2014-15 से चल रहा है। यह पूरी तरह जैविक है, रासायनिक खादों का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं किया जाता है। पहले इन अनाजों का थरहा डाला जाता है, उसके बाद रोपाई के बाद निंदाई-गुड़ाई की जाती है। और फसल पक जाती हैं।

बिलासपुर जिले का यह इलाका अचानकमार के जंगल से लगा है। अन्य जातियों के अलावा गोंड और बैगा आदिवासी यहां के बाशिन्दे हैं। बैगाओं की पहचान उनकी बेंवर खेती (झूम खेती और अंग्रेजी में इसे शिफ्टिंग कल्टीवेशन कहते हैं) से होती है, जिसमें वे कई तरह के अनाज एक साथ होते थे। इसमें अनाज के साथ दालें भी होती थीं। यह खेती

संतुलित व पर्याप्त भोजन देने में सक्षम थी।

जन स्वास्थ्य सहयोग के डॉक्टरों का मानना है कि बीमारी का संबंध कुपोषण से है। खाने की कमी से है। एक व्यक्ति के स्वास्थ्य और विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। पोषण का संबंध खेती से है। इसलिए स्वास्थ्य की स्थिति सुधारने के लिए कृषि कार्यक्रम चला रहे हैं।

इस कृषि कार्यक्रम के दो हिस्से हैं। एक तो जन स्वास्थ्य सहयोग की जमीन पर विविध देसी बीजों की फसलें उगाना, उनकी जानकारी एकत्र करना, उन्हें संरक्षित करना, देसी बीज और उनकी जानकारी किसानों तक पहुंचाना। और दूसरा, किसानों के साथ मिलकर उनको जैविक खेती से जोड़ना, खेती के वैकल्पिक प्रयोग करना, कार्यशालाओं, बैठकों और कृषि प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों तक यह जानकारी पहुंचाना और उन्हें जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करना। खास बात यह है कि यहां जो भी फसलें उगाई जाती हैं, पूरी तरह बिना रासायनिक खाद के और जैविक तरीके से उगाई जाती हैं। मिट्टी-पानी के संरक्षण के साथ बोई जाती हैं।

जन स्वास्थ्य सहयोग का समृद्ध देसी बीज बैंक है। उसमें धान के 425, गेहूं 16, मड़िया (रागी) की 6 और सेमी की 9 किस्में हैं। इसके अलावा, बैंगन, भिंडी, दलहन, तिलहन, अलसी, तिली, सेमी की देसी किस्में हैं। विविध धान किस्मों में महीन, सुगंधित, भूरी, हरी, काली और लाल चावल शामिल हैं। इनमें जल्दी पकने वाली और देर से पकने वाली किस्में शामिल हैं।होमप्रकाश साहू कहते हैं इस साल खेत में प्रयोग किया और श्री पद्धति से बुआई की गई। इसमें बीज की मात्रा कम लगती है और खेत में पानी भरकर भी नहीं रखा जाता, जिससे पौधे को अच्छी हवा, प्रकाश और भरपूर ऊर्जा मिलती है और पैदावार अच्छी होती है। इस पद्धति को मेडागास्कर पद्धति के नाम से भी जाना जाता है। यह प्रयोग गर्मी में इसलिए किया गया क्योंकि बारिश में ज्यादा पानी में ये फसलें सड़ जाती हैं, इन्हें कम पानी की जरूरत है।विशेषकर, यह पौष्टिक फसलें इसलिए भी उपयोगी है, क्योंकि छत्तीसगढ़ में अब गर्मी में धान की फसल लेने का प्रचलन शुरू हुआ है,जो ज्यादा पानी मांगती है। भूजल का अत्यधिक दोहन होता है। पानी की बर्बादी होती है। इससे भूजल लगातार नीचे जा रहा है। यह फसलें कम पानी वाली हैं और गर्मी के धान का बेहतर विकल्प हैं।

होमप्रकाश साहू आगे कहते हैं कि हमारे ये पौष्टिक अनाज लोगों को पोषणयुक्त भोजन देंगे, जो गर्मी में कम पानी में पक जाते हैं। इनमें सब्जी की तरह ही पानी चाहिए। धान की तरह खेतों में पानी भरकर रखने की जरूरत नहीं हैं। जंगल और ग्रामीण इलाकों में पोषण की बहुत कमी है। यह बहुत ही पौष्टिक फसलें हैं, इनमें लौह तत्व, कैल्शियम,रेशे सभी पोषक तत्व होते हैं। कई बीमारियों से बचाव करते हैं। अब तो डॉक्टर भी पौष्टिक अनाजों को खाने की सिफारिश करते हैं, खान-पान में विविधता सेहत के लिए अच्छी मानी जाती है।कोटा विकासखंड के सरईपाली गांव के धामसिंह मरावी ने मड़िया की खेती की है। यहां मुझे संस्था के पशु स्वास्थ्य कार्यक्रम के महेश शर्मा लेकर गए थे। धामसिंह ने खेती के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हालांकि मड़िया रोपाई में थोड़ी देर हुई, पर फसल अच्छी है। अगले वर्ष इसका ख्याल रखा जाएगा। धामसिंह के खेत को मैंने भी देखा, इसकी रखवाली के लिए मचान बनाया गया है। मचान से पूरा खेत दिखता है, घर के बुजुर्ग खेतों की रखवाली करते हैं। इसी प्रकार, झींगटपुर के गिरधारीलाल पोरते ने भी मड़िया की खेती की है।धामसिंह मरावी, संस्था के पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं, जो आसपास के गांवों के पशुओं का इलाज करते हैं। उन्होंने बताया कि पशुओं में कमी आ रही है, लेकिन संस्था के प्रयासों से पशुओं का इलाज किया जाता है। यह स्थायी आजीविका का अच्छा स्रोत है, और खेतों में गोबर की जैविक खाद से उर्वरता भी बढ़ती है। यह पारंपरिक खेती का जाना माना तरीका है।छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। धान ही यहां की प्रमुख फसल है, जो बारिश की फसल है। लेकिन कम पानी में विविध पौष्टिक अनाज भी हो सकते हैं, यह जन स्वास्थ्य सहयोग के प्रयोग ने दिखाया है। जन स्वास्थ्य सहयोग की जैविक खेती का प्रयोग किसानों में आकर्षण का केन्द्र है। यहां किसान, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण खेतों की फसलें देखने, देसी बीज लेने और कृषि विधियों की जानकारी लेने के लिए आते रहते हैं। कृषि प्रदर्शनी, अस्पताल के मुख्य द्वार पर प्रायः लगी रहती है, जहां बीज और उनकी जानकारी उपलब्ध होती है।

कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि ऐसे ही प्रयोगों से मिट्टी पानी के संरक्षण वाली देसी खेती बचेगी, लुप्त हो रहे देसी बीज बचेंगे, छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति बचेगी, खाद्य सुरक्षा होगी, जैव विविधता भी बचेगी और लोगों को भी पोषणयुक्त भोजन मिलेगा। लेकिन क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

सलवार का इंडो-वेस्टर्न टच

आप इंडो-वेस्टर्न टच कैरी करना चाहती है तो सलवार के साथ पा सकती है स्टाइलिश लुक। कुछ खास डिजाइंस पर कानपुर के एक्सपर्ट्स की नजर..

सलवार ट्रेडिशनल आउटफिट होने के साथ ही अब और भी स्टाइलिश और ट्रेंडी हो गई है। गर्ल्स के पास सलवार के एक या दो नहीं, कई डिजाइंस कैरी करने के ऑप्शंस है। इन्हे आप इंडियन के साथ इंडो-वेस्टर्न स्टाइल में भी कैरी कर सकती है।

पटियाला का टशन

फैसकॉस फैशन डिजाइनिंग इंस्टीटयूट की निदेशक रंजना पांडेय बताती है, पटियाला सलवार कंपलीट पंजाबी कुड़ी का लुक देता है। यह काफी घेर वाली लेयर्ड होती है और हर तरह की फैब्रिक के लिए सूटेबल भी। इसके साथ नीलेंथ कुर्ती बहुत फबती है। इसके साथ दुपट्टा कैरी कर सकती है लेकिन कैजुअल लुक चाहती है तो दुपट्टा अवॉइड करना ठीक रहेगा।

जोधपुरी का जलवा

फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल बताती है, इसकी मोहरी ज्यादा चौड़ी नहीं होती और यह काफी घेरदार होती है। इसके प्लेन और प्रिंटेड दोनों ही डिजाइंस स्टाइलिश दिखते है। सलवार अगर प्लेन कैरी करे तो कुर्ती प्रिंटेड पहनें। यह कंपलीट ट्रेडिशनल लुक देती है इसलिए इसके साथ मैचिंग की चूड़ियां जरूर पहनें।

हेरम के रंग

जेडी फैशन डिजाइनिंग इंस्टीटयूट की निदेशक डॉ. आशा सिंह बताती है, हेरम सलवार ऊपर से काफी लूज और नीचे से नैरो होता है। इसे टॉप के साथ कैरी कर स्टाइलिश लुक पा सकती है। अगर भीड़ से जुदा दिखना चाहती है तो इसे शॉर्ट कुर्ती के साथ कैरी करे। हेरम एंकल पर खुली होती है इसलिए एंकलेट पहनकर मैचिंग जमा सकती है।

काउल की टॉप मैचिंग!

यूआईडी की फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी बताती है, काउल सलवार के साथ टॉप या फिर किसी तरह की कुर्ती को मैच कराकर पहन सकती है। यह पटियाला की तरह ही लेयर्ड होती है और एंकल्स पर थोड़ी खुली हुई। जब इसे टॉप के साथ पहनें तो वेस्ट पर लटकन वाली बेल्ट आजमाएं। इससे डिफरेंट लुक मिलेगा।

ऐसे दिखें फ्रेश

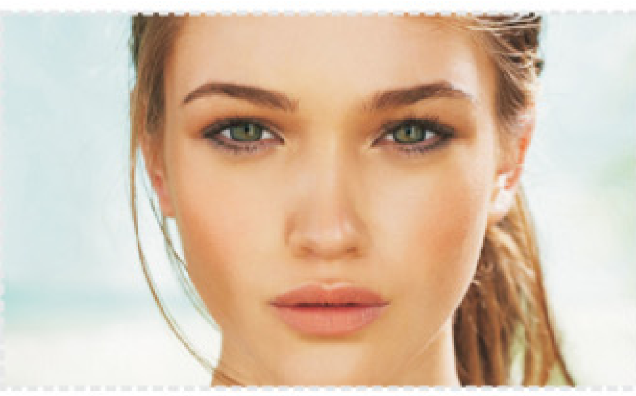

दिनभर तरोताजा रहने के लिए पिपरमेंट बाथ ऑयल या लेमन बाथ ऑयल की दो-तीन बूंदें टब में डालें फिर स्नान करें। आप चाहें तो स्नान करने के कुछ समय पहले बाल्टी या टब में गुलाब की पत्तियां भी डाल सकती हैं। इसकी भीनी-भीनी खुश्बू आपको दिनभर तरोताजा रखेगी।

डीप क्लेंजिंग ट्रीटमेंट के लिए मिक्स करें समान मात्रा में मिल्क पाउडर, लेमन जूस व शहद। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी में अंगुलियों को भिगोकर धीरे-धीरे गोल-गोल [क्लॉक वाइज] छुड़ाना शुरू करें। बाद में ताजे पानी से चेहरा धोकर थोड़ा सा गुलाबजल लगा लें।

सूर्य की नुकसानदेह अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनस्क्रीन लोशन या क्रीम लगाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बात याद रखें कि सनस्क्रीन लोशन या क्रीम का प्रयोग हर तीन-चार घंटे के अंतराल पर अवश्य करती रहें। तभी इसका सही फायदा मिल सकता है।

त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का एंटी टैन मॉइश्चराइजिंग लोशन लगाएं। इसके अलावा खीरे का ठंडा रस या ठंडे खीरे को काटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने त्वचा तरोताजा नजर आएगी।

बेजान और रूखी हो गई त्वचा में नई जान डालने के लिए आप सारा का थ्री इन वन फेसवाश इस्तेमाल करें। यह स्क्रब, पैक और फेसवाश तीनों का काम एक साथ करेगा अर्थात आपको तीनों का लाभ देगा।

मृत त्वचा को हटाने के लिए ताजा पपीता और ठंडे दही को मिक्स करके रोजाना चेहरा साफ करें। त्वचा में जान आएगी।

झटपट फेस लिफ्ट कराने के लिए चावल को भिगोकर इसका पेस्ट बनाएं। फिर इसे शहद में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ पानी से चेहरा धो लें। आप एकदम से फेश लिफ्टिंग महसूस करेंगी।

कुछ ही सेकंड में चेहरे पर ताजगी लाने के लिए गुलाब जल स्प्रे का इस्तेमाल करें। गुणों से भरपूर यह स्प्रे आपको ताजगी का एहसास तो देगा ही। साथ ही चेहरे को नमी भी प्रदान करेगा।

रूखे हाथों को कोमल और सुंदर बनाने के लिए चीनी और शहद को मिक्स करके हाथों की स्क्रबिंग करें। बाद में साफ पानी से हाथों को साफ करें।

पसंद आ रहे है स्टाइलिश पेंडेंट

मार्केट वॉच

स्टाइलिश लुक के लिए हमेशा ही कुछ नए की तलाश में रहने वाली गर्ल्स के बीच पेंडेंट्स का चलन बढ़ रहा है। गर्ल्स की इसी चाहत के चलते शहर की जूलैरि व गिफ्ट शॉप्स में पेंडेंट्स की कई नई वैरायटियां उपलब्ध हैं।

जंक पेंडेंट

इस समय जंक पेंडेंट अपने डल और सोबर कलर से गर्ल्स को खूब आकर्षित कर रहे है। कॉपर के ब्राउन, ब्लैक और यलो जैसे डल शेड्स के पेंडेंट अट्रैक्टिव लुक देते है। इन पेंडेंट को डिफरेंट लुक देने के लिए कॉपर चेन या पर्ल सेट का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

व्हाइट मेटल पेंडेंट

फैशन डिजाइनर तरु सेठ कहती है, व्हाइट मेटल पेंडेंट आपको हर डिजाइन व शेप में मार्केट में मिल जाएंगे, किस तरह का पेंडेंट आप पर जंचेगा यह तो आपकी ड्रेस पर ही डिपेंड करेगा। यह पेंडेंट आप थ्रेड चेन में पहन सकती है। सफेद चमकदार होने के कारण यह हर तरह से आपको सोबर लुक देगा।

ब्लैक मेटल पेंडेंट

काकादेव स्थित गिफ्ट शॉपी के संचालक आशीष सिंह बताते है, इन पेंडेंट की खासियत होती है कि यह हर तरह की चेन पर फिट हो जाते है। इन्हें अधिक स्टाइलिश लुक देने के लिए इनमें कई चेन डाल कर भी पहना जा सकता है। यह डिफरेंट शेप में और हर साइज में अच्छा लगता है।

बीड एंड पर्ल पेंडेंट

लार्ज सिंगल बीड और क्रिस्टल बॉल वाले पेंडेंट भी यूनीक स्टाइल में उपलब्ध है। फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी बताती है, यह जींस टॉप और सलवार सूट दोनों पर परफेक्ट लगता है। इन पेंडेंट को डिफरेंट लुक देती है इनके साथ अटैच मोती व क्रिस्टल की माला। अगर आप भारी-भरकम जूलैरि को किनारे कर कुछ सिंपल और गार्जियस लुक चाहती है तो हार्ट शेप स्वरोस्की पेंडेंट्स बेहतर विकल्प साबित हो सकते है। बस इसके लिए जरूरत है मार्केट में उपलब्ध रेज में अपने लिए उचित पेंडेट्स का चयन।

हॉट है पोलका डॉट

फैशन में पोलका डॉट हिट है। इन्हे कैरी कर पा सकती है वेस्टर्न व एथनिक लुक, बता रही है कानपुर की कुछ फैशन एक्सपर्ट..

रट्रो फैशन से पोलका डॉट की फिर वापसी हुई है। डिजाइनर कलेक्शस से लेकर कूल कैजुअल्स तक में पोलका के ढेरों अंदाज देखने को मिल रहे है। ड्रेसेज के अलावा इन दिनों बैग्स, शूज, बेल्ट, स्कार्फ और सॉक्स तक में पोलका डॉट्स छाए हुए हैं।

ओकेजन के हिसाब से चयन

फैसकॉस फैशन डिजाइनिंग इंस्टीट्यूट की निदेशक रंजना पांडेय कहती है, हर बॉडी टाइप को सूट करने वाले इस ट्रेंड को कैरी करने के लिए आपको थोड़ा केयरफुल रहने की भी जरूरत है। पोलका डॉट्स ट्रेंड में है लेकिन स्टाइलिश दिखने के लिए ड्रेस के कट्स पर ध्यान देना भी जरूरी है। इसकी हर ड्रेस अलग लुक देती है इसलिए अकेजन के मुताबिक ही इसे कैरी करे।

कलर्स का रखें ध्यान

फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल कहती हैं, ब्लैक और वाइट पोलका हमेशा ट्रेंड में रहता है। दिन में ब्राइट व पेस्टल कलर के पोलका और रात को डीप कलर वाले पोलका अच्छे लगते हैं। डीप कलर में इन दिनों बॉटल ग्रीन, यलो, नेवी ब्लू, चॉकलेट ब्राउन, ब्लैक जैसे कलर्स आप ट्राय कर सकती हैं।

साड़ी में अट्रैक्शन

पोलका डॉट की बयार ड्रेस से लेकर साड़ी तक में देखी जा सकती है। साड़ियों के पल्ले व किनारियों में आप इन प्रिंट्स को कई तरह के डिजाइंस में देख सकती हैं। फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी कहती है, पोलका डॉट से साड़ी भी मॉडर्न ड्रेस में शुमार हो जाती है। इसे आप हर तरह की पार्टी में कैरी कर सकती है।

कुर्तियां हुई स्टाइलिश

फैशन एक्सपर्ट कविता जोतवानी कहती है, इन दिनों कॉटन की कुर्तियों में पोलका डॉट्स प्रिंट खास बने हुए हैं। खास ओकेजन के लिए इनमें हैवी वर्क, एम्ब्रॉयडरी, सितारे , गोटा और पैच वर्क किया गया है। पोलका डॉट्स कुर्तियों में ग?र्ल्स घेरदार, अनारकली, ए लाइन व स्ट्रेट को अधिक पसंद कर रही हैं। ऑफिस गोइंग गर्ल्स में भी इन दिनों इस लुक को एडॉप्ट करने में खासा इंट्रेस्ट दिख रहा है। एक निजी कंपनी में कार्यरत नीतू त्रिवेदी कहती है,कॉलेज जाना हो या ऑफिस, गर्ल्स के बीच जींस सदाबहार रहती है। जींस के साथ अगर पोलका डॉट टॉप पहनी जाए तो ड्रेस का डिफरेंट लुक आता है। कुछ चेंज चाहिए तो प्रयोग भी करने होंगे।

चिकनपॉक्स खुजली से राहत पाने के लिए अपनाएं ये तरीके

चिकनपॉक्स (चेचक) की बीमारी में शरीर पर दाने निकल आते हैं। इसके साथ ही बुखार भी रहता है। इस दौरान चिकनपॉक्स से पीड़ित को बहुत दर्द भी होता है। चिकनपॉक्स का अभी सीधा इलाज तक नहीं आया है, लेकिन इसका वैक्सीन जरूर उपलब्ध होता है। वैसे, चिकनपॉक्स अपने आप ही एक से दो सप्ताह में ठीक होने लगता है। चिकनपॉक्स में शरीर पर निकले दानों में खुजली होती है। इस खुजली से निजात पाने के लिए आप इन उपायों को इस्तेमाल कर सकते हैं।

उपाय

- जिस किसी को भी चिकनपॉक्स हुआ हो, उसे हाथों में मोजे पहनकर सोना चाहिए, जिससे कि रात में अनजाने में खुजली करते समय दानों में खरोंच न लगे। रात में इस बात का अहसास नहीं होता है कि आप अपने शरीर को खुजली कर रहे हैं। इसके अलावा नाखूनों को बड़ा न होने दें। बड़े नाखून से खुजली से आपको इंफेक्शन हो सकता है।
- चिकनपॉक्स की खुजली से छुटकारा पाने के लिए नीम एक अच्छा विकल्प होता है। नहाने के समय बाल्टी के पानी में नीम की पत्ती डालें। नीम की पत्ती में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरस गुण पाए जाते हैं। इसके साथ ही नीम की पत्ती संक्रमण को भी रोकती है।
- स्नान करने के लिए, एक बाल्टी पानी में कुछ नीम के पत्ते डालें और फिर अपने ऊपर पानी डालें। नीम के पत्तों में शक्तिशाली जीवाणुरोधी और एंटीवायरस गुण होते हैं, जो चकत्ते के त्वरित उपचार को बढ़ावा दे सकते हैं और संक्रमण को रोक सकते हैं। आप गर्म पानी में दलिया भी डाल सकते हैं और स्नान के लिए उस पानी का उपयोग कर सकते हैं।
- गर्म पानी में ओटमील मिलाकर भी चिकनपॉक्स की खुजली दूर कर सकते हैं। इसके अलावा नमक का पानी चिकनपॉक्स में होने वाली खुजली मिटाने में बहुत मदद करता है।
- अगर बहुत ज्यादा खुजली हो रही है और बिना खुजली किए आप रह नहीं सकते तो नीम के पेड़ छोटी टहनी से खुजली वाली जगह पर धीरे से ब्रश करें। इससे आपको राहत मिलेगी। एक बात याद रखें कि ब्रश करने से पहले नीम की टहनियों को गर्म पानी से धो लें, ताकि आपको कोई नुकसान न पहुंचे।

गर्मियों में मेकअप के दौरान इन तीन चीजों से करें तौबा

गर्मियों में स्किन के लिए जितनी देखभाल की जरूरत है, उतनी ही ऐहतियात मेकअप करते वक्त बरतने की भी है। गर्मियों में स्किन इंफेक्शन के अलावा अन्य कई तरह की बीमारियां होने का खतरा रहता है। इसलिए जरूरी है कि मेकअप के दौरान भी आप सावधानी बरतें और यहां बताई जा रही तीन गलतियां भूलकर भी न करें।

एक्सपायरी डेट के बाद यूज न करें प्रॉडक्टस

सारे ब्यूटी प्रॉडक्टस एक निश्चित एक्सपायरी डेट के साथ आते हैं। उस डेट के बाद आपको उनका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। नहीं तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, पुराने एक्सपायर्ड मेकअप प्रॉडक्ट्स ऐसे बैक्टीरिया और विषैले तत्वों की जन्म स्थली बनते हैं, जो न सिर्फ आपके लुक बल्कि आपकी त्वचा को भी खराब करते हैं। कॉस्मैटिक्स को स्टोर करके रखने की आदत के कारण एलर्जी, त्वचा इंफेक्शन जैसी समस्याएं आपको घेर लेती हैं।

मेकअप ब्रश न करें दूसरों से शेयर

मेकअप ब्रश शेयर कभी भी न करें। मेकअप ब्रश शेयर करने से हमारी त्वचा पर फंगस, वायरस और कई तरह के बैक्टीरिया होते हैं जो मेकअप ब्रश यूज करने पर सीधे ब्रश में चले जाते हैं। अगर आप किसी दूसरे का मेकअप ब्रश शेयर करती हैं, तो वह सीधे आपकी स्किन पर आ जाएंगे। सारे मेकअप प्रॉडक्ट्स को एयरटाइट कंटेनर में पैक करके रखिए। बाथरूम या ड्रेसिंग टेबल पर खुले में दिखने वाले कॉस्मेटिक्स, ब्रश जिन पर हवा में तैरते जर्म्स आसानी से चिपक जाते हैं, वे सीधे आपकी स्किन पर जाने से रुक पाएंगे।

मेकअप बैलेंस करके न चलने से बढ़ती है परेशानी

मेकअप के दौरान एक बेसिक रूल हमेशा फॉलो करना चाहिए। आपका मेकअप ऐसा होना चाहिए, जो फेस को बैलेंस करें। उदाहरण के तौर पर, आंखों एवं लिप्स में से किसी एक को ही ज्यादा हाइलाइट करें, ताकि फेस बैलेंस हो जाए। अगर आप स्मोकी या लाउड आई मेकअप कर रही हैं तो लिपस्टिक शेड लाइट रखें। वहीं अगर लिपस्टिक कलर्स काफी ब्राइट एवं लाउड है, तो आई मेकअप मिनिमम होना चाहिए। जो महिलाएं ऐसा नहीं करती, उनका मेकअप एवं चेहरा देखने में काफी अजीब लगता है।

रेसिपी

कद्दू की बर्फी

- कद्दू : 1 कप
- घी : 4 टीस्पून
- चीनी: 200 ग्राम
- मावा: 200 ग्राम
- बादाम :1 टीस्पून (बारीक कटा)
- काजू:1 टीस्पून (बारीक कटा)
- पिस्ता: 1 टीस्पून (बारीक कटा)
- हरी इलायची: 4-5 छीलकर (कूटी हुई)

विधि

कद्दू की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले कद्दू को छीलकर साफ कर लें। फिर इसे कद्दूकस कर लें या फिर इसके छोटे छोटे टुकड़े कर लें। इसके बाद कड़ाही में घी डालकर गरम करें। फिर इसमें कद्दू डालकर धीमी आंच पर छह या सात मिनट तक पका लें। जब कद्दू अच्छे से पक जाए, तब इसमें चीनी डाले और लगातार चलाते हुए दो मिनट तक भून लें। अब इसमें और 2 टीस्पून घी डालें और एक मिनट तक भून लें, फिर इसमें मावा डालकर पांच मिनट तक लगातार चलाते हुए दो से तीन मिनट तक पका लें। अब गैस बंद कर दें और इसमें बादाम, पिस्ता, काजू और इलायची पाउडर डालकर मिक्स करें। अब एक थाली लें और उसमें घी लगाकर चिकना कर लें। फिर इसमें कद्दू का मिक्सचर डालकर चारों ओर फैला लें। इसे 1 घंटे तक जमने के लिए छोड़ दें। एक घंटे बाद चाकू से इसे छोटे टुकड़ों में काट कर सर्व करें।

ब्रेड कुल्फी

- 4 ब्रेड स्लाइस
- 1 लीटर दूध
- 2 बड़ा चम्मच चीनी
- 1 छोटा चम्मच वनिला एसेंस
- 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ काजू
- 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ बादाम
- 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ पिस्ता
- 1 बड़ा चम्मच मक्खन
- 1 छोटा चम्मच शहद

विधि

सबसे पहले मीडियम आंच में एक पैन में दूध उबालने के लिए रखें। पहला उबाल आने पर मक्खन, चीनी मिलाएं और दूध को तब तक उबालते रहें जब तक कि यह आधा न रह जाए। ब्रेड स्लाइस, बारीक कटे काजू, बादाम और पिस्ता मिलाएं। जब दूध पूरा गाढ़ा हो जाए तब आंच बंद कर दें और तैयार मिश्रण को ठंडा होने के लिए रख दें। वनिला एसेंस मिलाकर एक चम्मच से अच्छे से मिक्स कर लें। कुल्फी मिश्रण को कुल्फी मोल्ड में डालकर 6 से 7 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। तय समय के बाद ब्रेड कुल्फी तैयार है। शहद की टॉपिंग के साथ सर्व करें।

नोट- अगर आपके पास मोल्ड नहीं है तो आप किसी और बर्तन में भी कुल्फी जमने के लिए रख सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ौन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

काकुरो पहेली - 660

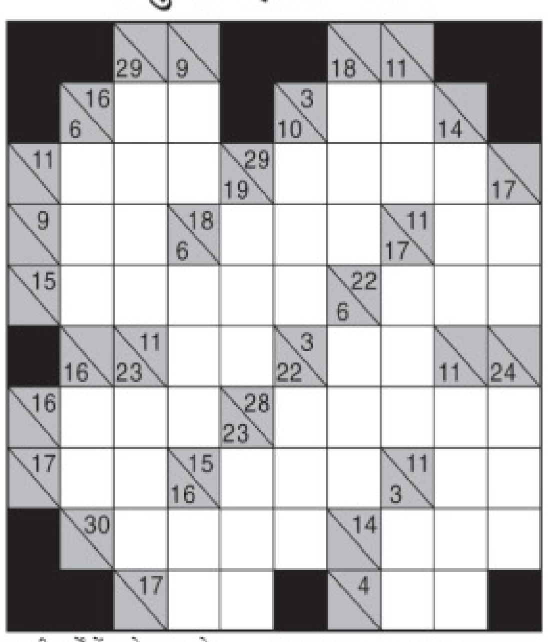

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

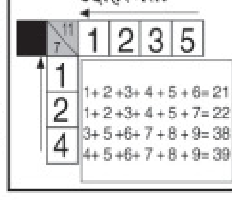

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 659 का हल

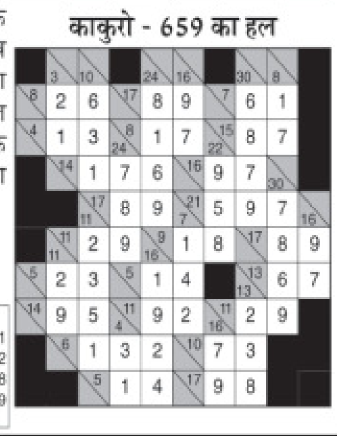

फिल्म वर्ग पहेली- 560

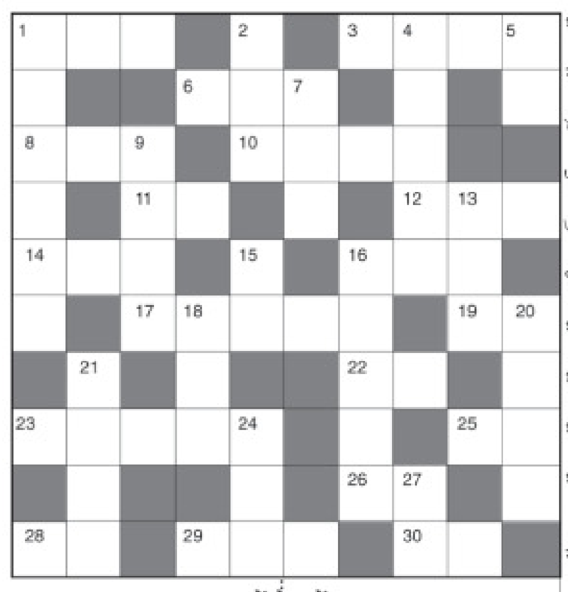

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिदा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, बिनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 559

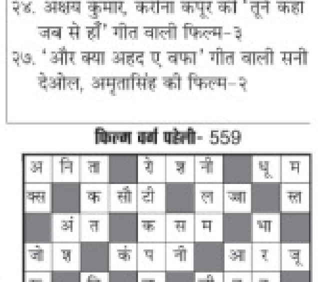

सूडोकु -660

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 659 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 660

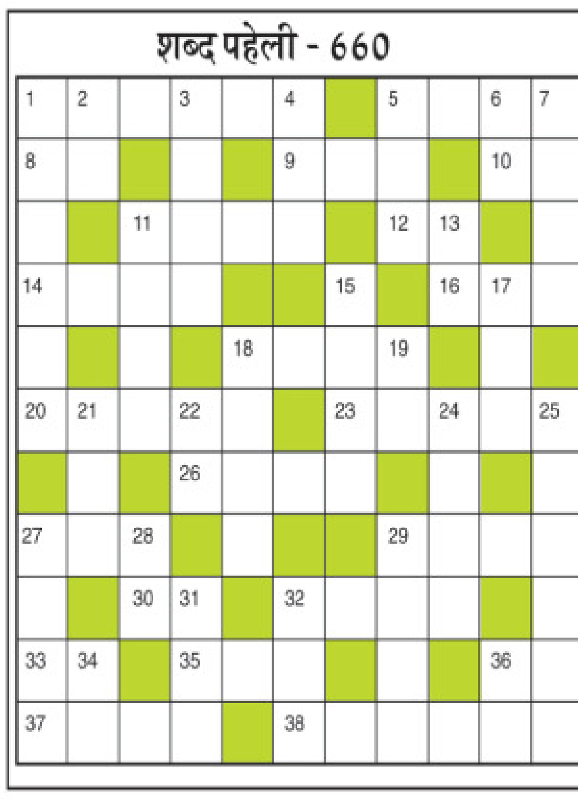

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -659 का हल

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा पर मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा क्षेत्र के इंद्रावती टाइगर रिजर्व के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन नक्सली को ढेर हो गए हैं। मुठभेड़ में अब तक तीन वर्दीधारी नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं द्य मुठभेड़ स्थल से बड़ी मात्रा में हथियार एवं विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ है।सर्चिंग के दौरान मौके से एक इंसास रायफल भी मिली है।बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि अभी तक तीन नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं। मृत नक्सलियों की पहचान की जा रही है। यह कार्रवाई सीआरपीएफ की 202 कोबरा और 210 कोबरा इकाइयों, राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की संयुक्त टीम द्वारा अंजाम दी गई।विस्तृत जानकारी जवानों की वापसी के बाद पृथक से जारी की जाएगी। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि दंतेवाड़ा-बीजापुर के सरहदी इलाके इंद्रावती टाइगर रिजर्व के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद सुरक्षाबलों और पुलिस के जवानों को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों दंतेवाड़ा-बीजापुर जिलों का यह संयुक्त ऑपरेशन है। मुठभेड़ में नक्सलियों को बहुत नुकसान हुआ है।

वक्फ संशोधन अधिनियम पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होगा: ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया वक्फ संशोधन अधिनियम राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। राज्य के कई जिलों में इस कानून को लेकर भड़की हिंसा के बीच उन्होंने यह बयान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है और इससे जुड़े सवाल भी उसी से पूछे जाने चाहिए। उन्होंने आम लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि राजनीति के लिए दंगे भड़काना समाज को नुकसान पहुंचाना है। इस कानून के खिलाफ राज्य के मालदा, मुर्शिदाबाद, दक्षिण 24 परगना और हुगली जिलों में हिंसक प्रदर्शन हुए थे। कई स्थानों पर सड़कों को जाम किया गया, पुलिस की गाड़ियों में आग लगाई गई और सुरक्षाबलों पर पथराव किया गया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि हम इस कानून का समर्थन नहीं करते और इसे पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दंगे भड़काने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने राजनीतिक दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ पार्टियां धर्म का दुरुपयोग कर राजनीति करना चाहती हैं।

प्रधानमंत्री ने संघ के वरिष्ठ प्रचारक हरीशभाई नायक के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक हरीशभाई नायक के निधन पर शोक व्यक्त किया। मोदी ने कहा कि सेवा गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि संघ के वरिष्ठ प्रचारक हरीशभाई नायक के निधन से दुःख हुआ। सेवा गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यों में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश को समर्पित कर दिया तथा उनकी मृत्यु के बाद उनकी इच्छानुसार उनका शरीर भावी पीढ़ी की शिक्षा के लिए दान कर दिया गया। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। हरीशभाई नायक का गुरुवार देर रात को निधन हो गया था। वे 85 वर्ष के थे। शुक्रवार सुबह 8 से 10 बजे तक उनकी पार्थिव देह को गुजरात के कर्णावती स्थित संघ कार्यालय डॉ. हेडगेवार भवन में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। इसके बाद उनकी पार्थिव देह को चिकित्सा अध्ययन के लिए दान कर दिया गया। उन्होंने देहदान का संकल्प लिया था। उनका जन्म मेहसाणा जिले के विसनगर में 18 दिसंबर 1940 को हुआ था। वे बाल्यकाल में ही संघ से जुड़ गए थे।

हंदवाड़ा दुर्घटना: एक और छात्रा की मौत, मृतकों की संख्या हुई दो

श्रीनगर। हंदवाड़ा बस दुर्घटना में एक और घायल छात्रा की मौत के बाद मृतक छात्राओं की संख्या दो हो गई, जबकि 22 अन्य छात्राएं घायल हैं। उधर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हंदवाड़ा के पास हुए दुखद हादसे में गर्ल्स डिग्री कालेज (जीडीसी) सोगाम की दो युवा होनहार छात्राओं की मौत एक ऐसी त्रासदी है, जिसका हम सभी पर गहरा असर पड़ा है। दुख की इस घड़ी में मैं उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रही है। संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि सभी आवश्यक चिकित्सा और रसद सहायता प्रदान की जाए। इस बीच कुपवाड़ा की डिप्टी कमिश्नर (डीसी) आयुषी सुदान ने वोधपोरा में दुखद बस दुर्घटना के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए सरकारी मेडीकल कालेज (जीएमसी) हंदवाड़ा का दौरा किया। यात्रा के दौरान डीसी ने घायल छात्राओं और अस्पताल के कर्मचारियों से बातचीत की और उन्हें जिला प्रशासन से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन पीड़ितों व उनके परिवारों के लिए सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री ने मप्र के मुख्यमंत्री की पहल 'सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य' की प्रस्तुति को सराहा

एजेंसी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में होने वाले तीन दिवसीय 'सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य' और इससे जुड़ी प्रदर्शनियों के आयोजन सराहना की है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा है, मुझे खुशी है कि मध्य प्रदेश के ऊर्जावान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य की गौरवगाथा और वैभव को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम के आयोजकों और इसमें हिस्सा ले रहे देश के कलाकारों को आयोजन की सफलता की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी

हैं। जनसंपर्क अधिकारी संदीप कपूर ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में लिखा है कि युगपुरुष सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल जनकल्याण, सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए जाना जाता है। वह भारत की न्यायप्रिय और लोक कल्याणकारी नेतृत्व परंपरा के प्रतीक थे। उन्होंने साहित्य, कला और विज्ञान को जिस रूप में प्रोत्साहित किया, वह आज भी हमारे लिए आदर्श है। उनके काल की 'विक्रम संवत' परंपरा आज भी भारतीय संस्कृति की पहचान है। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य और प्रदर्शनी का महत्व एक सांस्कृतिक आयोजन से कहीं अधिक है। इसका उद्देश्य हमारे इतिहास, हमारी जड़ों और हमारे आत्मबोध को एक उत्सव के रूप में मनाने का है। मुझे विश्वास है कि ऐसे आयोजनों से वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियां भारत के स्वर्णिम अतीत से परिचित होंगी और उससे प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में आगे बढ़ेंगी। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि सांस्कृतिक मूल्यों को आधार बनाकर, आधुनिकता और विरासत को साथ लेकर, इस अमृत काल में विकसित भारत की ओर अग्रसर राष्ट्र पर सभी को गर्व है।

राष्ट्रपति ने कथक गुरु कुमुदिनी लाखिया के निधन पर जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रसिद्ध भारतीय कथक नृत्यांगना और कोरियोग्राफर कुमुदिनी लाखिया के निधन पर दुख जताया। लाखिया का आज गुजरात में उनके आवास पर निधन हो गया। वह 95 वर्ष की थीं। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, प्रख्यात कथक नृत्यांगना कुमुदिनी लाखिया के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित लाखिया ने कदम्ब नृत्य केंद्र के माध्यम से कई छात्रों को प्रशिक्षित और मार्गदर्शन किया। उन्होंने अभिनव समकालीन व्याख्याओं के माध्यम से कथक नृत्य की प्रस्तुति को बदल दिया। प्रदर्शन कला के क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा संजोया जाएगा। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उल्लेखनीय है कि कुमुदिनी लाखिया का जन्म 17 मई 1930 को अहमदाबाद में हुआ था। वह एक सफल भारतीय कथक नर्तक और कोरियोग्राफर थीं। उन्होंने 1967

में अहमदाबाद में कदंब नृत्य एवं संगीत विद्यालय की स्थापना की, जो भारतीय नृत्य और संगीत को समर्पित एक संस्था है। उन्हें हाल ही में पद्म विभूषण से सम्मानित होने वाले लोगों की सूची में शामिल किया गया था। इससे पहले 2010 में उन्हें पद्म भूषण और 1987 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

उप्र के आगरा में करणी सेना ने की सपा सांसद के आवास पर कूच की कोशिश, तलवारें लहराई गईं

एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में करणी सेना की रक्त स्वाभिमान रैली में एक लाख से अधिक लोग पहुंचे हैं। युवाओं के हाथों में लाठी-डंडे और तलवार हैं। इस दौरान समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के बयान से भड़की करणी सेना ने तलवारें लहरा कर उग्र प्रदर्शन किया। सांसद के आवास की ओर कूच करने का प्रयास किया। यहां तक कि एक बैरियर को भी तोड़ दिया। इसके साथ ही हाई-वे पर जाम लगा दिया गया। इसे देखते हुए सभी चौराहों पर पुलिस बल तैनात कर दी गई है।

सांसद आवास और सपा कार्यालय को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। राज्यसभा में राणा सांगा पर सांसद सुमन द्वारा दिए विवादित बयान के बाद करणी सेना ने आगरा के गढ़ी रामी में रक्त स्वाभिमान सम्मेलन करने का ऐलान किया था। इसी के मद्देनजर आगरा के गढ़ी रामी में रक्त स्वाभिमान सम्मेलन को लेकर पुलिस प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने शुरू कर दिए थे। सुबह ही सम्मेलन में भाग लेने के लिए लोगों का आना जारी रहा। उधर पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेडिंग लगाकर

चौराहों पर भारी वाहन खड़े कर दिए गए, ताकि कोई भी प्रदर्शनकारी सपा सांसद के आवास की ओर न जा सके। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात कर दिए गए। रैली में आये लोग तलवार और लाठियां लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। स्वाभिमान सम्मेलन में क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने मंच से कहा कि सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान से क्षत्रियों ही नहीं बल्कि सनातन समाज को ठेस पहुंची है। माफी मांगने से काम नहीं चलने वाला है। रामजीलाल सुमन पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। राज्यसभा सदस्यता समाप्त की जानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ये मांगें पूरी नहीं हुईं तो करणी सेना सांसद के आवास कूच करेगी। इस ऐलान के बाद पुलिस ने सांसद के आवास के रास्ते पर किसी को जाने की अनुमति नहीं है। साथ ही चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात हैं।

पुरी में पार्टी विधायकों और सांसदों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

एजेंसी

पुरी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पुरी में पार्टी विधायकों और सांसदों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। कार्यक्रम में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, धर्मेंद्र प्रधान और अश्विनी वैष्णव, ओडिशा भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल और पार्टी के अधिकांश सांसद और विधायक शामिल हुए। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि पुरी में ओडिशा प्रांत भाजपा के सांसदों और विधायकों के 'प्रशिक्षण वर्ग' को संबोधित किया। संगठन के सतत विस्तार तथा जनसेवा के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है, हमारे कार्यकर्ता ज़मीनी स्तर पर संगठन की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने के लिए समर्पणभाव से कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में %विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने तथा डबल इंजन सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ आमजनों को दिलाने के लिए ओडिशा के सभी जनप्रतिनिधि कटिबद्ध हैं। किया जाएगा कि प्रतिभागियों को चुनाव से पहले पार्टी द्वारा लोगों से किए गए वादों की जानकारी मिले। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि सदस्यों को ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को

उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम 13 अप्रैल तक चलेगा। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वालों को संगठनात्मक कामकाज, शासन, वैचारिक स्पष्टता और लक्ष्य-उन्मुख निष्पादन पर कौशल प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में यह सुनिश्चित केंद्र और राज्य सरकार दोनों की उपलब्धियों से अवगत कराने के लिए कहा जाएगा। नड्डा शुक्रवार को ओडिशा पहुंचे और चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा किए गए वादे के अनुसार राज्य में आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ किया।

वक्फ संशोधन एक्ट विरोधी प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा में दो की मौत, मुर्शिदाबाद में हालात तनावपूर्ण

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ एक्ट के विरोध में हुए प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। शमशेरगंज इलाके में शुक्रवार रात शुरू हुई झड़पों के बाद दो लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने अब तक 118 लोगों को गिरफ्तार किया है।हिंसा के बाद जिले में तनाव का माहौल बना हुआ है। जंगीपुर क्षेत्र में प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आगजनी की और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। कई जगहों पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। पश्चिम बंगाल के कानून व्यवस्था के एडीजी जावेद शमीम ने इस बात की पुष्टि की कि मुर्शिदाबाद में दो लोगों की मौत हुई है। हालांकि गोली किसने चलाई इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बहुत हद तक संभव है कि बीएसएफ ने गोली चलाई है। उल्लेखनीय है कि मुर्शिदाबाद में जब पश्चिम बंगाल पुलिस हिंसा को संभालने में विफल रही तो बीएसएफ से मदद मांगी गई।

प्रधानमंत्री 24 को बिहार के लिए देंगे कई सौगातें : शिवराज

एजेंसी

पटना। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बिहार के विकास के लिए केंद्र सरकार लगातार राज्य सरकार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर विकास कार्यों को अमली जामा पहना रही है। केंद्र की मोदी सरकार ने बिहार को कई सौगात दी हैं। प्रधानमंत्री ी 24 अप्रैल को एक बार फिर बिहार आ रहे हैं, जो कि बिहार को तमाम सौगातें देंगे। वह सचिवालय सभागार में राजग घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आगामी 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस है और उस दिन एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार की जनता को अनेकों सौगात देने आ रहे हैं। पंचायती राज के चुने हुए प्रतिनिधियों का सम्मेलन तो होगा ही,साथ ही पूरा देश उससे जुड़ेगा। कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होगा। ग्रामीण विकास

विभाग की योजनाओं का लाभ भी बिहार की जनता को को मिलेगा। पिछले साल गरीबों को 7 लाख 90 हजार मकान पीएम आवास योजना के अंतर्गत लोगों को दिए गए थे। 5 लाख 20 हजार मकान जो बचे हुए थे वह भी दिए जाएंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के हाथों 5 लाख 20 हजार नए स्वीकृत मकानों का लाभ दिया जाएगा। जिस पर 8,000 करोड़ की लागत से मकान का निर्माण किया जाएगा। मधुबनी में लाखों की संख्या में लोग आएंगे, ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। बिहार सरकार के कामकाज की तारीख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य में ग्रामीण विकास योजना का बहुत ही बेहतर क्रियान्वयन हो रहा है। मैं बिहार सरकार को बधाई देता हूं, बिहार में 3 लाख से अधिक लखपति दीदी बन चुकी हैं। इसी वर्ष 20 लाख बनाने का लक्ष्य रखा गया हैउल्लेखनीय है कि राज्य के राजनीतिक परिदृश्य और मधुबनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा के लिए प्रदेश के सभी पांच घटक दलों (भाजपा-जदयू, लोजपा-आर, हम, रलोजपा) की बैठक आज बुलाई गई थी। बैठक में केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन उर्फ़ ललन सिंह, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल, दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा समेत घटक दलों के नेता मौजूद रहे। बैठक के बारे में पटना में मीडिया से बात करते हुए जदयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर मधुबनी आ रहे हैं।

वक्फ के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान रेलवे में तोड़फोड़ की शुभेंदु ने की एनआईए जांच की मांग, रेल मंत्री को लिखा पत्र

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में उग्र प्रदर्शनों के दौरान रेलवे संपत्ति में हुई तोड़फोड़ की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने की मांग की है। अधिकारी ने अपने पत्र में इस बात पर चिंता जताई कि मुर्शिदाबाद जिले में कई रेलवे स्टेशनों पर व्यापक स्तर पर हिंसा और तोड़फोड़ हुई है, जिसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। शुभेंदु अधिकारी ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि मुर्शिदाबाद जिला बांग्लादेश की सीमा से सटा हुआ है और इस क्षेत्र में हुई हिंसक घटनाओं की संवेदनशीलता को देखते हुए एनआईए जैसी विशेषज्ञ एजेंसी द्वारा जांच कराना जरूरी है। यदि इस

मामले की जांच एनआईए को सौंपी जाती है तो हिंसा के पीछे सक्रिय षड्यंत्रकारियों के चेहरे बेनकाब किए जा सकेंगे और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकेंगे। शुभेंदु अधिकारी ने केंद्र सरकार से मांग की है कि इस मामले की गहन जांच कराई जाए ताकि क्षेत्र में शांति बहाल की जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस रणनीति बनाई जा सके। उन्होंने शांति बहाली के लिए इलाके में सेना की तैनाती की भी मांग की है। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद जिले के धुलियानडांगा और निमतिता स्टेशनों के बीच वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने रेलवे पटरियों को बाधित किया और रेलवे संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया। इस हिंसक प्रदर्शन के चलते न्यू फरक्का-अजीमगंज सेक्शन में लगभग छह घंटे तक रेल सेवाएं प्रभावित रहीं। इस दौरान यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पश्चिम बंगाल पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (कानून व्यवस्था) जावेद शमीम ने बताया कि हिंसा पर काबू पाने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर चार राउंड फायरिंग की, जिसमें दो लोग घायल हो गए। अब तक इस मामले में 118 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में एक लाख के इनामी आठ नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में लोन वर्राटू (घर वापस आइये) अभियान के तहत डीआरजी कार्यालय दंतेवाड़ा में एक लाख के इनामी आठ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। लोन वर्राटू (घर वापस आइये) अभियान के तहत डीआरजी कार्यालय दंतेवाड़ा में आत्मसमर्पित करने वाले एक लाख के इनामी आठ नक्सलियों में 30 वर्षीय मंगडू मड़काम निवासी टेकलगुड़ा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा टेकलगुड़ा पंचायत सीएनएम सदस्य इनाम 50 हजार रुपये, 26 वर्षीय देवा राम कुंजाम निवासी रेवाली बचेलपारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा ककाड़ी पंचायत सीएनएम सदस्य

इनाम 50 हजार रुपये, 48 वर्षीय हड़मा सोड़ी निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर तिमेनार जीआरडी सदस्य, 28 वर्षीय बुधराम मड़काम निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर भैरमगढ़ एरिया छात्र संगठन सदस्य, 27 वर्षीय जोगा मड़काम निवासी ककाड़ी कामापारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा ककाड़ी पंचायत डीएकेएमएस सदस्य, 26 वर्षीय पायकी कोवासी निवासी मदपाल कुड़मेरपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर मदपाल केएएमएस सदस्य, 30 वर्षीय सिगरेट वंजामी निवासी मदपाल पटेलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर पोमरा पंचायत भूमकाल मिलिशिया सदस्य, 50 वर्षीय पायकू वंजामी निवासी मदपाल पटेलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर पोमरा पंचायत भूमकाल मिलिशिया सदस्य ने आत्मसमर्पण कर किया है। उक्त नक्सलियों को आत्मसमर्पण कराने में आरएफटी (सूचना शाखा) दन्तेवाड़ा, 111वीं वाहिनी सीआरपीएफ एवं 230वीं वाहिनी सीआरपीएफ का योगदान रहा। आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि के साथ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिलने वाली अन्य सुविधाएं जैसे स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षण, कृषि भूमि आदि मुहैया कराई जाएगी।

वक्फ कानून के विरोध के नाम पर हिंसा की इजाजत दे रही है ममता सरकार : अमित मालवीय

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल प्रमुख और पश्चिम बंगाल के प्रभारी अमित मालवीय ने वक्फ (संशोधन) कानून के विरोध की आड़ में राज्य में हो रही हिंसा को लेकर ममता बनर्जी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जानबूझकर राज्य के विभिन्न इलाकों में हो रही हिंसा को नजरअंदाज कर रही है और वोटबैंक की राजनीति के लिए राज्य को जलने दे रही है। अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुर्शिदाबाद जिले के अल्पसंख्यक बहुल शमशेरगंज इलाके की तस्वीर साझा की, जिसमें एक हिन्दू महिला अपनी जली हुई दुकान के सामने रोती नजर आ रही है। वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों ने इस महिला की दुकान जला दी थी। मालवीय ने लिखा, इस हिंदू महिला का क्या दोष था? उसका वक्फ से क्या संबंध था? उसकी रोजी-रोटी क्यों राख कर दी गई, ममता बनर्जी? और राज्य पुलिस कहां थी? अगर अब भी आपको लगता है कि यह हिंसा सिर्फ एक विधेयक को लेकर है, तो आप खुद को भ्रमित कर रहे हैं। मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर, शमशेरगंज, सुती और निमतीता जैसे इलाकों में पिछले कुछ दिनों से वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसक घटनाएं हो रही हैं। हालांकि राज्य पुलिस का दावा है कि हालात अब सामान्य हैं लेकिन मालवीय ने इन दावों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार भले ही सामान्य स्थिति का दावा करे।

अलकनंदा में गिरी थार, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत, महिला गंभीर घायल

एजेंसी

देवप्रयाग। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भल्ले गांव के पास एक थार वाहन के लगभग 300 मीटर गहरी खाई से गिरकर अलकनंदा नदी में समा जाने से एक ही परिवार के पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल एक महिला को श्रीनगर के बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, सुबह करीब सात बजे यह दुर्घटना उस समय हुई जब फरीदाबाद से विवाह समारोह में शामिल होने गौचर जा रहा परिवार भल्ले गांव के पास अचानक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार थार वाहन गहरी खाई में गिरते हुए अलकनंदा नदी में जा पहुंचा।सूचना मिलते ही तहसीलदार सूरजपाल सिंह रावत, थाना प्रभारी महिपाल सिंह रावत, पुलिस बल और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन के ऊपर फंसी गंभीर घायल अनिता (45 वर्ष), पत्नी मदन सिंह नेगी को सुरक्षित निकालकर बेस अस्पताल श्रीनगर भेजा गया।

घायल महिला की ओर से दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने नदी में तलाशी अभियान चलाया। क्रेन की मदद से नदी से कार को बाहर निकाला गया, जिसमें पांच शव मिले। थाना प्रभारी महिपाल सिंह रावत ने बताया कि मृतक सुनील गुंसाई अपने परिवार सहित फरीदाबाद से गौचर (चमोली) में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में रुड़की से सुनील की पत्नी की बड़ी बहन अनिता और उसका बेटा आदित्य भी साथ हो लिए थे। सभी शवों को राफ्ट के जरिए मुल्या गांव लाया गया, जहां से उन्हें पोस्टमार्टम के लिए श्रीनगर भेजा गया। राहत और बचाव कार्य में कीर्ति नगर और हिंडोला खाल थानों की पुलिस टीमों ने भी सहयोग किया।मृतकों की पहचान इस प्रकार हैः

मृतकों की पहचान इस प्रकार हैः

सुनील गुंसाई (44) पुत्र होशियार सिंह

मीना गुंसाई (40) पत्नी सुनील गुंसाई

धैर्य (14) पुत्र सुनील गुंसाई

सुजल (12) पुत्र सुनील गुंसाई – (सभी निवासीः सैनिक कॉलोनी, फरीदाबाद)

आदित्य नेगी (16) पुत्र मदन सिंह नेगी, निवासी दुर्गा कॉलोनी, रुड़की

भारत रत्न बाबासाहेब

भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 – 6 दिसंबर, 1956)बाबा साहेब के नाम से लोकप्रिय , भारतीय विधिवेत्ता ,अर्थशास्त्री ,राजनीतिज्ञ और समाजसुधारक थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और दलितों के खिलाफ सामाजिक भेद भाव के विरुद्ध अभियान चलाया। श्रमिकों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन किया।

वे स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री एवं भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार थे।

आंबेडकर विपुल प्रतिभा का छात्र थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लन्दन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने विधि ,अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान के शोध कार्य में ख्याति प्राप्त की जीवन के प्रारम्भिक करियर में वह अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवम वकालत की। बाद का जीवन राजनीतिक गतिविधियों में बीता। 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया। 1990 में, भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान मरणोपरांत अम्बेडकर पर सम्मानित किया गया था।

प्रारंभिक जीवन

आंबेडकर का जन्म ब्रिटिश भारत के मध्य भारत प्रांत (अब मध्य प्रदेश में) में स्थित नगर सैन्य छावनी महू में हुआ था। वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं व अंतिम संतान थे। उनका परिवार मराठी था और वो आंबडवे गांव जो आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में है, से संबंधित था। वे हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो अछूत कहे जाते थे और उनके साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। डॉ. भीमराव आंबेडकर के पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत थे और उनके पिता, भारतीय सेना की मऊ छावनी में सेवा में थे और यहां काम करते हुये वो सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा की डिग्री प्राप्त की थी।

आंबेडकर को गौतम बुद्ध की शिक्षाओं ने प्रभावित किया था। अपनी जाति के कारण उन्हें इसके लिये सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा था। स्कूली पढ़ाई में सक्षम होने के बावजूद छत्र भीमराव को अस्पृश्यता के कारण अनेका प्रकार की कठनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। रामजी सकपाल ने स्कूल में अपने बेटे भीमराव का उपनाम 'सकपाल' की बजायं 'आंबडवेकर' लिखवाया, क्योंकी कोकण प्रांत में लोग अपना उपनाम गांव के नाम से लगा देते थे, इसलिए भीमराव का मूल अंबाडवे गांव से अंबावडेकर उपनाम स्कूल में दर्ज किया। बाद में एक देशस्त ब्राह्मण शिक्षक कृष्णा महादेव आंबेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे, ने उनके नाम से 'अंबाडवेकर' हटाकर अपना सरल 'आंबेडकर' उपनाम जोड़ दिया। आज आंबेडकर नाम से जाने जाते है।

आंबेडकर ने सन 1898 मे पुनर्विवाह कर लिया और परिवार के साथ मुंबई (तब बंबई) चले आये। यहाँ अम्बेडकर एल्फिंस्टोन रोड पर स्थित गवर्न्मेंट हाई स्कूल के पहले अछूत छात्र बने।

उच्च शिक्षा

गायकवाड शासक ने सन 1913 में संयुक्त राज्य अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय मे जाकर अध्ययन के लिये भीमराव आंबेडकर का चयन किया गया साथ ही इसके लिये एक 11.5 डॉलर प्रति मास की छात्रवृत्ति भी प्रदान की। न्यूयॉर्क शहर में आने के बाद, डॉ. भीमराव आंबेडकर को राजनीति विज्ञान विभाग के स्नातक अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश दे दिया गया। शयनशाला मे कुछ दिन रहने के बाद, वे भारतीय छात्रों द्वारा चलाये जा रहे एक आवास क्लब मे रहने चले गए और उन्होने अपने एक पारसी मित्र नवल भातेना के साथ एक कमरा ले लिया। 1916 में, उन्हे उनके एक शोध के लिए पीएच.डी. से सम्मानित किया गया। इस शोध को अंततः उन्होंने पुस्तक इवोल्युशन ओफ प्रोविन्शिअल फिनान्स इन ब्रिटिश इंडिया के रूप में प्रकाशित किया। हालाँकि उनकी पहला प्रकाशित काम, एक लेख जिसका शीर्षक, भारत में जातिः उनकी प्रणाली, उत्पत्ति और विकास है। अपनी डाक्टरेट की डिग्री लेकर सन 1916 में डॉ? आंबेडकर लंदन चले गये जहाँ उन्होने ग्रेज् इन और लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स मे कानून का अध्ययन और अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट शोध की तैयारी के लिये अपना नाम लिखवा लिया। अगले वर्ष छात्रवृत्ति की समाप्ति के चलते मजबूरन उन्हें अपना अध्ययन अस्थायी तौर बीच मे ही छोड़ कर भारत वापस लौटना पड़ा ये प्रथम विश्व युद्ध का काल था। बड़ौदा राज्य के सेना सचिव के रूप में काम करते हुये अपने जीवन मे अचानक फिर से आये भेदभाव से डॉ? भीमराव आंबेडकर निराश हो गये और अपनी नौकरी छोड़ एक निजी ट्यूटर और लेखाकार के रूप में काम करने लगे। यहाँ तक कि अपनी परामर्श व्यवसाय भी आरंभ किया जो उनकी सामाजिक स्थिति के कारण विफल रहा। अपने एक अंग्रेज जानकार मुंबई के पूर्व राज्यपाल लॉर्ड सिडनेम, के कारण उन्हें मुंबई के सिडनेम कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनोमिक्स मे राजनीतिक अर्थव्यवस्था के प्रोफेसर के रूप में नौकरी मिल गयी। 1920 में कोल्हापुर के महाराजा, अपने पारसी मित्र के सहयोग और अपनी बचत के कारण वो एक बार फिर से इंग्लैंड वापस जाने में सक्षम हो गये। 1923 में उन्होंने अपना शोध प्रोब्लेम्स ऑफ द रुपी (रुपये की समस्यायें) पूरा कर लिया। उन्हें लंदन विश्वविद्यालय द्वारा 'डॉक्टर ऑफ साईंस' की उपाधि प्रदान की गयी। और उनकी कानून का अध्ययन पूरा होने के, साथ ही साथ उन्हें ब्रिटिश बार मे बैरिस्टर के रूप में प्रवेश मिल गया। भारत वापस लौटते हुये डॉ? भीमराव आंबेडकर तीन महीने जर्मनी में रुके, जहाँ उन्होने अपना अर्थशास्त्र का अध्ययन, बॉन विश्वविद्यालय में जारी रखा। उन्हें औपचारिक रूप से 8 जून 1927 को कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. प्रदान की गयी।

छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष

भारत सरकार अधिनियम 1919, तैयार कर रही साउथबोरोह समिति के समक्ष, भारत के एक प्रमुख विद्वान के तौर पर अम्बेडकर को गवाही देने के लिये आमन्त्रित किया गया। इस सुनवाई के दौरान, अम्बेडकर ने दलितों और अन्य धार्मिक समुदायों के लिये पृथक निर्वाचिका और आरक्षण देने की वकालत की। 1920 में, बंबई से , उन्होंने साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरूआत की। यह प्रकाशन जल्द ही पाठकों मे लोकप्रिय हो गया, तब अम्बेडकर ने इसका इस्तेमाल रूढ़िवादी हिंदू राजनेताओं व जातीय भेदभाव से लड़ने के प्रति भारतीय राजनैतिक समुदाय की अनिच्छा की आलोचना करने के लिये किया। उनके दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान दिये गये भाषण ने कोल्हापुर राज्य के स्थानीय शासक शाहू चतुर्थ को बहुत प्रभावित किया, जिनका अम्बेडकर के साथ भोजन करना रूढ़िवादी समाज मे हलचल मचा गया। अम्बेडकर ने अपनी वकालत अच्छी तरह जमा ली और बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना भी की जिसका उद्देश्य दलित वर्गों में शिक्षा का प्रसार और उनके सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिये काम करना था। सन् 1926 में, वो बंबई विधान परिषद के एक मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों और जुलूसों के द्वारा, पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही उन्होनें अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये भी संघर्ष किया। उन्होंने महड में अस्पृश्य समुदाय को भी शहर की पानी की मुख्य टंकी से पानी लेने का अधिकार दिलाने कि लिये सत्याग्रह चलाया।

1 जनवरी 1927 को अम्बेडकर ने द्वितीय आंग्ल – मराठा युद्ध, की कोरेगाँव की लड़ाई के दौरान मारे गये भारतीय सैनिकों के सम्मान में कोरेगाँव विजय स्मारक मे एक समारोह आयोजित किया। यहाँ महार समुदाय से संबंधित सैनिकों के नाम संगमरमर के एक शिलालेख पर खुदवाये। 1927 में, उन्होंने अपना दूसरी पत्रिका बहिष्कृत भारत शुरू की और उसके बाद रीक्रिश्टेन्ड जनता की। उन्हें बॉंबे प्रेसीडेंसी समिति मे सभी यूरोपीय सदस्यों वाले साइमन कमीशन 1928 में काम करने के लिए नियुक्त किया गया। इस आयोग के विरोध मे भारत भर में विरोध प्रदर्शन हुये और जबकि इसकी रिपोर्ट को ज्यादातर भारतीयों द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया, डॉ अम्बेडकर ने अलग से भविष्य के संवैधानिक सुधारों के लिये सिफारिशों लिखीं।

धर्म परिवर्तन (बौद्ध धर्म में)

सन् 1950 के दशक में भीमराव अम्बेडकर बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षित हुए और बौद्ध भिक्षुओं व विद्वानों के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए श्रीलंका (तब सीलोन) गये। पुणे के पास एक नया बौद्ध विहार को समर्पित करते हुए, डॉ. अम्बेडकर ने घोषणा की कि वे बौद्ध धर्म पर एक पुस्तक लिख रहे हैं और जैसे ही यह समाप्त होगी वो औपचारिक रूप से बौद्ध धर्म अपना लेंगे। 1954 में अम्बेडकर ने म्यानमार का दो बार दौरा किया; दूसरी बार वो रंगून मे तीसरे विश्व बौद्ध फैलोशिप के सम्मेलन में भाग लेने के लिए गये। 1955 में उन्होने 'भारतीय बौद्ध महासभा' या 'बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया' की स्थापना की। उन्होंने अपने अंतिम महान ग्रंथ, 'द बुद्ध एंड हिज़ धम्म' को 1956 में पूरा किया। यह उनकी मृत्यु के पश्चात सन 1957 में प्रकाशित हुआ। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने खुद और उनके समर्थकों के लिए एक औपचारिक सार्वजनिक समारोह का आयोजन किया। डॉ. अम्बेडकर ने श्रीलंका के एक महान बौद्ध भिक्षु महत्थवीर चंद्रमणी से पारंपरिक तरीके से त्रिरत्न ग्रहण और पंचशील को अपनाते हुये बौद्ध धर्म ग्रहण किया। इसके बाद उन्होने एक अनुमान के अनुसार पहले दिन लगभग 5,00,000 समर्थकों को बौद्ध धर्म मे परिवर्तित किया। नवयान लेकर अम्बेडकर और उनके समर्थकों ने विषमतावादी हिन्दू धर्म और हिन्दू दर्शन की स्पष्ट निंदा की और उसे त्याग दिया। भीमराव ने दुसरे दिन 15 अक्टूबर को नागपूर में अपने 2,00,000 अनुयायीओं को बौद्ध धम्म की दीक्षा दी, फिर तिसरे दिन 16 अक्टूबर को भीमराव चंद्रपुर गये और वहां भी उन्होंने 3,00,000 समर्थकों को बौद्ध धम्म की दीक्षा दी। इस तरह केवल तीन में भीमराव ने 10 लाख से अधिक लोगों को बौद्ध धर्म में परिवर्तित किया। अम्बेडकर का बौद्ध धर्म परिवर्तन किया। इस घटना से बौद्ध देशों में से अभिनंदन प्राप्त हुए। में इसके बाद वे नेपाल में चौथे विश्व बौद्ध सम्मेलन मे भाग लेने के लिए काठमांडू गये। उन्होंने अपनी अंतिम पांडुलिपि बुद्ध या कार्ल मार्क्स को 2 दिसंबर 1956 को पूरा किया।

अम्बेडकर ने दीक्षाभूमि, नागपुर, भारत में ऐतिहासिक बौद्ध धर्म में परिवर्तन के अवसर पर, 14 अक्टूबर 1956 को अपने अनुयायियों के लिए 22 प्रतिज्ञाएँ निर्धारित कीं जो बौद्ध धर्म का एक सार या दर्शन है।

बाबा साहेब के विचार सदियों तक लोगों को ऊर्जावान बनाए रखेंगे

भारतीय राजनीति व समाज के ऐतिहासिक परिदृश्य में, डॉ. भीमराव अंबेडकर का उदय एक ऐसे जननेता के रूप में हुआ जिसने व्यक्तिगत संघर्ष की बुनियाद पर अपना सारा जीवन समाज की मुख्यधारा से विमुख, जीवन-यापन कर रहे, वंचितों, शोषितों, पीड़ितों व दलितों के हक की लड़ाई में समर्पित कर दिया। समग्र विकास की उनकी यह विचारधारा (दृष्टिकोण) संविधान निर्माण के दौरान भी परिलक्षित हुई; जो समानता व सर्वकल्याण की वैचारिकी पर केंद्रित है। तत्कालीन परिस्थिति में संविधान का निर्माण निश्चय ही एक दुरुह कार्य था। ऐसे मुश्किल वक्त में बाबा साहेब ने बड़े ही धीरज के साथ प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में अपनी बेहतरीन प्रबंधन क्षमता से भावी संविधान का मसौदा तैयार कर विश्व के अनोखे संविधान के निर्माण की ओर हमारा मार्ग प्रशस्त किया। बाबा साहेब अपने आप में एक संस्था हैं। उनका व्यक्तित्व व कृतित्व आज भी देशवासियों को आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता है। वे एक विद्वान, विधिवेत्ता और अनेक विधाओं के ज्ञाता थे। ऐसी शख्सियत के बारे में संपूर्णतः जानना और समझना भी अपने आप में एक चुनौती है।

बाबा साहेब के अद्वितीय विद्वान बनने से पहले का उनका एक 'दर्दनाक' इतिहास रहा है। उनका जन्म, एक बहुत ही साधारण से परिवार में मध्य प्रदेश के महू में भीमावाई साकपाल और रामजी की 14वीं संतान के रुप में 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। अंबेडकर का संपूर्ण जीवन प्रेरणाओं से भरा हुआ है। उनका जीवन-संघर्ष देशवासियों को आगे बढ़ने में एक उदाहरण के काम करता है। दरअसल, तब ऐसी परिस्थितियां थीं, जब समाज का एक वर्ग दोयम दर्जे के व्यवहार के योग्य समझा जाता था। स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, पेयजल जैसी तमाम बुनियादी सुविधाएं इन सबके पहुंच से दूर थीं। यह सब प्राचीन समय से ही भारतीय समाज में विद्यमान वर्ण व्यवस्था के असमान वर्गीकरण के कारण रही हैं। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शुद्र के अलावे भी समाज में कई जातियां रहती थीं, जिसे वर्ण व्यवस्था में स्थान तक नहीं दिया गया था। ऐसी जातियों के लोगों को समाज में 'अछूत' समझा जाता था। ऐसे समूहों का सामाजिक-आर्थिक रूप से शोषण किया जाता था।

अंबेडकर को भी इन कुरीतियों से दो-चार होना पड़ा। हिन्दुओं में प्रचलित वर्ण तथा जाति व्यवस्था में व्याप्त कुरीतियों ने दृढ़ इच्छाशक्ति से संकल्पित भीमराव को संघर्ष के लिए प्रेरित किया। वे स्वयं महार नामक अछूत जाति से संबंध रखते थे। इस कारण, उन्हें उच्च वर्ग के भेदभाव और अन्याय का सामना करना पड़ा। स्वयं, उनके गांव में उनके समुदाय के लोगों को हेय दृष्टि से देखा जाता था। अंबेडकर को विद्यालय में भी सामाजिक भेदभाव व असमानता का सामना करना पड़ा। कक्षा में उसे अन्य बच्चों से अलग बैठाया जाता था। अन्य बच्चे उनसे बात तक नहीं करते थे। यहां तक कि उन पर शिक्षक ध्यान भी नहीं देते थे। बाबा साहेब का प्रारंभिक जीवन अत्यंत कठोर रहा है। सकारात्मक बात यह थी कि वे इन विपरीत परिस्थितियों के समक्ष कभी झुके नहीं।

बाबा साहेब ने उच्च वर्ग की हर चुनौती को स्वीकार किया। वे यह भलीभांति जानते थे कि देश के विकास और कुरीतियों से मुक्ति का एकमात्र रास्ता शिक्षा प्राप्त करना ही है। कई कठिनाइयों के बावजूद अंबेडकर ने अपनी पढ़ाई जारी रखी। अपनी काबिलियत के बल पर उन्होंने ना सिर्फ देश के उच्च शिक्षण संस्थानों से शिक्षा ग्रहण की, बल्कि विदेशी विश्वविद्यालयों से भी एक शिक्षार्थी के रूप में जुड़े। देश-विदेश के प्रमुख कालेजों से शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत उसने भारतीय समाज-संस्कृति की कुरीतियों के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी। वे दलित वर्गों में शिक्षा का प्रसार और उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिये काम करना चाहते थे। सन् 1926 में, वे बंबई विधान परिषद के एक मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों और जुलूसों के द्वारा, पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये भी संघर्ष किया।

आजादी की प्राप्ति तथा संविधान निर्माण के बाद देश में दलितों तथा अछूत माने जाने वाले समुदाय की स्थिति बहुत हद तक सुधरी है। संविधान में 'अछूत' माने जाने वाली जातियों को परिभाषित कर उन्हें एक विशेष वर्ग- 'अनुसूचित जाति' के रूप में मान्यता प्रदान की गयी है। संविधान की नजर में सभी नागरिक समान हैं। संविधान के अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव को अपराध घोषित किया गया है। हिंदू समाज में कलंक के रूप में व्याप्त अस्पृश्यता को अनुच्छेद 17 अंत करता है और सभी रूपों में अस्पृश्यता के व्यवहार को निषिद्ध करता है। वहीं, अनुच्छेद 26 में उपलब्ध अवसरों की समानता की बात कही गयी है। इसी तरह, अनुच्छेद 29 और 30 अल्पसंख्यकों के संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकारों की रक्षा की बात करता है। विशेष बात यह है कि आज सभी देशवासियों को धार्मिक स्वतंत्रता तथा शोषण के विरुद्ध संरक्षण का अधिकार प्राप्त है। इसके अलावा भी, संविधान में अनेक अनुच्छेद व अधिनियमों का प्रावधान कर समाज में उनके अधिकारों की रक्षा हेतु प्रयास किये गये हैं। इसका सुफल यह है कि आज हर क्षेत्र में कमजोर तबके की हिस्सेदारी बढ़ रही है। मंदिर, तालाब तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अब उन्हें जाने की खुली छूट है।

बाबा साहेब, एक ऐसे विभेद-रहित समाज की स्थापना का स्वप्न देखते थे; जहां समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचे और समाज में उनकी सहभागिता स्थापित की जाए। वे स्त्री-शिक्षा के हिमायती थे। उनका कहना था कि एक समुदाय की प्रगति का माप महिलाओं द्वारा हासिल प्रगति की डिग्री से होता है। शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण व्यापक था। उनका विचार था कि 'शिक्षा शेरनी के समान है, जिसका दूध पीकर हर बच्चा दहाड़ने लगता है। अंबेडकर ने अपने चिंतन में किसानों की चिंता की है। बीते वर्ष, इसी तिथि को प्रधानमंत्री ने ई-मंडी की शुरुआत की थी। उद्देश्य यह था कि किसानों को एक वृहत बाजार ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाए, ताकि पैदावार को बाजार तक ले जाने में किसानों की किसी भी तरह की असुविधा ना हो। दुखद यह है कि एक तरफ, देशभर में चंपारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के मौके पर अनेक आयोजन किये जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ जंतर-मंतर पर अपनी बुनियादी मांगों के साथ कुछ किसान पिछले एक माह से प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान केवल 'वोट बैंक' नहीं हैं और ना ही उनके नाम पर कल्याणकारी योजनाओं के वादे, चुनावी घोषणापत्रों की शोभा बढ़ाने के लिए बने हैं; यह बात सियासतदानों को समझनी होगी।अंबेडकर जयंती को, सभी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने तरीके से मनाकर, खुद को दलितों का उद्धारक साबित करने के प्रपंची प्रयास वर्षों से करती आयी हैं। दुर्भाग्य यह है कि छोटी-बड़ी क्षेत्रिय पार्टियों से लेकर राष्ट्रीय पार्टियाँ; सभी वोट बैंक की राजनीति के तहत, एक बड़े वर्ग को लुभाने के लिए उनके नाम का गलत इस्तेमाल कर रही हैं। भारतीय राजनीति की यह बड़ी विडंबना है कि यहां जाति व संप्रदाय आधारित राजनीति होती है। किसी भी मुद्दे अथवा विवाद के समाधान पर सामूहिक विचार-विमर्श के स्थान पर, उसे राजनीतिक रंग देकर जाति व धर्म के परंपरागत बंधनों में बांधने की कोशिश हमारे तमाम सियासतदान करते रहे हैं। बाबा साहेब का विचार था 'हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं।' दुर्भाग्य यह है कि आज लोग 'भारत माता की जय' अथवा 'वंदे मातरम' बोलने और ना बोलने को लेकर परेशान हैं। बाबा साहेब आज जीवित होते, तो वे निराश जरूर होते। जिस, भारत को संवारने के लिए असंख्य क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी, वहां लोग देश की एकता और अखंडता को तोड़ने पर आमदा नजर आते हैं।आज बाबा साहेब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार व दर्शन सदियों तक लोगों को ऊर्जावान बनाए रखेंगे। जरूरी यह है कि अंबेडकर के विचार व दर्शन से युवा पीढ़ी को परिचित कराया जाए। अंबेडकर भारत रत्न हैं। वे देश के नेता हैं। उन्हें बांटा न जाये और न ही किसी सीमा में बांधा जाए। वे कल भी प्रासंगिक थे, आज भी हैं और सदैव रहेंगे।

आईपीएल 2025ः हैदराबाद ने पंजाब को 8 विकेट से हराया, अभिषेक शर्मा ने लगाया शानदार शतक

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 27वें मुकाबले में अभिषेक शर्मा के रिकॉर्ड शतक की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया है। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में पंजाब ने 246 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे हैदराबाद ने 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। शानदार शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। 246 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा के साथ ट्रेविस हेड ने शानदार शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 12.2 ओवर में 171 रन की साझेदारी की। हेड 37 गेंद में 66 रन बनाकर आउट हुए। वहीं अभिषेक ने 55 गेंद में 10 छक्के और 14 चौके लगाते हुए 141 रन की पारी खेली। इस दौरान अभिषेक ने महज 19 गेंद में अर्धशतक और 40 गेंद में शतक लगाया। क्लासेन

21 और किशन 9 पर नाबाद रहे। इस तरह एसआरएच ने 18.3 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 247 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। पंजाब के लिए युजवेंद्र चहल और अर्शदीप सिंह को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले, टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर में 245 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंजाब के बल्लेबाजों ने भी तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए चार ओवरों में 66 रन जोड़े। तीन ओवरों में ही इस जोड़ी ने टीम का स्कोर 50 के पार पहुंचा दिया था। आर्या ने 13 गेंदों पर दो चौके और चार छक्कों की मदद से 36 रन बनाए। उनके बाद आए कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी आक्रामक रुख अख्तियार किया। इस बीच प्रभसिमरन सिंह भी आउट हो गए। प्रभसिमरन सिंह ने 23 गेंदों पर सात चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाए। अय्यर का साथ देने नेहल वढेरा आए। हालांकि, वह ज्यादा आगे नहीं जा सके और 22 गेंदों पर 27 रन बनाकर आउट हो गए। शशांक सिंह दो और ग्लेन मैक्सवेल तीन रन बनाकर पवेलियन लौट लिए। अय्यर अकेले लड़ रहे थे। इस बीच मार्कस स्टोनिस ने भी अपने बल्ला का दम दिखाया। अय्यर 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर आउट हो गए।

छक्के कैसे मारता हूं, अगर बता दिया तो सब समझ जाएंगे : निकोल्स पूरन

एजेंसी

लखनऊ। गुजरात टाइटंस ने जब पहले खेलकर मात्र 180 रन ही बनाए थे तो दर्शकों की नजर लखनऊ के बल्लेबाज निकोल्स पूरन पर आ गई। पूरन ने इस सीजन में दर्शकों को निराश नहीं किया है। उन्होंने ताबड़तोड़ शॉट लगाते हुए सीजन में 4 अर्धशतक लगा दिए हैं। ऑरेंज कैप भी उनके पास ही है। अपनी बल्लेबाजी पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैं कभी-कभी खुद को आश्चर्यचकित करता हूं, गेंद को बल्ले के बीच में जितना संभव हो सके उतना करीब लाता हूं और अपने बल्ले की स्विंग को समायोजित करता हूं। छक्के कैसे मार लेते हैं, सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर मैं आपको सब कुछ बता दूंगा, तो वे अंततः मुझे समझ जाएंगे। यह समझने के बारे में है कि किसे आउट करना है और कभी-कभी अहंकार को भी दूर रखना है। मेरे लिए यह छक्के मारने के बारे में नहीं है, यह इस बारे में है कि मैं अपनी पारी कैसे खेलता हूं। नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने का अवसर मिलने पर, आपको कई बार खेलने की जरूरत होती है और कई बार मजबूत होना पड़ता है।ऑरेंज कैप जीतने पर कैसा महसूस होता है, सवाल पर निकोलस पूरन ने कहा कि यह ऑरेंज कैप हैट के बारे में नहीं बल्कि गेम जीतने के बारे में है। आज विकेट बल्लेबाजी के लिए बिल्कुल खूबसूरत था। इस पर ज्यादा बात नहीं हुई।

वो 5 मैचों से पर्ची जेब में लेकर घूम रहा था, ट्रेविस हेड का मजेदार खुलासा

एजेंसी

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद की पंजाब किंग्स पर बड़ी जीत के बाद सबसे ज्यादा चर्चा अभिषेक शर्मा ने बटोरी जिन्होंने 40 गेंदों पर आईपीएल इतिहास का पांचवां सबसे तेज शतक जड़ा। अभिषेक ने जब शतक जड़ा तो उन्होंने जेब से निकाली पर्ची दर्शकों को दिखाई जिसपर उन्होंने ऑरेंज आर्मी के लिए विषेष नोट लिखा था। अभिषेक की यह एक्टिविटी क्रिकेट फैंस द्वारा खूब पसंद की गई। मैच खत्म होने के बाद जब इस संबंधी अभिषेक के साथी ट्रेविस हेड से बात की गई तो उन्होंने एक मजेदार किस्सा सुनाया। हेड ने साफ तौर पर कहा कि अभिषेक पहले ही इसके लिए तैयार थे। अब छठे मैच में उनका शतक बना है। वह तब से अपनी जेब में ही यह पर्ची डालकर घूम रहे थे।

आर्थर फिल्स को हराकर अल्कराज मोंटे कार्लो मास्टर्स के सेमीफाइनल में

मोनाको। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में फ्रांस के आर्थर फिल्स को हराकर मोंटे कार्लो मास्टर्स

टूर्नामेंट के सेमीफाइनल जगह बना ली है। आज यहां करीब ढ़ाई घंटे तक चले मुकाबले में आर्थर फिल्स से पहला सेट हराने के बाद अल्कराज ने संघर्षपूर्ण वापसी करते हुए मैच 4-6, 7-5, 6-3 से जीतकर अंतिम चार में जगह बना ली। सेमीफाइनल में में अल्कराज का मुकाबला हमवतन खिलाड़ी एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा।

मध्य प्रदेश, मणिपुर और पंजाब राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

झांसी। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 में हुए क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में मध्य प्रदेश, मणिपुर और पंजाब ने अपने-अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली । आज यहां दिन के पहले मैच में, चार क्वार्टर में 1-1 की बराबरी के बाद मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को शूटआउट में 4-2 से हराया। प्रताप लाकड़ा ने (छठे)मिनट पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर खेल की शुरुआत में मध्य प्रदेश को बढ़त दिलाई। तीन मिनट बाद महाराष्ट्र ने आकिब रहीम ने (नौवें) मिनट में मैदानी गोल कर स्कोर एक-एक से बराबर कर दिया। इसके बाद हुए शूटआउट में सुंदरम सिंह राजावत, श्रेयस धूपे, अली अहमद और प्रताप लाकड़ा ने मध्य प्रदेश के लिए गोल किए। महाराष्ट्र के लिए देविन्दर वाल्मीकि और वेंकटेश केंचे ही एकमात्र स्कोरर रहे, जबकि मध्य प्रदेश के गोलकीपर संजय बी ने महत्वपूर्ण बचाव करते हुए।

डोपिंग : भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु पर लगा चार साल का प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु पर डोपिंग के मामले में नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने चार साल का प्रतिबंध लगा दिया है। मनु के सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ मेथाइलटेस्टोस्टेरोन पाया गया, जिसके बाद यह सजा सुनाई गई है। 25 वर्षीय डीपी मनु ने 2023 एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था और बुडापेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। अप्रैल 2024 में बेंगलुरु में आयोजित इंडियन ग्रां प्री-1 में उन्होंने 81.91 मीटर भाला फेंककर प्रतियोगिता जीती थी। इसी इवेंट के दौरान लिए गए उनके सैंपल में डोपिंग की पुष्टि हुई। डोप टेस्ट के बाद भी मनु ने दो और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। हालांकि, वह पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए निर्धारित 85.50 मीटर क्वालिफाइंग मार्क पार नहीं कर सके। इसके बावजूद, उनकी वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर ओलंपिक में जगह मिलने की संभावना थी लेकिन नेशनल इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप, पंचकूला से पहले नाडा ने उन्हें प्रोविजनल सस्पेंड कर दिया था।

मार्च में हुआ अंतिम फैसला

नाडा के एंटी डोपिंग डिसिप्लिनरी पैनल द्वारा जारी ताजा लिस्ट के मुताबिक, डीपी मनु के

केस में अंतिम फैसला 3 मार्च को सुनाया गया। उनका चार साल का प्रतिबंध 24 जून 2024 से प्रभावी माना जाएगा, यानी उसी तारीख से उनकी सजा की गिनती शुरू होगी।

राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिपः मध्यप्रदेश, मणिपुर और पंजाब सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

झांसी। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 अब अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है। झांसी (उप्र) में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में हॉकी मध्यप्रदेश, मणिपुर हॉकी और हॉकी पंजाब ने शानदार प्रदर्शन कर अपने मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में जगह बनाई। दिन के पहले मुकाबले में हॉकी मध्यप्रदेश और हॉकी महाराष्ट्र के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। निर्धारित समय तक दोनों टीमों का स्कोर 1-1 से बराबर रहा। मध्यप्रदेश के लिए प्रताप लकड़ा (6फीसदी) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए शुरुआत की, जिसके जवाब में महाराष्ट्र के आकिब रहीम (9फीसदी) ने फील्ड गोल किया। मैच का निर्णय शूटआउट से हुआ, जहां मध्यप्रदेश ने 4-2 से जीत दर्ज की। सुंदम सिंह, श्रेयस धूपे, अली अहमद और प्रताप लकड़ा ने शूटआउट में गोल किए, जबकि गोलकीपर संजय बी ने अहम बचाव करते हुए टीम की जीत सुनिश्चित की। दूसरे क्वार्टर फाइनल में मणिपुर हॉकी और हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु के बीच रोमांचक लेकिन गोलरहित मुकाबला हुआ। दोनों टीमों ने क्रमशः 6 और 4 पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन कोई भी गोल

नहीं कर सका। शूटआउट में मणिपुर ने 4-1 से जीत दर्ज की। नीलकांता शर्मा, वारीबम नीरजकुमार सिंह, कोथाजीत सिंह और लैशराम दीपु सिंह ने गोल किए, वहीं गोलकीपर अंकित मलिक ने दो शानदार बचाव किए। तमिलनाडु के लिए केवल कार्थी सेल्वम ही स्कोर कर सके। तीसरे मुकाबले में हॉकी पंजाब ने हॉकी हरियाणा को 3-2 से हराया। पंजाब के अराइजित सिंह हुंदल (15फीसदी) ने पहला गोल किया, हरियाणा के संजय (32फीसदी) ने बराबरी दिलाई। परंतु, जुगराज सिंह (33फीसदी) और पारदीप सिंह (34फीसदी) ने ताबड़तोड़ दो गोल कर बढ़त बना दी। हरियाणा के कुलदीप (56फीसदी) ने अंतिम क्षणों में एक गोल किया, लेकिन पंजाब ने बढ़त कायम रखी।

'नाइट बाइट' में अय्यर और रहाणे ने बांटी जिंदगी की सीख और ज़ायकों की कहानी

एजेंसी

चंडीगढ़। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की खास कुकिंग शो सीरीज़ 'नाइट बाइट' के तीसरे एपिसोड में क्रिकेट से हटकर एक दिलचस्प और स्वादभरा मोड़ देखने को मिला। टीटीके प्रेस्टिज के साथ साझेदारी में बने इस शो में केकेआर के दो सितारे वेंकटेश अय्यर और अजिंक्य रहाणे ने मैदान से बाहर अपनी पाक कला का जलवा दिखाया और अपनी जड़ों से जुड़े जायकों की यादें साझा कीं। शो के दौरान जब उनके शहरों की खासियत पूछी गई, तो वेंकटेश अय्यर ने गर्व से इंदौर की गलियों का जिक्र किया। वेंकटेश ने मुस्कुराते हुए कहा, 'इंदौर में अगर आपने पोहे के साथ जलेबी नहीं खाई, तो आपकी थाली अधूरी है।' उन्होंने इंदौर के मशहूर 'सराफ़ा बाज़ार' का भी जिक्र किया, जहां रात में चलने वाला स्ट्रीट फूड मार्केट शहर की शान मानी जाती है। शो के होस्ट और शेफ कुणाल कपूर ने इंदौर के प्रसिद्ध 'भुट्टे की खीस' की भी चर्चा की, जिसे खासकर बारिश के मौसम में बड़े चाव से खाया जाता है। वहीं अजिंक्य रहाणे ने बताया कि उन्हें वड़ा पाव खाए लगभग 5-6 साल हो चुके हैं, लेकिन यह मुंबई की तेज रफ्तार जिंदगी का प्रतीक है। उन्होंने कहा, 'मुंबई में लोग भागदौड़

में रहते हैं, और वड़ा पाव ही वो चीज़ है जो चलते-फिरते खाई जाती है। वहीं वेंकटेश ने एक हेल्दी राइस रेसिपी भी साझा की, जो उन्होंने अपनी पत्नी से सीखी थी। इसमें ऑलिव ऑयल, सब्जियां, पनीर या सोया चंक्स व ब्रोकोली शामिल है, जो सेहतमंद और स्वादिष्ट दोनों है। क्रिकेट के दबाव को लेकर रहाणे ने कहा कि 'जब आप परिणाम के बारे में सोचते हैं तभी दबाव आता है। हम अनुभव और गलतियों से सीखते हैं। जरूरी है कि आप वर्तमान में रहें और उसी पल पर ध्यान दें। एपिसोड के अंत में तीन शहरों के जायकों को मिलाकर एक खास डिश 'खीस के बड़े' तैयार की गई। इंदौरी खीस से बना वड़ा, जो मुंबई के अंदाज में तला गया और कोलकाता की चटनी के साथ परोसा गया।

राजस्थान के खिलाफ 'ग्रीन जर्सी' में उतरेगी आरसीबी, कप्तान पाटीदार बोले- सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलना लक्ष्य

एजेंसी

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 13 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पूरी तरह तैयार है। इस मुकाबले की खास बात यह है कि आरसीबी अपनी पारंपरिक ग्रीन जर्सी में मैदान पर उतरेगी।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से हर साल यह विशेष पहल की जाती है, जिसे आरसीबी अपनी कार्बन-न्यूट्रल टीम की छवि के तहत निभा रही है। मैच की पूर्व संध्या पर कप्तान रजत पाटीदार ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, जब मैं मैदान पर होता हूं तो खुद को कप्तान मानता हूं, कप्तानी का दबाव महसूस नहीं करता। घरेलू क्रिकेट में भी मैं हमेशा

लेकिन बल्लेबाजी करते समय मैं सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देता हूं। मौजूदा पल पर ध्यान केंद्रित करता हूं और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। पाटीदार ने आगे कहा कि जब टीम एक मैच को एक समय में लेती है और आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरती है। उन्होंने कहा, हम अच्छे क्रिकेट पर फोकस करते हैं, न कि इस बात पर कि मुकाबला किस मैदान पर हो रहा है। ग्रीन जर्सी पहनना हमारे लिए गर्व की बात है और यह मुकाबला हमारे लिए बेहद खास और रोमांचक होगा। आरसीबी की यह हरित पहल न केवल खेल भावना को बढ़ावा देती है, बल्कि पर्यावरण-संरक्षण का संदेश भी पूरे विश्व तक पहुंचाती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि यह खास मुकाबला किस टीम के नाम होता है।

सुनील नरेन टीम के लिए एक्स-फैक्टर : क्विंटन डिकॉक

एजेंसी

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली शानदार 8 विकेट की जीत के बाद अपने ओपनिंग पार्टनर सुनील नरेन की जमकर तारीफ की। शुक्रवार रात खेले गए इस मुकाबले में केकेआर ने सीएसके को उसके घरेलू मैदान पर सिर्फ 104 रनों पर रोक दिया और लक्ष्य को सिर्फ 10.1 ओवर में हासिल कर लिया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिकॉक ने कहा, मुझे लगता है कि सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती की सबसे बड़ी ताकत उनकी विविधता है। दोनों मिस्ट्री स्पिनर हैं और हमेशा गेंदों को मिक्स करते रहते हैं। ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ शॉट लगाना आसान नहीं होता, क्योंकि आप अंदाजा नहीं लगा सकते कि अगली गेंद कैसी होगी। डिकॉक ने अपने ओपनिंग पार्टनर नरेन की बल्लेबाजी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, जब सुनील बैटिंग करते हैं, तो वो एक्स-फैक्टर लेकर आते हैं। हर गेंदबाज जानता है कि वो शुरुआत से ही आक्रामक खेलेंगे। डिकॉक ने अपने और नरेन की ओपनिंग साझेदारी के तरीके पर भी बात की।

उन्होंने कहा, जैसे ही वो शुरुआत करते हैं, वो पहली ही गेंद से बड़े शॉट लगाने लगते हैं। मैं बस एक-दो गेंद खेलकर उन्हें स्ट्राइक देता हूं और जानकारी देता रहता हूं कि पिच कैसी है। इससे उन्हें अपने तरीके से खेलने में मदद मिलती है।

गुजरात ने अंक तालिका में गंवाया पहला स्थान, हैदराबाद को बढ़त, पर्पल कैप की जंग हुई रोमांचक

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में हार के बाद आईपीएल 2025 प्वाइंट टेबल में पहला स्थान गंवा दिया है। वहीं शनिवार रात सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब को हराकर अपनी स्थिति मजबूत करते हुए प्वाइंट टेबल में 2 स्थान की बढ़त हासिल की है।

गुजरात के छह मैचों में 4 जीत और 2 हार के बाद 1.081 के नेट रन रेट के साथ 8 अंक हैं। दिल्ली के भी 8 अंक ही हैं जो टॉप पर है लेकिन उसने अपने चारों मैच जीते हैं। लखनऊ के भी छह मैचों में 4 जीत और 2 हार के बाद 8 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट (0.162) के कारण तीसरे स्थान पर है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने 6 मैचों में 2 जीत के साथ 4 अंक हासिल किए और अब 8वें पायदान पर है।

वहीं पंजाब की टीम ने 5 में से 3 मैच जीते हैं जिससे उसके 6 अंक हैं और तालिका में छठे स्थान पर है।

ऑरेंज कैप : निकोल्स पूरन ऑरेंज कैप होल्ड किए हुए हैं और पिछले मैच के मुकाबले अपने खाते में 61 रन जोड़े हैं। इससे उनके 6 इनिंग्स में 69.80 की औसत और 87 के हाइएस्ट स्कोर के साथ 349 रन हो गए हैं जिसमें 4 अर्धशतक भी शामिल हैं।

पर्पल कैपः नूर अहमद 8.33 की इकोनॉमी के रेट से 5 मैचों में 150 रन देते हुए 18/4 के बेस्ट बॉलिंग के साथ 12 विकेट अपने नाम कर पर्पल कैप होल्ड किए हुए हैं। लेकिन शार्दुल ठाकुर से उन्हें कड़ी टक्कर मिल रही है क्योंकि उन्होंने गुजरात के खिलाफ 2 विकेट लेकिन संख्या को 11 कर दिया है। शार्दुल ने भी छह मैच खेले हैं लेकिन उनका ईकोनॉमी रेट 10.38 है।

दौसा में देवनगरी प्रीमियर कबड्डी लीग 2025 का हुआ भव्य शुभारंभ

दौसा। देवनगरी प्रीमियर कबड्डी लीग 2025 (द्वितीय) का उद्घाटन बजरंग मैदान, दौसा में हर्षोल्लास और खेल भावना के साथ किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा नेता जगमोहन मीना रहे, जबकि अध्यक्षता आरपीएससी के पूर्व सदस्य विनोद बिहारी शर्मा ने की। समारोह में अनेक विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की, जिनमें परिवहन आयुक्त जगदीश प्रसाद बैरवा, नगर परिषद अध्यक्ष कल्पना जैमन, कबड्डी संघ के महासचिव अब्दुल जब्बार, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सचिन तंवर, भामाशाह केदार प्रसाद मीना व भाजपा अजजा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेश मीना प्रमुख रहे। समारोह की शुरुआत खिलाड़ियों से परिचय और विधिवत खेल शुभारंभ के साथ हुई।

ग्लेन फिलिप्स ग्रोइन इंजरी के कारण आईपीएल 2025 से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के कीवी ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ग्रोइन इंजरी के चलते इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। गुजरात टाइटंस की ओर से जारी बयान में कहा गया, ग्लेन फिलिप्स को 6 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान ग्रोइन इंजरी हुई थी। वह स्वदेश लौट चुके हैं और इस सीजन में अब हिस्सा नहीं लेंगे। फिलहाल फ्रेंचाइजी ने फिलिप्स के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। ग्लेन फिलिप्स को यह चोट 6 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान लगी थी। इस सीजन अब तक फिलिप्स को गुजरात टाइटंस की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला था, लेकिन वह इस मुकाबले में सब्स्टीट्यूट फील्डर के तौर पर मैदान पर उतरे थे। घटना पावरप्ले के आखिरी ओवर में हुई, जब पॉइंट पर फील्डिंग कर रहे

फिलिप्स ने ईशान किशन के शॉट का पीछा किया। गेंद को तेजी से पकड़कर थ्रो करते वक्त वह अपना ग्रोइन ज्यादा खींच बैठे और दर्द से कराहते हुए मैदान पर गिर पड़े। इसके बाद गुजरात टाइटंस के सपोर्ट स्टाफ की मदद से उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। ग्लेन फिलिप्स से पहले दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा भी निजी कारणों के चलते गुजरात टाइटंस का कैंप छोड़कर स्वदेश लौट चुके हैं। अब फिलिप्स की गैरमौजूदगी से टीम की बेंच स्ट्रेंथ पर असर पड़ सकता है।

रन कम थे, या गेंदबाजी कमजोर रही, शुभमन गिल ने बताया हार का कारण

एजेंसी

लखनऊ। एकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के हाथों गुजरात टाइटंस को सीजन की दूसरी हार झेलनी पड़ी। गुजरात अच्छी शुरुआत के बावजूद 180 रन ही बना पाई जिसका फायदा लखनऊ के बल्लेबाजों ने उठाया। वहीं, मैच खत्म होने के बाद जब शुभमन गिल से हार का कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि विकेट पर हिट करना शुरू से ही आसान नहीं था। यह बातचीत थी कि अगर एक बल्लेबाज जम गया है, तो हमें कम से कम 17-18 ओवर खेलने होंगे ताकि हम बोर्ड पर 200-220 का अच्छा स्कोर बना सकें। लगातार 2 विकेट खोने से हमें मदद नहीं मिली। गेंद रुक रही थी, यह आसान विकेट नहीं था। बीच में हमारा स्ट्राइक रोटेशन उतना अच्छा नहीं था जितना हमने उम्मीद की थी और यह कुछ ऐसा है जिस पर हमें काम करने की जरूरत है।

आक्रामक बल्लेबाजों के

खिलाफ मानसिकता क्या रहती है, सवाल पर शुभमन ने कहा कि मेरी कोशिश हमेशा विकेट लेने की रहती है। यही हमारी रणनीति थी। हां, हम खेल में पीछे थे लेकिन अगर हमें 2-3 विकेट मिल जाते हैं, तो मैच बहुत आगे बढ़ सकता था। 10-11वें ओवर के बाद जब हम गेंदबाजी कर रहे थे, तो थोड़ी ओस थी। गेंद उतनी नहीं रुकी जितनी हमने सोचा था। जब आपको 30 गेंदों पर 30 रन चाहिए होते हैं और अगर मैच अंतिम ओवर तक जाता है, तो यह हमारे लिए हमेशा अच्छा संकेत है। दूसरे टाइमआउट में यही बातचीत हुई कि हम इस खेल को जितना संभव हो सके उतना आगे ले जाएंगे।

अंक तालिका में गुजरात दूसरे स्थान पर : गुजरात टाइटंस मैच शुरू होने से पहले अंक तालिका में पहले नंबर पर थी। लेकिन लखनऊ सुपर जायंट्स ने जीत के साथ उन्हें दूसरे स्थान पर धकेल दिया है। लखनऊ अब छह मैचों में चार जीत के साथ तीसरे नंबर पर आ गई है। पहले नंबर पर चार मैचों में चार जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स बनी हुई है। गुजरात ने पहला मुकाबला पंजाब से हारने के बाद मुंबई, आरसीबी, हैदराबाद और राजस्थान को लगातार मैचों में हराया था। लेकिन लखनऊ के खिलाफ उन्हें हार झेलनी पड़ी। वहीं, लखनऊ ने इस सीजन में दिल्ली और पंजाब से ही मुकाबले गंवाए है। वह हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता और गुजरात पर जीत हासिल कर चुकी है।

मोहन बागान एसजी ने बेंगलुरु एफसी को 2-1 से हराकर जीता आईएसएल कप

एजेंसी

कोलकाता। मोहन बागान सुपर जायंट (एमबीएसजी) ने बेंगलुरु एफसी को 2-1 हराकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 कप जीता। आज यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीडांगन में खेले गये मुकाबले में एमबीएसजी ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दूसरी बार यह खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही एमबीएसजी, मुंबई सिटी एफसी (2020-21) के बाद एक ही सीजन में लीग शील्ड और आईएसएल कप जीतने वाली दूसरी टीम बन गई है। बेंगलुरु एफसी के डिफेंडर अल्बर्टो रोड्रिग्ज ने 49वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 1-0से बढ़त दिलाई। इसके बाद मोहन बागान के कमिंग्स ने 72वें मिनट में गोलकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया।

ऋतिक रोशन के अपोजिट होंगी

प्रियंका चोपड़ा

1000 करोड़ी फिल्म से पहले होगा असली धमाका!

ऋतिक रोशन के नाम इस वक्त दो बड़ी फिल्में हैं. पहली 'वॉर 2', जो इसी साल रिलीज की जाएगी. फिलहाल थोड़ा शूट बाकी है. वहीं एक है- KRRISH 4. फिल्म का डायरेक्शन खुद ऋतिक रोशन ही संभाल रहे हैं. ऐसा कहा जा रहा है कि वो फिल्म में कई किरदार निभाने वाले हैं. वहीं प्रीति जिंटा भी पिक्चर में दिखाई देंगी. इस सुपरहीरो फिल्म को राकेश रोशन आदित्य चोपड़ा के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं. इंडियन सिनेमा के रूटस को पकड़े हुए ग्लोबल लेवल पर धमाका करने की प्लानिंग की जा रही है. इसी बीच खबर आई कि फिल्म में प्रियंका चोपड़ा भी दिखने वाली हैं.

हाल ही में पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी. इसके मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा 'कृष 4' में वापसी कर रही हैं. वहीं वो प्रिया का रोल करती ही नजर आएंगी. कहा जा रहा है कि ऋतिक रोशन और आदित्य चोपड़ा ने प्रियंका चोपड़ा को बतौर फीमेल लीड लॉक कर लिया है. दरअसल इस वक्त ऋतिक अमेरिका में हैं, ऐसा पता लगा कि उनकी निक और प्रियंका से मुलाकात भी हुई है.

ऋतिक रोशन के अपोजिट होंगी प्रियंका ?

नई रिपोर्ट के मुताबिक, ऋतिक रोशन की krrish 4 के लिए प्रियंका चोपड़ा को कंफर्म कर लिया गया है. वो बतौर लीड पिक्चर में काम करती दिखेंगी. दरअसल दोनों की जोड़ी हिट रही है और काफी पसंद भी की गई है. साल 2006 में कृष आई थी, जिसके बाद से ही प्रियंका चोपड़ा इस फ्रेंचाइज के साथ जुड़ी हुई है. अब क्योंकि कहानी आगे बढ़ेगी, तो प्रियंका की जरूरत भी होगी. ऐसे में उन्होंने हामी भर दी है. वो ऋतिक रोशन की फ्रेंचाइज को आगे ले जाने की प्लानिंग सुन काफी खुश हैं.

फिल्म का काम कहां तक पहुंचा ?

KRRISH 4 का प्री-प्रोडक्शन वर्क जारी है. इस वक्त VFX टीम सुपरहीरो एपिक के प्री-विज पर काम कर रही है. वहीं ऋतिक रोशन का भी पूरा फोकस फिल्म की तरफ है. वो राइटर्स के साथ मिलकर काम कर रहे हैं. इसके साथ ही आदित्य चोपड़ा भी स्क्रिप्ट को बेहतर बनाने पर काम कर रहे हैं. दरअसल 'कृष 4' एक ऐसी फिल्म है, जिसमें ड्रूख्रङ्ग की शुरुआत ही कहानी के साथ होती है. कहा जा रहा है कि फिल्म का शूट साल 2026 के पहले क्वार्टर से शुरू होगा. साथ ही साथ कास्टिंग भी चल रही है.

1000 करोड़ी फिल्म में प्रियंका

इस वक्त प्रियंका चोपड़ा SSMB29 पर काम कर रही हैं. वो एस.एस राजामौली और महेश बाबू की फिल्म के लिए 30 करोड़ फीस ले रही है. फिल्म का शूट चालू हो चुका है. ऐसी खबर है कि वो पिक्चर में नेगेटिव रोल करती दिखेंगी. इस फिल्म का बजट 1000 करोड़ से ज्यादा बताया जा रहा है.

कौन हैं 'स्त्री' का सबसे पसंदीदा पुरुष? इस शख्स पर जान छिड़कती हैं

श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने साल 2024 में आई अपनी फिल्म 'स्त्री 2' से टिकट खिड़की पर एक दो नहीं बल्कि ढेरों रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे. इस फिल्म की आंधी में बड़े-बड़े दिग्गजों के रिकॉर्ड धरे के धरे रह गए थे. श्रद्धा ने 'स्त्री' की तरह 'स्त्री 2' में भी अपनी बेहतरीन अदाकारी से फैंस का दिल जीत लिया था.'स्त्री 2' की अपार सफलता के बाद से ही श्रद्धा कपूर के सितारे बुलंदियों पर हैं. खैर एक्ट्रेस फिलहाल तो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. लंबे समय से उनका नाम राहुल मोदी के साथ जुड़ रहा है. हाल ही में उन्हें राहुल के ऑफिस जाते हुए देखा गया. इससे पहले भी एक्ट्रेस का नाम कई लोगों के साथ जुड़ चुका है. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि एक्ट्रेस की लाइफ का सबसे पसंदीदा शख्स कौन है? एक बार खुद बॉलीवुड की 'स्त्री' ने सोशल मीडिया पर अपने पसंदीदा पुरुष का खुलासा किया था.

कौन हैं 'स्त्री' का सबसे पसंदीदा पुरुष ?

श्रद्धा कपूर दिग्गज एक्टर शक्ति कपूर की बेटी हैं. श्रद्धा अपने पिता को अपनी लाइफ का सबसे पसंदीदा पुरुष मानती हैं. 2024 में शक्ति कपूर के बर्थडे पर श्रद्धा ने एक पोस्ट शेयर करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थी और उन्हें 'बापू' कहते हुए पसंदीदा पुरुष कहा था. एक्ट्रेस ने पिता के साथ अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा था, आज मेरे पसंदीदा पुरुष का जन्मदिन है. जन्मदिन की शुभकामनाएं बापू. वो स्त्री है, वो कुछ भी कर सकती है, क्योंकि उसके पापा का हाथ हर दम उसके सिर पर है.

इस फिल्म के दौरान हुई थी राहुल-श्रद्धा की मुलाकात

रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल और श्रद्धा की पहली मुलाकात फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' के दौरान हुई थी. राहुल ने श्रद्धा और रणबीर कपूर की इस फिल्म के लिए बतौर राइटर काम किया था. इस दौरान उनका श्रद्धा के साथ अच्छा रिश्ता बन गया था. इसके बाद से लगातार दोनों के अफेयर की खबरें आती रहती हैं.

साथ में सेलिब्रेट किया था बर्थडे

श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी को हाल ही में श्रद्धा के बर्थडे पर गेटवे ऑफ इंडिया के पास स्पॉट किया गया था. रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि श्रद्धा ने राहुल के साथ ही अपना 38वां बर्थडे सेलिब्रेट किया था.

जब घर आए शाहरुख के बालों में हेमा मालिनी ने खुद की कंघी, फिर एक्टर ने लिया लाइफ बदलने वाला फैसला

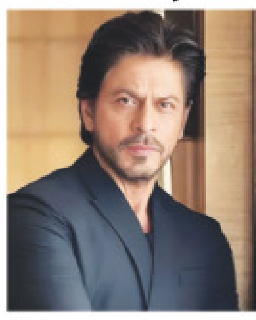

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के इंडस्ट्री में कई बड़े दिग्गज कलाकारों के साथ अच्छे रिश्ते हैं. अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज एक्टर के शाहरुख खान पैर छूते हैं और उनका काफी सम्मान करते हैं. वहीं हेमा मालिनी जैसी मशहूर और सीनियर एक्ट्रेस को भी शाहरुख काफी मानते हैं.शाहरुख खान के दिल में बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी के लिए बेहद प्यार और सम्मान है. दोनों के बीच कई मौकों पर खास बॉन्डिंग देखने को मिली है. इसका इससे बढ़िया उदाहरण क्या हो सकता है कि सालों पहले जब शाहरुख, हेमा मालिनी के घर पहुंचे थे तो हेमा ने खुद अपने हाथों से शाहरुख के बालों में कंघी की थी. इसके बाद एक्टर ने तुरंत ही अपनी लाइफ बदलने वाला बड़ा फैसला ले लिया था.

घर आए शाहरुख के बालों में हेमा ने की थी कंघी

जो किस्सा हम आपको सुना रहे हैं उसका खुलासा खुद शाहरुख खान ने इंडिया टीवी को दिए इंटरव्यू में किया था. शाहरुख ने बताया था एक बार उनका हेमा मालिनी के घर पर जाना हुआ था. तब हेमा को उनका हेयर स्टाइल पसंद नहीं आया था. हेमा ने शाहरुख से कहा था कि तुम्हें मेकअप करना होगा. लेकिन शाहरुख ने कहा कि मैं दिल्ली का लड़का हूं, मेकअप वगैरह के बारे में नहीं जानता. इसके बाद हेमा ने अपने हाथों से शाहरुख के बालों में कंघी की थी.

शाहरुख ने तुंरत लिया बड़ा फैसला

शाहरुख खान के लिए वो पल बेहद खास था. ये उन दिनों की बात है जब एक्टर इंडस्ट्री में बिलकुल नए थे. हेमा की तरफ से वो ऐसा व्यवहार देखकर हैरान रह गए थे. शाहरुख ने आगे कहा था, जब हेमा जी ने खुद मेरे बाल बनाए मैंने तभी फैसला कर लिया था कि अब मुंबई नहीं छोड़ना. अब नहीं जाऊंगा यहां से. इसके बाद एक्टर ने बॉलीवुड में टिके रहकर हिंदी सिनेमा में एक खास मुकाम हासिल किया.

शाहरुख की डायरेक्टर रह चुकी हैं हेमा

शाहरुख ने हिंदी सिनेमा में अपने कदम साल 1992 में आई फिल्म 'दीवाना' से रखे थे. इसके बाद इसी साल उनकी फिल्म 'दिल आशना है' भी रिलीज हुई थी. इसका डायरेक्शन हेमा मालिनी ने किया था. करियर की शुरुआत में ही शाहरुख को हेमा के साथ काम करने का मौका मिल गया था.

12 घंटे में दुनिया पलट गई...3 साल के बेटे के साथ हुआ कुछ ऐसा, इमरान हाशमी की लाइफ में 5 साल तक छा गया था अंधेरा

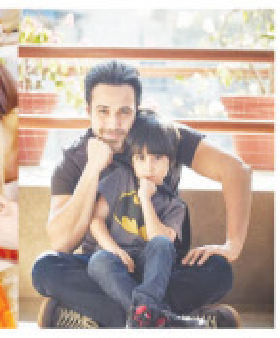

बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर इमरान हाशमी अपनी अपकमिंग फिल्म 'ग्राउंड जीरो' को लेकर सुर्खियों में हैं. इस फिल्म की चर्चा के बीच अब एक्टर ने अपने जीवन के सबसे बुरे दौर का खुलासा किया है. एक्टर ने बताया कि जब उनके बेटे अयान को तीन साल की उम्र में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो गई थी तो उनकी लाइफ में अचानक से सब कुछ बदल गया था. एक्टर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बेटे के कैंसर के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने कहा कि उनकी लाइफ में पांच साल तक अंधेरा छा गया था.रणवीर इलहाबादिया के पॉडकास्ट में जब इमरान हाशमी से जिंदगी के सबसे बुरे दौर को लेकर सवाल हुआ तब इमरान ने कहा, मुझे लगता है कि जब मेरा बेटा 2014 में बीमार हो गया था तो वो मेरी लाइफ का सबसे बुरा दौर था. इसे मैं शब्दों में भी बयां नहीं कर सकता कि वो फेज क्या था. सिर्फ उस वक्त नहीं, ये सब

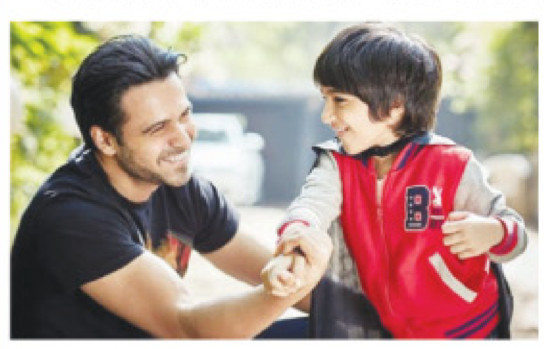

कुछ पांच साल तक चलता रहा. मैंने उस बुरे समय से बहुत कुछ सीखा और मुश्किल समय में भी उम्मीद बनाए रखी.

12 घंटे में दुनिया पलट गई

इमरान ने बताया कि, जब मेरा बेटा साल 2014 में बीमार हुआ था तो बहुत बड़ा धक्का लगा था. हम कभी इस चीज के लिए तैयार नहीं थे. इसके बाद उनसे सवाल किया गया कि उन्हें बेटे के कैंसर के बारे में पता कैसे चला था? तो एक्टर ने कहा, 12 घंटे में मेरी दुनिया पलट गई. 13 जनवरी को हम ताज लैंड्स होटल में पिज्जा खा रहे थे तब ही बेटे को कैंसर का पहला लक्षण खाने की टेबल पर दिखाई दिया. इसके बाद बेटे को यूरिन में ब्लड आने लगा. जो हमारा एक खुशी भरा ब्रंच था वो गम में बदल गया. अगले तीन घंटे के अंदर हम एक डॉक्टर के क्लिनिक में थे. डॉक्टर ने बताया आपके बेटे को कैंसर हुआ है. अगले दिन इसका ऑपरेशन करना पड़ेगा. फिर कीमोथेरेपी होगी.

5 साल बाद ठीक हुआ था बेटे का कैंसर

साल 2006 में इमरान ने परवीन शहानी से शादी की थी. 2010 में दोनों ने बेटे अयान का वेलकम किया. अयान जब तीन साल 10 महीने के थे तब उन्हें कैंसर हुआ हुआ था. इमरान ने बताया कि साल 2019 में अयान बीमारी से पूरी तरह ठीक हो गए.